शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | सोमवार, 19 अगस्त, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-231

सरकार गिराने की रची जा रही साजिश : परमेश्वर @ नम्मा बेंगलूरु

10 साल बाद जम्मू-कश्मीर में होने जा रहा विधानसभा चुनाव

जम्मू-कश्मीर में राजनीतिक-प्रशासनिक सरगर्मियां तेज

शांतिपूर्ण चुनाव कराने की पुख्ता तैयारी

- प्रदेश में तैनात हो रहे अर्धसैनिक बल के एक लाख जवान
- गुलाम नबी आजाद के सशर्त कांग्रेस में जाने की चर्चा तेज
- आजाद के सहयोगी ताज मोहिउद्दीन कांग्रेस में शामिल होंगे
- अब्दुल्ला पिता-पुत्र में संशय, कौन लड़ेगा विधानसभा चुनाव

नई दिल्ली/श्रीनगर, 18 अगस्त (ब्यूरो)। विधानसभा चुनाव की घोषणा होते ही जम्मू कश्मीर में राजनीतिक उथल-पुथल शुरू हो गई है। कांग्रेस छोड़ कर डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) बनाने वाले वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद के दोबारा कांग्रेस में शामिल होने की चर्चा तेज हो गई है। गुलाम नबी के पुराने सहयोगी एवं प्रदेश के पूर्व मंत्री ताज मोहिउद्दीन के कांग्रेस में शामिल होने से इस चर्चा को अधिक बल मिला है। हालांकि कुछ लोग मोहिउद्दीन के कांग्रेस में शामिल होने को गुलाम नबीं आजाद के लिए बड़ा झटका भी बता रहे हैं। उधर नेशनल कॉन्फ्रेंस में भी बाप-बेटे में उहापोह बना हुआ है कि बाप यानी फारूक अब्दुल्ला चुनाव लड़ेंगे या बेटा उमर अब्दुल्ला चुनाव लड़ेंगे। उधर, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने जम्मू कश्मीर में शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव कराने के लिए अर्धसैनिक बलों की भारी कुमुक तैनात करने का आदेश दिया है।

दो साल पहले कांग्रेस से अलग होकर अपना राजनीतिक दल खड़ा करने वाले पूर्व मुख्यमंत्री और डीपीएपी के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद के बारे में चर्चाओं का बाजार फिर से गर्म हो गया है। कहा जा रहा है कि कांग्रेस में वापस लौटने की शर्त होगी कि कांग्रेस गुलाम नबीं आजाद को मुख्यमंत्री के चेहरे के रूप में प्रस्तुत करे। फिलहाल कांग्रेस की तरफ से कोई सुगबुगाहट नहीं दिख रही है। हालांकि गुलाम नबी की पार्टी डीपीएपी के प्रवक्ता सलमान निजामी ने इन चर्चाओं को अफवाह करार दिया है। इन दावों के बरक्स गुलाम नबी आजाद के करीबी एक सहयोगी ने कहा कि कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व और गुलाम नबी आजाद के बीच विचार-विमर्श अभी भी जारी है। वह पुरानी पार्टी में फिर से शामिल होने के बारे में सोचें और फैसला लें, इसके पहले कांग्रेस आलाकमान को आजाद की शर्तें माननी होंगी।

गुलाम नबी आजाद ने अगस्त 2022 में कांग्रेस छोड़ दी थी और अपने कांग्रेसी साथियों के साथ डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी बना ली थी। आजाद की पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं सहयोगी ताज मोहिउद्दीन ने शनिवार को डीपीएपी से इस्तीफा देकर फिर से कांग्रेस में दाखिल होने की घोषणा कर दी। मोहिउद्दीन ने भी संकेतों में यह भी कहा कि वे कई अन्य वरिष्ठ नेताओं को कांग्रेस में वापस लाएंगे।

दूसरी तरफ जम्मू कश्मीर अपनी पार्टी के उपाध्यक्ष चौधरी जुल्फिकार अली ने शनिवार को गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। यह मुलाकात काफी अहम मानी जा रही है। चर्चा है कि जुल्फिकार भाजपा में शामिल हो सकते हैं। जुल्फिकार अली सबसे पहले पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) में थे और 2008 और 2014 के विधानसभा चुनाव में दरहाल विधानसभा से चुनाव लड़ा था। वह दो बार विधायक भी बने थे। जब जम्मू कश्मीर में 2015 में भाजपा- पीडीपी गठबंधन की सरकार बनी तो उन्हें कैबिनेट मंत्री भी बनाया गया था। 2020 में जम्मू कश्मीर अपनी पार्टी की स्थापना हुई थी। कई पीडीपी नेताओं ने मिलकर इस पार्टी की स्थापना की थी। जुल्फिकार अली इसके संस्थापक सदस्य हैं।

उधर, नेशनल कॉन्फ्रेंस में पिता पुत्र के बीच द्वंद्व चल रहा हे कि आखिर उनमें से कौन विधानसभा चुनाव लड़े।

▶10 पर

कोलकाता में डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या का मामला

सुप्रीम कोर्ट ने लिया दुष्कर्म-हत्याकांड का स्वत: संज्ञान

मुख्य न्यायाधीश की पीठ 20 को करेगी सुनवाई

- पुलिस कमिश्नर को हिरासत में ले सीबीआई : टीएमसी सांसद
- पद्म पुरस्कार विजेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखा पत्र
- इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने पीएम मोदी से हस्तक्षेप मांगा
- देशभर में डॉक्टरों की हड़ताल जारी, ममता से इस्तीफे की मांग

नई दिल्ली/कोलकाता, 18 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में महिला डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या के मामले का स्वतः संज्ञान लिया है। 20 अगस्त को इस मामले की सुनवाई खुद मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ करेगी। पद्म पुरस्कार से सम्मानित सत्तर से ज्यादा लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिख कर कोलकाता के जघन्य दुष्कर्म और हत्याकांड के अपराधियों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई की मांग की है।

बलात्कार एवं हत्या की घटना को लेकर पूरे देश में विरोध की आवाज गहराने लगी है। इससे बंगाल सरकार बैकफुट पर नजर आ रही है। कोलकाता की घटना को लेकर देशभर में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। यही वजह है कि बंगाल सरकार ने भी महिलाओं की सुरक्षा मजबूत करने के लिए कुछ दिशा निर्देश जारी करने की तैयारी की हैं। इनके मुताबिक महिला सुरक्षा से जुड़ी एक मोबाइल एप लॉन्च की जाएगी। साथ ही सुरक्षाकर्मियों में महिलाओं की भी भर्ती की जाएगी और साथ ही संस्थानों को महिलाओं की रात की ड्यूटी न लगाने के लिए कहा जाएगा।

हादसे का शिकार मृतक डॉक्टर की मां ने कहा, पहले हमें अस्पताल से फोन आया कि आपकी बेटी बीमार है, फिर फोन कट गया। जब मैंने फिर से फोन करके पूछा कि क्या हुआ तो उन्होंने हमें अस्पताल आने के लिए कहा। जब हमने फिर से कॉल किया तो कॉल करने वाले ने खुद को सहायक अधीक्षक बताते हुए कहा कि आपकी बेटी ने आत्महत्या कर ली है। वह गुरुवार को ड्यूटी पर गई थी। हमें शुक्रवार की सुबह 10.53 बजे यह कॉल मिला। जब हम वहां पहुंचे, हमें उसे देखने की अनुमति नहीं दी गई। हमें तीन बजे देखने की इजाजत दी गई। उसकी पैंट खुली हुई थी। उसके शरीर पर केवल एक कपड़े का टुकड़ा था। उसका हाथ टूटा हुआ था। आंखों और मुंह से खून बह रहा था। उसे देखकर बस ऐसा लग रहा था कि जैसे किसी ने उसकी हत्या कर दी है। मैंने उन्हें बताया कि यह आत्महत्या नहीं, हत्या है। हमने इतनी मेहनत की कि हमारी बेटी डॉक्टर बनी। लेकिन उसकी हत्या कर दी गई।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को लेकर उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री ने कहा था कि अपराधी को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। लेकिन अब तक कुछ नहीं हुआ है। एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। मुझे लगता है कि इस घटना में और भी लोग शामिल हैं। मैं मानती हूं कि पूरा विभाग इस घटना के लिए जिम्मेदार है। पुलिस ने बिल्कुल भी अच्छा काम नहीं किया। मुझे लगता है कि मुख्यमंत्री विरोध को रोकने की कोशिश कर रही हैं। आज उन्होंने यहां धारा 144 लागू की है ताकि लोग विरोध न कर सकें। पुलिस आयुक्त को लेकर उन्होंने कहा, उन्होंने हमारी बिल्कुल भी मदद नहीं की। वे बस मामले को जल्द से जल्द दबाने की कोशिश कर रहे थे। उनका प्रयास था कि पोस्टमार्टम जल्दी करवाया जाए और शव को हटा दिया जाए।

मृत महिला डॉक्टर के पिता ने कहा, जांच चल रही है, उसका कोई नतीजा नहीं निकला है। हमें उम्मीद है कि हमें नतीजे मिलेंगे। विभाग या कॉलेज से किसी ने भी हमारा सहयोग नहीं किया।

▶10 पर

भारत आईं नेपाल की विदेश मंत्री का हुआ स्वागत

द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करेंगे भारत और नेपाल

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। नेपाल की विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा देउबा रविवार को भारत पहुंचीं। नई दिल्ली पहुंचने पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल एवं अन्य अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। नेपाल की विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा देउबा की यात्रा नियमित उच्च स्तरीय भारत-नेपाल द्विपक्षीय आदान-प्रदान की परंपरा का हिस्सा है। वह सोमवार को भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात कर द्विपक्षीय संबंधों मजबूत करने, आपसी हितों और सहयोग को बढ़ावा देने पर चर्चा करेंगी।

नेपाली विदेश मंत्री देउबा 22 अगस्त तक भारत दौरे पर रहेंगी। उनकी यह यात्रा विदेश सचिव विक्रम मिस्री की काठमांडू यात्रा के एक सप्ताह बाद हो रही है। विदेश मंत्री का कार्यभार संभालने के बाद राणा की यह पहली आधिकारिक विदेश यात्रा होगी। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को कहा था कि एस जयशंकर के निमंत्रण पर देउबा भारत का दौरा कर रही हैं। उनकी यह यात्रा दोनों पड़ोसियों के बीच सदियों पुराने, गहरे और बहुआयामी संबंधों को और मजबूत करेंगी।

▶10 पर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा

सीएए से लाखों लोगों को मिलेगा न्याय

अहमदाबाद, 18 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) से सिर्फ लोगों को नागरिकता ही नहीं मिलेगी, बल्कि इससे लोगों को न्याय और अधिकार भी मिलेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री ने अहमदाबाद के झील इलाके में एक ऑक्सीजन पार्क का उद्घाटन किया। इस दौरान राज्य के सीएम भूपेंद्र पटेल भी मौजूद रहे।

अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगियों की तुष्टिकरण की राजनीति के चलते देश में शरण मांगने वाले लोगों को न्याय नहीं मिला। पड़ोस के देशों में लोगों को प्रताड़ित किया गया क्योंकि वे हिंदू, बौद्ध, सिख और जैन थे, लेकिन उनके अपने देश में भी उन्हें प्रताड़ना झेलनी पड़ी। विपक्षी गठबंधन की तुष्टिकरण की राजनीति में उन्हें न्याय नहीं मिला, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें न्याय दिया।

कांग्रेस ने सिर्फ तुष्टिकरण की ओछी राजनीति की है

10 करोड़ नए सदस्य बनाएगी भारतीय जनता पार्टी

केंद्रीय गृह मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने कहा कि पार्टी के नए अध्यक्ष के चुनाव के लिए भाजपा एक सितंबर से राष्ट्रव्यापी सदस्यता अभियान का पहला चरण शुरू करेगी। पार्टी ने इस अभियान के तहत दस करोड़ नए सदस्य को जोड़ने का लक्ष्य तय किया है। पार्टी के राष्ट्रीय पदाधिकारियों, प्रदेश अध्यक्षों और प्रभारियों की बैठक में सदस्यता अभियान का तानाबाना बुना गया। महासचिव विनोद तावड़े को अभियान का राष्ट्रीय संयोजक बनाया गया है।

सदस्यता अभियान का पहला चरण एक से 25 सितंबर तक और दूसरा चरण अक्तूबर में शुरू होगा। हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, झारखंड और महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के बाद सदस्यता अभियान की शुरुआत होगी। पार्टी ने 2014 से 2019 तक चले पूर्व के सदस्यता अभियान में 18 करोड़ सदस्य बनाए थे। तब भाजपा को दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी का दर्जा मिला था। इस बार मिस्ड कॉल, क्यूआर कोड, नमो एप और पार्टी की वेबसाइट के जरिए सदस्यता दी जाएगी। सदस्यता अभियान को सफल बनाने के लिए सभी मोर्चे को जोड़ा जाएगा। दो-तीन राज्यों को जोड़ कर सदस्यता प्रभारी नियुक्त किए जाएंगे।

शाह ने कहा कि देश की राजनीति में अगले 35 सालों तक भाजपा का परचम लहराता रहेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा जीवंत, सर्वस्पर्शी और सर्वसमावेशी पार्टी है। पार्टी की जड़ें काफी गहरी हैं। नए सदस्यता अभियान पर उन्होंने कहा कि हम वैसे ही दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी हैं। हम चाहते तो नए सिरे से सदस्यता अभियान की शुरुआत नहीं करते। हालांकि हम जीवंत और लोकतांत्रिक पार्टी हैं।

▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30^0

न्यूनतम : 22^0

झारखंड की सियासत में भूचाल

पूर्व सीएम चंपई सहित झामुमो-कांग्रेस के कई विधायक हो सकते हैं भाजपा में शामिल

रांची/नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड की सियासत से इस वक्त बड़ी खबर आ रही है। पूर्व सीएम और हेमंत सोरेन सरकार में मंत्री चंपई सोरेन भाजपा में शामिल हो सकते हैं। चंपई सोरेन के साथ झामुमो-कांग्रेस के पांच से छह विधायक भी भाजपा में शामिल होने की संभावना है। चंपई सोरेन दिल्ली पहुंच भी चुके हैं। चंपई सोरेन आज सुबह जमशेदपुर से सड़क मार्ग से कोलकाता पहुंचे और वहां से

दिल्ली के लिए फ्लाइट पकड़ी। बताया जा रहा है कि उनके साथ झामुमो के विधायक दशरथ गगराई, रामदास सोरेन, चमरा लिंडा और समीर मोहंती के अलावा पूर्व विधायक लोबिन हेंब्रम भी हैं।

▶10 पर

पैसे के दम पर तोड़ा जा रहा घर और पार्टी :हेमंत

हेमंत ने चंपई सोरेन और भाजपा पर साधा निशाना

रांची, 18 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड के पूर्व सीएम चंपई सोरेन सहित झामुमो के कई अन्य विधायकों के बीजेपी में शामिल होने की चर्चाओं के बीच झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बीजेपी पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि घर और पार्टी पैसे के दम पर तोड़ा जा रहा है।

उन्होंने कहा कि अभी बहुत जल्द चुनाव की घंटी राज्य में बजने वाली है। ये चुनाव कब होगा, इसकी घंटी हमारे विरोधी बीजेपी के पास है। चुनाव आयोग अब संवैधानिक संस्थान नहीं है, वो अब बीजेपी की संस्था हो गई है।

▶10 पर

बांग्लादेश संकट के मद्देनजर केंद्र का बड़ा फैसला

बांग्लादेश को बिजली बेचने की नीति में संशोधन

अब अपने देश में बिजली बेच सकेगा अडाणी पावर

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के अडाणी पावर प्लांट का पूरा उत्पादन बांग्लादेश को निर्यात करने का करार हुआ था, लेकिन बांग्लादेश की बदली हुई परिस्थितियों को देखते हुए भारत सरकार ने उसे अपने देश में भी बिजली बेचने की अनुमति दे दी है। इस फैसले से अडाणी ग्रुप को बड़ी राहत मिलेगी। 2023-24 में अडाणी पावर ने बांग्लादेश को 1 अरब डॉलर मूल्य की बिजली निर्यात की थी। बिजली निर्यात बढ़ने के साथ 2023-24 में बांग्लादेश को भारत के कुल निर्यात (11 अरब डॉलर) में बिजली का हिस्सा 9.3 प्रतिशत था। यह 1 अरब डॉलर से अधिक था। बांग्लादेश में हुए प्रायोजित विद्रोह के कारण प्रधानमंत्री शेख हसीना के ढाका छोड़कर भारत आने के बाद बांग्लादेश में अनिश्चितता आई और एक नई अंतरिम सरकार बनी। इन बदली हुई स्थितियों में भारत सरकार ने बिजली निर्यात नियमों में संशोधन करते हुए अडाणी पावर को अपने उत्पाद देश में भी बेचने की मंजूरी दे दी।

▶10 पर

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

अग्रवाल युवा संघ का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अग्रवाल समाज की शाखा अग्रवाल युवा संघ का रविवार को नलपाड बेंगलूरु इंटरनेशनल होटल के सभागार में समाज के अध्यक्ष सुभाष बंसल व सचिव सतीश गोयल की उपस्थिति में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन हुआ। सर्व प्रथम महाराजा अग्रसेन के चित्र के समक्ष द्वीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। तत्पश्चात समाज के अध्यक्ष सुभाष बंसल ने युवा संघ के अध्यक्ष रोहित केडिया व पूरी टीम को बधाई देते हुए अच्छे कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। अग्रवाल युवा संघ के अध्यक्ष रोहित केडिया ने समाज के

अध्यक्ष सुभाष बंसल व सचिव सतीश गोयल को माला व मैसूरु साफा पहनाकर सम्मानित किया। अग्रवाल समाज के कोषाध्यक्ष अंकित मोदी ने युवा संघ के अध्यक्ष रोहित केडिया व सचिव अंकित गोयल के साथ पूरी टीम को शपथ दिलाकर वर्ष 2024-2026 के लिए जिम्मदारी सौंपी। इस अवसर पर समाज के पूर्व अध्यक्ष रतनलाल सिंघल, संजय जालान, मदनलाल अग्रवाल, गौरीशंकर गुप्ता, रवि सिंघानिया, सुरेश कुमार मोदी, सजंय जाजोदिया, ओमप्रकाश पोद्दार, ऋषि गुप्ता के अलावा फाउंडेशन इंडिया के सचिव संजय गुप्ता, वैश्य फेडरेशन के अध्यक्ष बिपिन राम अग्रवाल सहित मारवाड़ी युवा मंच के कई गणमान्य लोग उप-स्थित रहे।

एक शाम टॉडगढ़ भैरोजी के नाम की तैयारियां जोरों पर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मेवाड़ जैन मित्र मंडल बेंगलूरु द्वारा पहली बार बेंगलूरु में एक शाम टॉडगढ़ भैरोजी के नाम का आयोजन 25 अगस्त को शाम 5 बजे से प्रिंसेस गोल्फ में किया जाएगा। कार्यक्रम के लिए मंडल के गौतम मांडोत ने श्री काला गौरा भैरव पावन धाम, मुख्य उपासक टॉडगढ़ के श्री विद्याप्रकाश पडियार एवं श्री कपिल पडियार को आमंत्रित किया है। इस संबंध में आयोजित एक बैठक में मंडल के प्रवीण दक ने बताया कि भैरोजी का भव्य दरबार सजाया जाएगा।

संयोजक रोहित मेहता ने कहा कार्यक्रम में संगीतकार भैरव भक्ति सम्राट गोकुल शर्मा, त्रिशा सुथार मौजूद होंगे और प्रस्तुति देंगे। मंडल के अमृत दलाल ने कहा कि बेंगलूरु में बैठे भक्तों को श्री

काला गौरा भैरव पावन धाम के मुख्य उपासक के सानिध्य में ज्योत के दर्शन करने का अवसर मिलेगा। इस संबंध में आयोजित बैठक में सभी का स्वागत गौतम मंडोत ने किया एवं कार्यक्रम की रूप रेखा से अवगत कराया। कैलाश दलाल ने सभी सदस्यों को एक जुट होकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया। सुनील बाबेल ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर संयोजक रोहित मेहता, दीपक गिलुंदिया, महावीर गन्ना, हेमंत मेहता, गौतम दलाल, जीतू गन्ना, महावीर जैन, हर्ष जैन, विनीत पितलिया, सचिन मांडोत आदि मौजूद थे। अमृत दलाल ने आभार व्यक्त किया।

धर्म का आईपीएल नामक कार्यक्रम आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री आदिनाथ जैन श्वेताम्बर संघ चिकपेट में रविवार को परम पूज्य गच्छाधिपति आचार्य श्री हेमप्रभसूरीश्वरजी के शिष्यरत्न, वर्तमान गच्छाधिपति विजय श्री विज्ञानप्रभसूरीश्वरजी के आज्ञा-नुवर्ती श्री निर्मोहप्रभविजयजी और पूज्य साध्वीजी श्री अरिहंतप्रभाश्रीजी की निश्रा में चिकपेट श्रीसंघ के सोहन हॉल में धर्म का आईपीएल, जहां जीत बल्ले से नहीं धर्म से मिलेगी, नामक जानकारी आयोजित किया गया। जिसमें दस टीमों का गठन किया गया। बहुत सानदार प्रतियोगिता हुई। संघ के पदाधिकारियों द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ किया। क्विज में 10 टीमें थी।

कार्यक्रम का संचालन तपस्वी रत्न निक्की कोठारी, प्रकाश निम्बिजिया, गौरव सतावट के साथ साथ मुख्य भूमिका में निर्मल चोरडिया, आगम हरण, पंकज पटवा, लक्षित सोनीगरा, गौरव सोलंकी आदि रहे। रेवतडा रुलर्स विजेता बनी एवं ट्राफी ट्रस्टियों द्वारा सम्मान पूर्वक टीम को अर्पित की गई।

वॉल्मीकि वॉकर ऐसोसिएशन ने मनाया स्वतंत्रता दिवस

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। वॉल्मीकि वॉकर ऐसोसिएशन द्वारा आयोजित ध्वजारोहण समारोह में जागरूक देशभक्त महिला सिद्धगंगा मैया ने जहां राष्ट्रीय गीत गाने हेतु म्यूजिक सिस्टम गिफ्ट किया, वहीं ऐसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष शिवशंकर ने इस अवसर पर खान-पान की व्यवस्था संभाली। आयोजन व्यवस्था को सुरेश बाबू ने संभाला, जबकि कर्नाटक उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता सुरेश गौड़ा ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, सुभाष चन्द्र बोस, महाराणा प्रताप, बाबू वीर कुंवर सिंह, चंद्रशेखर आजाद, भगतसिंह, राजगुरु, सुखदेव के शहादत की चर्चा की। समारोह में सुरेश रेड्डी, पंकज ठाकुर, रंजीत सिंह, श्रीनिवास आदि सैकड़ों पुरुष व महिलाएं शामिल हुईं। स्वतंत्रता दिवस समारोह की अध्यक्षता रामा अंजना रेड्डी ने की। न्यू टाउन के

हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में भी स्वतंत्रता दिवस का आयोजन जितेंद्र दुबे की अध्यक्षता में किया गया, जिसमें विश्व हिन्दू रक्षा समिति के पदाधिकारियों व सदस्यों ने भाग लिया। बेंगलूरु के बीएमआरसीएल में प्रबंध निदेशक महेश्वर राव ने ध्वजारोहण किया, जबकि गोदरेज सोसायटी, श्रीराम सुहाना व सहाना, प्रोविडेंट सोसायटी में भी स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण किया गया।

मित्र वही जो बुराइयों से बचाए: राजेशमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शांतिनगर स्थित लुणावत जैन स्थानक भवन में रविवार को राजेश मुनि जी ने मैत्री का महत्व बताया। मैत्री दिवस के विशेष प्रवचन में मुनिजी ने फरमाया कि मित्रता में कोई छोटा या बड़ा नहीं होता।

मित्र ऐसा हो जो संकट में साथ दे, सही रास्ता दिखाए। ऐसा मित्र जो हमारी उलझन को दूर करे और हमारी निर्णय शक्ति को शुद्ध करे, उसे गुरु शब्द से संबोधित किया जाता है। गुरु हमारे सच्चे मित्र होते हैं और गुरु के लिए जगत के सभी जीव उसके मित्र हैं। किसी के मित्रों के बारे में जान लीजिए आपको पता चल जाएगा कि वह व्यक्ति कैसा होगा।

किसी भी व्यक्ति की ऊंचाई पद प्रतिष्ठा और धन से नहीं, बल्कि उसके विचारों और संस्कारों से मापनी चाहिए। मित्र को बुराइयों से बचाने वाला ही सच्चा मित्र होता है। हमें सबसे पहले अपने घर परिवार के सदस्यों के साथ मैत्रीपूर्ण व्यवहार करना चाहिए। इससे घर में समन्वय बना रहेगा। बेटे और बेटी से भी मैत्रीपूर्ण व्यवहार होना चाहिए, ताकि वह अपने मन की बात कह सकें। ऋषभ मुनिजी ने गीतिका प्रस्तुत की। संघ के अध्यक्ष महावीर चंद्र मुथा ने विचार व्यक्त किया। शांतिलाल लुणावत ने गीतिका प्रस्तुत की। मित्र मंडल से रंजीतमल कानूंगा, संपत राज मरलेचा, अशोक चौरडिया, शांतिलाल भंडारी, सेंट्रल संघ से सुरेश लाल समदड़िया, बगड़ी नगर जैन संघ से नेमीचंद सिंघी, पदम कतरेला, उत्तमचंद बांठिया, अध्यक्ष सुरेश मुथा, सुरेश कातरेला आदि उपस्थित थे। ज्ञान बंब, नवयुवक मंडल के अध्यक्ष पदम् चंद्र लुणावत, बसंत राज बैताला, दिलीप मुथा, विनीत मुथा उपस्थित रहे। संघ अध्यक्ष धनरूप चंद मेहता व प्रकाश चंद मुथा ने स्वागत किया। संघ के मंत्री छगनमल लुणावत ने सभा का संचालन किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। वनबंधु परिषद महिला समिति बेंगलूरु चैप्टर द्वारा शनिवार को हाई ग्राउंड ट्रैफिक पुलिस स्टेशन में रक्षाबन्धन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महिला समिति की 9 सदस्यों ने इसमें भाग लिया। ओमकार से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। कांता काबरा ने सभी को एकल के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी। तत्पश्चात लगभग 40 पुलिस कर्मियों को तिलक लगाकर, राखी बांधकर मिठाई के डिब्बे दिए गए। सभी पुलिस कर्मी बहुत खुश हुए और कार्यक्रम की सराहना करते हुए शुभकामनाएं दीं।

एक भी व्यक्ति से द्वेष रखने वाला जीवन में आराधक नहीं बन सकता

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। गणेश बाग में विराजित श्री विनय मुनि जी खींचन ने आवश्यक सूत्र की विवेचना करते हुए कहा कि व्यवहार में आत्मा सामायिक है। पर्याय दृष्टि से सामायिक आत्मा का गुण है। गुण गुणी के पास होता है। हर व्यक्ति के पास नहीं होता है। सामायिक किसको प्राप्त होती है? जिनकी आत्मा संयम नियम और तप में शामिल होती है। समता भाव सभी जीवों पर रखना चाहिए। एक भी व्यक्ति से द्वेष रखने वाला जीवन में आराधक नहीं बन सकता है। जो अन्य जीवों के दुखों को समझ कर अन्य किसी जीव को दुख नहीं देते हैं। सभी जीवों को अपनी आत्मा के समान समझते हैं। ऐसे जीव सामायिक के अधिकारी होते हैं। पूर्ण सामायिक साधना की समाप्ति को ही मोक्ष अवस्था कहते हैं। प्रत्येक तीर्थंकर सामायिक से ही अपनी साधना शुरू करते हैं। इस मौके पर डोड्डबल्लापुर से वरिष्ठ श्रावक चंपालाल मकाणा, सुजीत मकाणा सपरिवार, अरसिकेरे से डॉ रोशन लाल बोहरा, फेजर टाउन से वरिष्ठ श्रावक विमलचंद खांटेड, मुन्नालाल डूंगरवाल, आरआर नगर से अविनाश डाकलिया, सलोनी डाकलिया, कब्बूर से अंकित बोथरा समेत अन्य लोग मौजूद थे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिनकुशलसूरि जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद बेंगलूरु शाखा द्वारा मुनिराज मलयप्रभ सागर जी एवं गुरुवर्या श्री प्रिय स्वर्णजनाश्री जी की मंगल आशीर्वाद से बैंड का शुभारंभ महा- मुत्युंजय मासक्षमण के तपस्वी दीपक छाजेड़ के निवास स्थल से किया गया। बैंड संयोजक अरविंद चोपड़ा ने सभी को बधाई देते हुए बताया कि यह बैंड धार्मिक कार्यक्रम में अपनी सेवाएं देंगी। उपसंयोजक विनोद बाफना एवं गौरव संखलेचा ने सहयोग देने वाले सभी साथियों का धन्यवाद सहित आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा अभी इस बैंड में 25 बच्चे अपनी स्वेच्छा से सेवा देंगे। युवा परिषद के अध्यक्ष पंकज बाफना एवं मंत्री विकाश खटोड़ ने बैंड मंडल में सेवा देने वाले सभी साथियों का तहे दिल से धन्यवाद दिया। यह जानकारी कैलाश संखलेचा ने दी।

गुरुदेव श्री मिश्रीमल एवं श्री रूपचंदजी का जन्म दिवस मनाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। यशवंतपुर स्थानक भवन में विराजमान साध्वी दर्शनप्रभाजी के सानिध्य में श्रमण संघीय प्रवर्तक गुरुदेव श्री मिश्रीमल जी एवं वरिष्ठ प्रवर्तक गुरुदेव श्री रूपचंदजी का जन्म दिवस मनाया गया। साध्वी दर्शनप्रभाजी ने कहा कि जन्म दिवस भोगियों का, जन्म जयंती योगी महापुरुषों का एवं जन्म कल्याणक तीर्थंकर का मनाया जाता है। स्थानकवासी परम्परा के महान संत मरुधर केशरी मिश्रीमलजी का श्रमणसंघ की स्थापना में महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

उन्होंने हमेशा संघ समाज को जोड़ने का कार्य किया है। उनके जीवन में जीवदया के प्रति बहुत

करूणा का भाव रहा है। इसलिए उनकी प्रेरणा से कई गौशाला, बकराशाला का निर्माण हुआ है। वह बहुत ही सरल स्वभाव के ज्ञानी विद्वान, वचन सिद्धी संत थे। उन्होंने श्रमण संघ के वरिष्ठ प्रवर्तक रूपचंद जी के लिए कहा कि वो छत्तीस कोम के सर्वमान्य लोकसंत थे। शेर की तरह निडरता से उनका संयमी जीवन रहा है। वह कभी भी किसी से डरते नहीं थे। हमेशा साधु साध्वी एवं अपने भक्तों का विशेष ध्यान रखते थे। श्रमण संघ को मजबूत बनाने का काम किया है। साध्वी समृद्धिश्री ने मधुर गीत के माध्यम से दोनों गुरुओं का स्मरण किया। इस अवसर पर मुमुक्षु रिद्धि, गौतमचन्द धारीवाल, शान्तिलाल सुराणा, सुरेन्द्र आँचलिया, भंवरलाल बोहरा, रतनलाल दलाल ने गुरु का गुणगाण किया। युवाशाखा के चेयरमैन पुखराज आँचलिया, अध्यक्ष राकेश संचेती, प्रांतीय युवा अध्यक्ष विकास कोठारी आदि सदस्यों ने बच्चों के लिये गुडलक योजना का शुभारंभ किया। समारोह में हस्तीमल बाफणा, अभय कुमार बांठिया, जसवंत गन्ना, जयन्तीलाल ओस्तवाल, कैलाश सहलोत, किरण बोहरा आदि लोग उपस्थित रहे। सज्जनराज, अमितकुमार, मनोज कुमार गुगलिया परिवार ने गौतम प्रसादी का लाभ लिया। संघ अध्यक्ष सुमेरसिंह मुणोत ने सभी का स्वागत अभिनंदन किया एवं समारोह का संचालन मंत्री रमेश बोहरा ने किया।

मेधावी छात्रों को किया सम्मानित

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो। तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम, हासन के तत्वावधान में मेधावी छात्र सम्मान समारोह एवं सामूहिक सामायिक तेरापंथ सभा भवन में आयोजित किया गया। दसवीं एवं 12वीं कक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी धृती तातेड़, अनीश कोठारी, हर्शल बरलोटा, हर्शल गादिया को सम्मानित किया गया। इसी के साथ समाज के वरिष्ठ डॉक्टर एवं इंजीनियर जयंतीलाल कोठारी, प्रकाश भंसाली, सुरेश तातेड़, सुरेश कोठारी, रमेश कोठारी को सम्मानित किया गया। सभी ने

अपने अनुभव साझा किए। टीपीएफ के अध्यक्ष भरत भंसाली ने सभी का स्वागत किया। इस मौके पर मलनाड तेरापंथ समिति अध्यक्ष महावीर भंसाली, महिला मंडल अध्यक्ष कौशल्या तातेड़, युवक परिषद अध्यक्ष नीतेश सुराना की उपस्थिति रही। टीपीएफ सदस्य शरत भंसाली ने आभार प्रकट किया।

सरकार गिराने की रची जा रही साजिश : परमेश्वर

हमारी पार्टी के कार्यकर्ता आज से सड़कों पर उतरेंगे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने कहा कि हम मुख्यमंत्री पर महाभियोग चलाने की राज्यपाल की अनुमति से कानूनी और राजनीतिक रूप से निपटने में कामयाब होंगे। उन्हें इससे कोई परेशानी नहीं होगी। यहां पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि राज्यपाल पद का दुरुपयोग किया जा रहा है। इसलिए हम कानूनी तौर पर लड़ने के साथ-साथ राजनीतिक तौर पर भी उचित जवाब देंगे। सोमवार से हमारी पार्टी के कार्यकर्ता सड़कों पर उतरेंगे। इस संबंध में अध्यक्ष पहले ही निर्देश दे चुके हैं। उन्होंने कहा कि विरोध प्रदर्शन के दौरान पथराव सहित किसी भी हिंसक कृत्य का सहारा लिए बिना शांतिपूर्ण संघर्ष जारी रहेगा। भाजपा को विरोध करने दीजिए। यह उनका अधिकार है। हम अपना अधिकार जताते हैं। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट है कि राज्यपाल ने अपनी शक्ति का दुरुपयोग किया है और चुनी हुई सरकार को अस्थिर करने की कोशिश की है और मुख्यमंत्री को निशाना बनाकर सरकार को ही गिराने की साजिश की गई है। तमिलनाडु, केरल, पश्चिम बंगाल समेत

कई राज्यों में जहां गैर-भाजपा प्रशासन है, वहां राज्यपाल का व्यवहार आपत्तिजनक है। अब ऐसी ही कोशिश कर्नाटक में भी चल रही है। उन्होंने कहा कि आलाकमान के नेता भारतीय गठबंधन के सदस्यों से राष्ट्रीय स्तर पर संघर्ष को लेकर चर्चा करेंगे। हालांकि केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी, पूर्व मंत्री शशिकला जोले, मुरुगेश निरानी और विधायक जनार्दन रेड्डी के खिलाफ अनुमति देने के लिए याचिकाएं लंबित हैं, लेकिन यह स्पष्ट रूप से दुर्भावनापूर्ण है कि राज्यपाल ने उन्हें अलग कर दिया और मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ अनुमति दे दी।

हमें पता था कि इन चारों के खिलाफ आवेदन लंबित हैं। उन्होंने कहा कि हम इस बात पर सहमत हैं कि नफरत की राजनीति नहीं होनी चाहिए। कुछ हद तक अधीरता है क्योंकि राज्यपाल ने इस परियोजना को अनुमति दे दी है। हम झूठ नहीं बोलने वाले और ना कहने वाले हैं। प्रशासन पर भी असर पड़ेगा। लेकिन हम इन सबसे उबरेंगे और सुशासन देने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। कैबिनेट बैठक में इस पर चर्चा हुई। इस्तीफे का सवाल ही नहीं उठता।

कानूनी लड़ाई जारी रखने के साथ-साथ सुशासन पर भी राय सुनी गई है। मुख्यमंत्री की ओर से वरिष्ठ वकील अभिषेक सिंघवी और कपिल सिब्बल अदालत में पेश होंगे। उन्होंने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो और वरिष्ठ वकीलों की मदद लेने की कार्रवाई की जायेगी। इसकी मंजूरी देते समय राज्यपाल ने मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) का पालन नहीं किया। केंद्र सरकार ने 17ए के तहत अनुमति देते समय अपनाए जाने वाले कदमों के संबंध में स्पष्ट दिशानिर्देश तैयार किए हैं।

सरकार को गिराने की साजिश का हिस्सा

मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) में कथित अनियमितताओं के संबंध में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ अभियोजन की मंजूरी देने के कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत के फैसले पर शनिवार को भाजपा और कांग्रेस के बीच तीखी नोकझोंक हुई। दो वरिष्ठ कैबिनेट मंत्रियों - उद्योग मंत्री एमबी पाटिल और ग्रामीण विकास मंत्री प्रियांक खड़गे ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ अभियोजन की अनुमति देने के राज्य के राज्यपाल थावर चंद गहलोत के फैसले की कड़ी निंदा की और इसे सत्ता का घोर दुरुपयोग और कांग्रेस सरकार को अस्थिर करने के लिए राजभवन को एक उपकरण के रूप में इस्तेमाल करना बताया है। उद्योग मंत्री एमबी पाटिल ने आरोप लगाया राज्यपाल द्वारा सामाजिक कार्यकर्ता टीजे अब्राहम की याचिका को मुडा घोटाले में मुख्यमंत्री के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति देने का फैसला सरकार को गिराने की साजिश का हिस्सा है। शनिवार को बेंगलूरु में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए पाटिल ने कहा कि अब्राहम द्वारा राज्यपाल को शिकायत सौंपे जाने के तुरंत बाद मुख्य सचिव ने राजभवन को विस्तृत स्पष्टीकरण दे दिया था। उन्होंने कहा हालांकि, राज्यपाल ने अगले ही दिन जल्दबाजी में कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया। जब कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था, तो हमें राज्यपाल की भूमिका पर संदेह था।

मत्स्यगंधा एक्सप्रेस ट्रेन के एसी कोच की छत गिरी

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

सांसद कोटा श्रीनिवास पुजारी द्वारा मंगलूरु-मुंबई मत्स्यगंधा एक्सप्रेस के पुराने कोचों को नए एलएचबी कोचों से बदलने के लिए केंद्रीय रेल मंत्री को एक अपील प्रस्तुत करने के ठीक एक सप्ताह बाद मत्स्यगंधा एक्सप्रेस ट्रेन के एसी कोच की छत गिर गई।

छत गिरने के बाद, तटीय क्षेत्र और महाराष्ट्र के यात्रियों ने भी मत्स्यगंधा एक्सप्रेस में एलएचबी कोचों के उपयोग की मांग की है। मत्स्यगंधा एक्सप्रेस के शुभारंभ के 26 साल बीत जाने के बावजूद, दक्षिण रेलवे पुराने आईसीएफ कोचों का उपयोग करके ट्रेन का संचालन जारी रखे हुए है। एलएचबी कोचों की मांग पर अभी तक ध्यान नहीं दिया गया है। छत गिरने की घटना के बारे में जानकारी मांगने वाले कोटा श्रीनिवास पुजारी ने आश्वासन दिया कि वे जल्द से जल्द इस मामले को दक्षिण रेलवे और केंद्रीय रेल मंत्री के समक्ष उठाएंगे ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोचों को एलएचबी कोचों से बदला जाए।

इस बीच, मत्स्यगंधा एक्सप्रेस के एसी कोच की ढही हुई छत का एक वीडियो और सांसद कोटा पुजारी द्वारा 23 अगस्त को सौंपा गया पत्र सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है।

राज्य के विभिन्न हिस्सों में दो दिनों तक भारी बारिश का अनुमान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मौसम में बदलाव के कारण राज्य में मानसून की बारिश फिर से शुरू हो गई है। सोमवार तक राज्य के विभिन्न हिस्सों में भारी बारिश का अनुमान है। भारतीय मौसम विभाग ने भारी बारिश के पूर्वानुमान के कारण राज्य के तटीय और पहाड़ी हिस्सों के लिए ऑरेंज अलर्ट और उत्तरी और दक्षिणी भीतरी इलाकों के लिए येलो अलर्ट की घोषणा की है। पिछले दो सप्ताह में राज्य में बारिश कम हुई है। कुछ जगहों पर मध्यम तो कुछ जगहों पर भारी बारिश हुई है।

कल्याण कर्नाटक के जिलों में अच्छी बारिश हुई है। कर्नाटक राज्य प्राकृतिक आपदा प्रबंधन केंद्र की जानकारी के मुताबिक, दक्षिणी आंतरिक जिलों में 19 अगस्त तक गरज, बिजली और तेज हवाओं के साथ बारिश होगी।

कुछ स्थानों पर व्यापक रूप से मध्यम बारिश होगी, जबकि कुछ स्थानों पर बारिश कम हो जाएगी। तटीय और पहाड़ी जिलों में 21 अगस्त तक भारी बारिश की संभावना है और ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इस हिस्से में व्यापक बारिश की संभावना है। उत्तरी आंतरिक जिलों में छिटपुट मध्यम वर्षा होगी। कुछ स्थानों पर व्यापक बारिश की उम्मीद है, जो जुलाई में तट और पहाड़ों पर भारी बारिश हुई थी वह अगस्त में कम हो गई है। ऊंचाई वाले इलाकों में सामान्य से 34 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई। तट पर सामान्य से 11 प्रतिशत कम बारिश हुई। उत्तरी कर्नाटक में सामान्य मात्रा में बारिश हुई, जबकि दक्षिणी भीतरी इलाकों में 100 प्रतिशत से अधिक बारिश हुई। हालांकि कुछ जगहों पर बारिश की कमी है। जुलाई में भारी बारिश के कारण सामान्य से 51 प्रतिशत अधिक बारिश हुई। अंदरूनी इलाकों में कम बारिश हुई तो पहाड़ी और तटीय इलाकों में भारी बारिश हुई।

मुडा घोटाला : केवल मेरे मामले में जांच की मंजूरी देने में इतनी जल्दबाजी क्यों : सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) भूमि घोटाले के संबंध में उनके खिलाफ जांच शुरू करने की मंजूरी देने के कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत के कदम की आलोचना करते हुए मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने जानना चाहा कि उनके मामले में इतनी जल्दबाजी क्यों दिखाई गई, जबकि इसी तरह के मामले में केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी के खिलाफ कोई मंजूरी जारी नहीं की गई।

कैबिनेट की आपात बैठक के बाद एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए सिद्धरामैया ने कहा केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी के खिलाफ लोकायुक्त याचिका के बावजूद उनके खिलाफ मंजूरी क्यों नहीं दी गई? मेरे मामले में

इतनी जल्दबाजी क्यों? याचिकाकर्ता टी.जे. अब्राहम ने 26 जुलाई को सुबह 11.30 बजे शिकायत दर्ज कराई और उसी दिन रात 10 बजे कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया गया। राज्यपाल कार्यालय में केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी के खिलाफ लोकायुक्त द्वारा 23 नवंबर, 2011 को एक याचिका दायर की गई है। मेरे मामले में, यह एक व्यक्ति द्वारा प्रस्तुत याचिका है। लोकायुक्त ने राज्यपाल को दी गई अपनी याचिका में कहा था कि केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने साईं वेंकटेश्वर मिनरल्स को 550 एकड़ में खनन की अनुमति दी है और बहुमूल्य संसाधनों की लूट की जा रही है। प्रारंभिक जांच में कुमारस्वामी की भूमिका साबित हुई है।

जांच की गई है। मुडा मामले में, कोई जांच नहीं की गई, कोई भूमिका नहीं थी, मेरे द्वारा कोई पत्र या आदेश नहीं है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने कहा प्रथम दृष्टया, ऐसा लगता है कि राज्यपाल ने इसे स्वतंत्र रूप से नहीं किया था। उन्होंने इसे भाजपा, जेडी-एस, एच.डी. कुमारस्वामी, कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र और विपक्ष के नेता आर. अशोक के इशारे पर किया है। पूर्व भाजपा मंत्री शशिकला जोले के खिलाफ लोकायुक्त द्वारा मुकदमा चलाने की मांग वाली याचिका 9 दिसंबर, 2021 को राज्यपाल के पास पेश की गई थी। सीएम सिद्धरामैया ने कहा पूर्व भाजपा मंत्री मुरुगेश निरानी के खिलाफ मुकदमा चलाने की मांग वाली याचिका 26 फरवरी, 2024 को दायर की गई थी। लोकायुक्त ने याचिका में दावा किया है कि वह सीधे तौर पर भ्रष्टाचार के मामले में शामिल हैं। विस्तृत जांच के बाद लोकायुक्त ने पूर्व भाजपा मंत्री जी. जनार्दन रेड्डी के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में मुकदमा चलाने की अनुमति मांगी। हालांकि, राज्यपाल ने अभी तक अनुमति नहीं दी है। उन्होंने कहा इससे साफ पता चलता है कि राज्यपाल द्वारा दी गई मंजूरी पूरी तरह से अनावश्यक, अवैध और राजनीति से प्रेरित है। यह बात राज्य के लोगों को पता होनी चाहिए और इसी पृष्ठभूमि में कैबिनेट की आपात बैठक बुलाई गई।

एचएसआर लेआउट में बाइक सवार ने छात्रा का किया यौन शोषण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

21 वर्षीय फाइनल ईयर की छात्रा, जो शनिवार देर रात घर लौट रही थी, का एचएसआर लेआउट में उसे घर छोड़ने के बहाने बाइक सवार व्यक्ति ने कथित तौर पर बलात्कार किया। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि वह कोरमंगला में एक दोस्त के साथ पार्टी में गई थी और कार से घर लौट रही थी।

कार की एक ऑटोरिक्शा से मामूली टक्कर हो गई। जब उसकी दोस्त फोरम मॉल के पास इकट्ठा हुए ऑटोरिक्शा चालकों से बहस

कर रही थी, तो पीड़िता उतर गई और पैदल चलने लगी। इस बीच, बाइक पर सवार आरोपी उसके पास आया और उसे घर छोड़ने की पेशकश की, लेकिन कथित तौर पर उसे एक सुनसान जगह पर ले गया और उसका यौन शोषण किया।

पीड़िता, जो अर्ध-चेतन और चोटों से पीड़ित थी, अपने परिवार और दोस्तों को फोन करने में कामयाब रही, जिन्होंने पुलिस नियंत्रण कक्ष को सूचित किया। रात के दौरे पर गए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने पीड़िता को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (पूर्व) रमन गुप्ता ने बताया कि आरोपियों की तलाश के लिए पांच विशेष टीमें गठित की गई हैं। डीसीपी साउथ ईस्ट सारा फातिमा ने कहा हमारे पास कुछ सुराग हैं और हम आरोपियों को पकड़ने के लिए काम कर रहे हैं। पीड़िता की हालत में सुधार हो रहा है और पुलिस ने आगे की जांच के लिए उसका बयान दर्ज कर लिया है।

कोन्नूर में सड़क दुर्घटना में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

धारवाड़ जिले के नवलगुंड के पास स्थित कोन्नूर में रविवार सुबह सड़क दुर्घटना में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। हावेरी निवासी रुद्रप्पा अंगड़ी (55), उनकी पत्नी राजेश्वरी (45), ऐश्वर्या (16) और विजय (12) की कार के केएसआरटीसी बस से टकराने से मौत हो गई। बस इल्कल से हुब्बल्ली जा रही थी और कार हावेरी से कल्लापुर जा रही थी। सभी पीड़ितों की मौके पर ही मौत हो गई। मामला दर्ज कर लिया गया है। आगे की जांच पड़ताल जारी है।

पुलिस और वन प्रकोष्ठ के अधिकारियों की कार्रवाई

भागमंडला में अवैध हथियार इकाई का किया भंडाफोड़

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शिकारियों पर नजर रखने के लिए अवैध शिकार विरोधी अभियान जारी रखते हुए, मदिकेरी पुलिस ने एक संयुक्त अभियान चलाया और एक अवैध आग्नेयास्त्र बिक्री और सेवा इकाई पर छापा मारा और पाँच देशी सिंगल बैरल ब्रीच लोडर फायरआर्म राइफलें और एक देशी पिस्तौल जब्त की। अधिकारियों की एक टीम ने भागमंडला के सन्नापोलिकोटू गाँव में किराए के घर पर छापा मारा और सुरेश को गिरफ्तार किया जो कई सालों से दुकान चला रहा था। एक पुलिस अधिकारी ने कहा आरोपी केरल के इडुक्की का मूल निवासी है, लेकिन वह भागमंडला में बंदूक बनाने वाले के रूप में काम कर रहा था और शिकारियों के बीच लोकप्रिय था। यह इन शिकारियों और शिकारियों के लिए हथियार खरीदने और अपनी सेवाएँ प्राप्त करने का एक पसंदीदा स्थान था।

उनकी सूचना के आधार पर पुलिस ने इलाके के आसपास के पांच ग्रामीणों को भी गिरफ्तार किया और उन्हें बेची गई सिंगल बैरल ब्रीच लोडर फायरआर्म-राइफलें बरामद कीं। आरोपियों पर भारतीय शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है और क्षेत्र में अवैध हथियारों का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है। पुलिस ने कहा आरोपी मडिकेरी के वन क्षेत्र में अवैध शिकार गतिविधियों में प्रमुख रूप से यो-गदान दे रहा था। पुलिस अधीक्षक रामराजन ने पुलिस अधिकारियों के अभियान की सराहना की और लोगों से वन्यजीवों और जंगल को बचाने में मदद करने का अनुरोध किया ताकि अवैध शिकार विरोधी अभियान के खिलाफ हाथ मिलाया जा सके। उन्होंने कहा लोगों को किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना पुलिस को देनी चाहिए। इस कार्रवाई के साथ ही पुलिस ने अवैध हथियारों के स्रोत और उनके सेवा केंद्रों का पता लगाने के लिए सतर्कता बढ़ा दी है, जिनके हर जिले में सक्रिय होने का संदेह है, खासकर उन वन क्षेत्रों में जहां शिकार और अवैध शिकार बेरोकटोक जारी है।

सीआईडी वन प्रकोष्ठ के अधिकारी गतिविधियों को रोकने के लिए राज्यव्यापी कार्रवाई के लिए कमर कस रहे हैं।

राजाजीनगर तेरापंथ सभा ट्रस्ट को मिला विशिष्ट सभा का सम्मान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सूरत में युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी के सानिध्य में तेरापंथी महासभा द्वारा आयोजित सभा प्रतिनिधि सम्मेलन में तेरापंथ सभा राजाजीनगर मंत्रिमंडल के सदस्य शामिल हुए। सदस्यों ने परिसर में विराजित आचार्य श्री महाश्रमणजी, साध्वी प्रमुखा विश्रुतविभा, मुख्य मुनि महावीर मुनि, साध्वी वर्या संबुधयशा, पर्यवेक्षक मुनि विश्रुत मुनि के दर्शन कर सेवा, उपासना का लाभ लिया। राजाजीनगर सभा द्वारा आयोजित विभिन्न गतिविधियों की आचार्य श्री को जानकारी प्रदान की गई एवं चातुर्मास के लिए निवेदन किया गया। राजाजीनगर सभा द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यो के लिए प्रतिनिधि सम्मेलन में राजाजीनगर तेरापंथ सभा को वर्ष 2023-24 के लिए विशिष्ट सभा के रूप में सम्मानित किया गया। महासभा के प्रतिनिधि सम्मेलन में अध्यक्ष अशोक चौधरी, उपाध्यक्ष मदन बोराणा एवं विमल पितलिया, मंत्री चंद्रेश मांडोत, संगठन मंत्री गौतम टेबा, निवर्तमान अध्यक्ष रोशनलाल कोठारी, कोषाध्यक्ष हंसराज चौधरी, परामर्शक ललित मांडोत, महासभा प्रभारी प्रकाश लोढ़ा, राजाजीनगर सभा प्रभारी संजय बांठिया उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में युवक की मौत

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेलापु पुंचलाकाडु रोड पर शनिवार रात एक स्कूटर सवार की उस वक्त मौत हो गई, जब उसका वाहन फिसलकर सड़क किनारे नाले से जा टकराया। मृतक की पहचान आदमरू बंदसाले निवासी जगदीश मूल्या (33) के रूप में हुई है। जगदीश एक सप्ताह पहले ही विदेश से अपने गृहनगर लौटा था।

यह दुर्घटना उस समय हुई, जब वह बेलापु रोड से पंचलाकाडु से घर लौट रहा था। सड़क किनारे नाले की दीवार से स्कूटर टकराने के कारण जगदीश के सिर में गंभीर चोट आई, जिससे उसकी मौत हो गई। जगदीश आदमरू बंदसाले निवासी अशोक मूल्या और शारदा मूल्या का सबसे बड़ा बेटा था। उसके परिवार में माता-पिता और पत्नी हैं। शिरवा पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है।

मुझे ब्लैकमेल कर डराया नहीं जा सकता है: कुमारस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जेडीएस नेता और केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी ने रविवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस के कुछ मंत्री उनके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में लंबित मामले को उठाकर उन्हें ब्लैकमेल कर रहे हैं। लेकिन मै ऐसे प्रयासों से डरने वाला नहीं हूं। रविवार को बेंगलूरु में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने घोषणा की कि वह अकेले ही राज्य सरकार के खिलाफ लड़ेंगे और उन्होंने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया सहित मंत्रियों से समर्थन नहीं मांगा है। कुमारस्वामी ने आरोप लगाया कि राज्य के राज्यपाल थावर चंद गहलोत का अपमान किया जा रहा है और सुप्रीम कोर्ट में लंबित पुराने मामलों को उठाकर उन्हें ब्लैकमेल किया जा रहा है। उन्होंने कहा मुझे सरकार के प्रयासों की परवाह नहीं है और मैं कांग्रेस के खिलाफ अकेले ही लड़ूंगा। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्यपाल को धमकाया जा रहा है और कांग्रेस नेताओं और मंत्रियों द्वारा लोगों को राजभवन के खिलाफ उठने के

लिए उकसाया जा रहा है, क्योंकि राज्यपाल ने मुडा घोटाले में मुख्यमंत्री के खिलाफ सामाजिक कार्यकर्ताओं की याचिकाओं को मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा मैंने 2006 में मुख्यमंत्री बनने के दो महीने के भीतर ही अपने खिलाफ लगे खनन के आरोपों का अकेले ही सामना किया था। मैंने कभी विधायकों और मंत्रियों की शरण नहीं ली। मैं कायर नहीं हूं। कुमारस्वामी ने कांग्रेस नेताओं के इस आरोप का जोरदार खंडन किया कि उनके पिता और जेडी(एस) सुप्रीमो एच डी देवगौड़ा ने राज्यपाल को मंजूरी देने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर दबाव डाला था। उन्होंने पूछा कि क्या हमारे पास कोई और काम नहीं है? देवेगौड़ा ने कडुगोला को अनुसूचित जनजाति की सूची में शामिल करने के लिए अमित शाह से मुलाकात की थी और मैं भी उस बैठक में शामिल हुआ था। जेडी(एस) नेता ने इस आरोप का खंडन किया कि देवेगौड़ा और कुमारस्वामी सिद्धरामैया को जेल भेजने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा सिद्धरामैया के बारे में मेरे पास कहने के लिए और भी कई चीजें हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वे सिद्धरामैया के इस्तीफे की मांग नहीं कर रहे हैं क्योंकि उन्हें पता है कि वे इस्तीफा नहीं देंगे। कानून हैं और जो कुछ भी होना है, वह कानून के अनुसार ही होगा। कुमारस्वामी ने कहा कि कांग्रेस के सांसदों ने संविधान की प्रति दिखाकर लोकसभा में शपथ ली। लेकिन वही कांग्रेस पार्टी राज्यपाल जैसे संवैधानिक पदाधिकारी के खिलाफ बदसूरत प्रदर्शन और विरोध प्रदर्शन कर रही है। उन्होंने कहा मैंने किसी अन्य राज्य में इस तरह का व्यवहार नहीं देखा है। जेडी(एस) नेता ने कहा कि उच्च न्यायालय ने जनताकाल खनन घोटाले को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा सरकार साई वेंकटेश्वर घोटाले की जांच करने के लिए स्वतंत्र है। कोई भी उन्हें रोकता नहीं है। अपने विरोधी और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार पर हमला करते हुए जेडी(एस) नेता ने व्यंग्यात्मक रूप से उल्लेख किया कि कोई यह घोषणा कर रहा है कि वह सिद्धरामैया के पीछे चट्टान की तरह खड़ा रहेगा और दावा किया कि यही चट्टान सिद्धरामैया के लिए खतरा है। केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि भाजपा-जद(एस) की मैसूरु चलो पदयात्रा और राज्यपाल द्वारा मुडा घोटाले की जांच के लिए मंजूरी देने के फैसले में कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा हमने लोगों को शिक्षित करने के लिए पदयात्रा की थी।

सिद्धरामैया केवल अपनी नाक के आगे की सोचते हैं : रविकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधान परिषद सदस्य एन. रविकुमार ने इस बात पर आपत्ति जताई कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया केवल अपनी नाक के आगे की सोचते हैं। मल्लेश्वरम में भाजपा के राज्य कार्यालय जगन्नाथ भवन में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि सिद्धरामैया ने येदियुरप्पा की जांच के लिए हंसराज भारद्वाज की पूर्व अनुमति का स्वागत किया था। सिद्धरामैया, जिन्होंने तब राज्यपाल द्वारा की गई कार्रवाई का स्वागत किया था, आज राज्यपाल द्वारा की गई कार्रवाई का विरोध कर रहे हैं? क्या उस समय कोई अलग संविधान था? क्या आज का संविधान अलग है? क्या वह संविधान नहीं है? उन्होंने सवाल किया कि क्या यह भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17ए नहीं है। यदि कोई दूसरा ऐसा करता है तो यह भ्रष्टाचार है। अगर उन्होंने ऐसा किया तो यह भ्रष्टाचार नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के इस रवैये की निंदा करती है। मुख्य प्रवक्ता अश्वथ नारायण ने एक झूठ को दस बार बोलने और उसे सच बनाने के लिए सिद्धरामैया की आलोचना की। मुडा कांड को लेकर तत्कालीन मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने जांच कर रिपोर्ट सौंपी थी। उन्होंने पूछा कि सिद्धरामैया उस रिपोर्ट का जिक्र क्यों नहीं कर रहे हैं। उस रिपोर्ट को प्रकाशित करें। प्रदेश महिला मोर्चा अध्यक्ष मंजुला ने कहा कि राज्य के गृह मंत्री ऐसे बात करते हैं जैसे सब कुछ गलत है। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि बेंगलूरु को बलात्कारियों का शहर बनाकर वे इस सिलिकॉन सिटी की प्रतिष्ठा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बर्बाद कर रहे हैं क्योंकि हत्या और बलात्कार के आरोपियों के खिलाफ कोई निर्णायक कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि बेंगलूरु में महिला सुरक्षा का मुद्दा गंभीर है। उन्होंने आपत्ति जताई कि इस सरकार ने महिलाओं के मुद्दे को बहुत हल्के में लिया है।

कृष्ण-सुदामा की मैत्री सच्ची और सर्वश्रेष्ठ मित्रता की मिसाल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

हनुमंतनगर स्थित मरुधर केसरी दरबार में रविवार को आदर्श मैत्री की मिसाल कृष्ण - सुदामा पर विशेष प्रवचन में साध्वी श्री धर्मप्रभा जी ने कहा कि मैत्री मनुष्य का सर्वश्रेष्ठ गुण है। आज के युवाओं को सबसे ज्यादा किसी की जरूरत महसूस होती है तो वह दोस्त है। अच्छा और सच्चा मित्र भी इन्सान को बड़े नसीब से मिलता है। सच्चे मित्र की कुछ विशेषताए हैं कि वह सदैव अपने मित्र को पापों से दूर रखता है। अपने मित्र के अवगुणों को छिपाकर सबके सामने उसके गुण प्रकट करता है। आपत्ति में अपने मित्र को सहयोग प्रदान करता है, उसे संकट में सदैव उसके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलता है। जो मित्र अपने मित्र के दुख में दुखी और सुख में सुखी ना हो तो ऐसे मित्र को मित्र ही नहीं कहना चाहिये। सच्चा मित्र भगवान के द्वारा भेजा गया एक उपहार के समान होता है। उन्होंने कहा कि मित्रता में न तो जाति देखी जाती है, ना कुल, ना

हैसियत। जो लोग हैसियत देखकर मित्रता करते हैं वो मित्रता नहीं बाल्क स्वार्थ से परिपूर्ण होते हैं और दोस्ती में कभी भी और कहीं भी स्वार्थ व कपट का स्थान नहीं होता है। कपटी और स्वार्थी मनुष्य कभी किसी का सच्चा मित्र हो ही नहीं सकता है। बालिका मण्डल ने नाटिका की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के लाभार्थी परिवार फूलचंद, शान्तिदेवी, गौतमचंद, आशीष कांटेड परिवार का हनुमंतनगर संघ की ओर से सम्मान किया गया। अध्यक्ष गौतमचंद सिंघवी ने स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन संघ मंत्री सुरेश कुमार धोका ने किया। कार्यक्रम में कई स्थानों से गुणमान्य श्रद्धालुगण उपस्थित थे। अर्णाकोणम से जयचन्द कटारिया, सुरेश चन्द्र छल्लानी, सुरेन्द्र भन्साली, चेन्नई से जवरीलाल रांका, देवराज कोठारी, शान्तिलाल भण्डारी समेत अन्य लोग मौजूद थे।

कांग्रेस राज्यपाल गहलोत की कार्रवाई के खिलाफ आज करेगी विरोध रैलियां

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के राज्यपाल थावर चंद गहलोत द्वारा मुडा घोटाले में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ शिकायतों की जांच के लिए मंजूरी दिए जाने के एक दिन बाद, सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी ने सोमवार को राजभवन के कदम के खिलाफ राज्यव्यापी विरोध रैलियां आयोजित करने का फैसला किया है। उपमुख्यमंत्री और केपीसीसी अध्यक्ष डी के शिवकुमार ने रविवार को घोषणा की कि कांग्रेस पार्टी सामाजिक कार्यकर्ता टी जे अब्राहम और दो अन्य द्वारा प्रस्तुत तीन अलग-अलग शिकायतों पर मुख्यमंत्री के खिलाफ मंजूरी जारी करने के लिए राज्यपाल के खिलाफ 19 अगस्त को राज्यव्यापी विरोध रैलियां करेगी। अपने सदाशिवनगर निवास पर पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा राज्य भर में सभी जिला मुख्यालयों में विरोध रैलियां आयोजित की जाएंगी। पार्टी के सभी नेता और कार्यकर्ता विरोध में भाग लेंगे। इस बीच, कांग्रेस विधायक दल के नेता के तौर पर मुख्यमंत्री ने गुरुवार को शाम 4 बजे विधान सौधा के कॉन्फ्रेंस

हॉल में विधायक दल की बैठक बुलाई है। शिवकुमार ने कहा कि राज्यपाल बेबुनियाद आरोप लगा रहे हैं।

उन्होंने कहा यह लोकतंत्र की हत्या है और हम इसका विरोध करेंगे। हमने अपने पार्टी नेताओं को शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि असामाजिक तत्व रैलियों में घुसपैठ न करें और परेशानी पैदा न करें। एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा हमने उन्हें राज्य के घटनाक्रम के बारे में जानकारी दी। राज्यपाल के फैसले के खिलाफ देशव्यापी प्रदर्शन करने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि एआईसीसी इस पर फैसला करेगी। उपमुख्यमंत्री ने कहा हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में दिल्ली, झारखंड, पंजाब, केरल, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में विधिवत निर्वाचित गैर-भाजपा सरकारों को अस्थिर करने के लिए भाजपा के राजनीतिक एजेंडे के अनुरूप राज्यपाल के दुरुपयोग की कड़ी निंदा करते हैं। तुंगभद्रा बांध के लिए नए क्रेस्ट गेट लगाने के सवाल पर उन्होंने कहा क्रेस्ट गेट सफलतापूर्वक लगाया गया है। जेडी(एस) नेता और केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र, पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई, भाजपा नेता गोविंद करजोल और अन्य विपक्षी नेताओं ने गेट टूटने के लिए हमारी आलोचना की थी। आलोचनाएँ खत्म हो जाती हैं, लेकिन अच्छा काम जिंदा रहता है। मैं क्रेस्ट गेट को ठीक करने में शामिल सभी लोगों को धन्यवाद देना चाहता हूँ।

पूर्णिया में एसपी ने रोका 75 पुलिसकर्मियों का वेतन, पुलिस महकमे में हड़कंप

पूर्णिया (एजेंसियां)।

पूर्णिया जिले में एसपी उपेंद्र नाथ वर्मा ने एक साथ 75 पुलिसकर्मियों का वेतन रोकने का आदेश दिया। यह कार्रवाई मामलों के निष्पादन में लापरवाही बरतने के कारण की गई है। इस कार्रवाई से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है और पुलिसकर्मियों में खलबली मची हुई है।

एसपी ने स्पष्ट किया कि अगर इन पुलिसकर्मियों द्वारा अपनी कार्यशैली में सुधार नहीं लाया जाता है, तो उनके खिलाफ और कड़ी कार्रवाई की जाएगी, साथ ही उन्हें निलंबित भी किया जा सकता है। इस कार्रवाई को पुलिस महकमे में जागृति लाने के लिए एक बड़ा कदम माना जा रहा है। एसपी के इस आदेश से पुलिसकर्मियों में डर का माहौल बन गया है और वे अपनी कार्यशैली में सुधार लाने के लिए मजबूर हो गए हैं।

एसपी उपेंद्र नाथ वर्मा ने जिन पुलिस पदाधिकारियों के वेतन पर रोक लगाने का आदेश दिया है, उनमें सबसे अधिक मरंगा थाने के आठ पुलिस पदाधिकारी, बड़हरा कोठी और टीकापट्टी तथा भवानीपुर के सात- सात पुलिस पदाधिकारी, मुफ्फसिल और अमौर थाना के छह-छह पुलिस पदाधिकारी शामिल हैं।

एसपी ने जिन 75 पुलिस

पदाधिकारियों का एक साथ वेतन रोकने का आदेश दिया उनमें बीकोठी थाने के वीरेंद्र कवि, रंजन कुमार, विजय पंडित, दीपक कुमार, विलट पासवान और शिवम कुमार शामिल हैं। जबकि भवानीपुर थाने के शंभू प्रसाद, रणविजय कुमार, सतेंद्र कुमार सिंह, मनोज कुमार साह, चंद्रभूषण प्रसाद, जनार्दन प्रसाद और सन्नो प्रवीण शामिल हैं। वहीं, रूपौली थाने के संटू सिंह, कातेश्वर नाथ पाण्डेय, टीकापट्टी थाने के समीर कुमार, कृष्ण कुमार सिंह, राज कुमार राम, ददन कुमार, उपेंद्र कुमार, शामिल हैं। केनगर थाने के जिन पुलिस पदाधिकारियों के वेतन पर रोक लगाई गई है उनमें संगीता कुमार, बाबूदीन, सत्यदेव ठाकुर, कसबा थाने की सोनी कुमारी, रंजीत पासवान और शंभू पासवान, सदर थाने की प्रिया कुमारी, अजीत कुमार दास, सुदर्शन राम शामिल हैं। मंरगा थाने के अभय रंजन, मो. चांद मंसूरी, नंदजी प्रसाद, मनोज कुमार पासवान, उत्तम कुमार विष्णुकांत, पप्पू कुमार और संगीता कुमारी शामिल हैं।

एसपी ने जिन 75 पुलिस पदाधिकारियों के वेतन पर रोक लगाई है। उनके द्वारा 125 मामलों की जांच पूरी होने के बाद भी मामलों में न्यायालय में आर-ोप पत्र समर्पित नहीं किए गए हैं। इनमें सबसे अधिक आरोप पत्र बड़हरा कोठी के सहायक अवर निरीक्षक इस्लामुद्दीन के पास हैं। उनके पास पांच मामले ऐसे हैं जिनकी जांच पूरी होने के बाद भी आरोप पत्र समर्पित नहीं किए गए। इसी तरह टीकापट्टी थाने के सहायक अवर निरीक्षक जय प्रकाश यादव द्वारा तीन मामलों की जांच पूरी होने के बाद भी आरोप पत्र नहीं सौंपे गए। रूपौली थाने की पुलिस अवर निरीक्षक सुष्मिता कुमारी के पास जांच पूरी होने के बाद दो मामले लंबित हैं। टीकापट्टी थाने के ही पुलिस अवर निरीक्षक स्नेहिल द्वारा चार मामलों की जांच पूरी होने के बाद भी आरोप पत्र नहीं सौंपा गया। उनके पास थाना कांड संख्या 80/2024, 81/2024, 83/2024 और 84/2024 का आरोप पत्र नहीं दिया गया है। इस तरह की लापरवाही को एसपी ने गंभीर अपराध मानते हुए वेतन रोकने का आदेश दिया है।

सिपाही भर्ती परीक्षा के दौरान फर्जी परीक्षार्थी गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

मोतिहारी में गोपाल साह हाई स्कूल के परीक्षा केंद्र से सिपाही भर्ती परीक्षा देते हुए एक मुन्ना भाई (फर्जी परीक्षार्थी) को गिरफ्तार किया गया है। इस घटना के बाद पुलिस सकते में है और काफी सतर्क भी हो गई। इस घटना के बाद से मोतिहारी शहर के कई आवासीय होटलों की तलाशी ली जा रही है।

जानकारी के मुताबिक, सिपाही पद पर नियुक्ति के लिए लिखित प्रतियोगिता परीक्षा केंद्रीय चयन पर्षद (सिपाही भर्ती) परीक्षा बिहार द्वारा आयोजित की जा रही है। इसी सिलसिले में अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिन्हा और पुलिस अधीक्षक कांतेश कुमार मिश्रा द्वारा जिला स्कूल और गोपाल साह विद्यालय परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया गया।

जांच के दौरान गोपाल साह विद्यालय के परीक्षा केंद्र पर एक फर्जी परीक्षार्थी को पकड़ा गया, जो दूसरे की जगह पर बैठकर परीक्षा दे रहा था।

पूछताछ के दौरान पकड़े गए व्यक्ति राकेश कुमार ने बताया कि वह पटना का रहने वाला है। उसके बाद उसको पकड़ कर थाने ले जाया गया। जहां प्राथमिकी दर्ज कर जेल भेजने की कार्रवाई की गई।

पीएम मोदी मंत्रिमंडल की हरी झंडी के बाद सीएम नीतीश कुमार पहुंचे बिहटा

पटना (एजेंसियां)।

बिहटा में अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट बनने की कवायद शुरू हो गई है ।इसको लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज रविवार को बिहटा में बनाये जानेवाले अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट स्थल पर पहुंचे और स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान बिहटा एयरफोर्स स्टेशन के पदाधिकारी ने मुख्यमंत्री को नक्शा के माध्यम से वहां शुरू कराये जाने वाले निर्माण कार्य के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। बिहटा एयरफोर्स स्टेशन के पदाधिकारी ने मुख्यमंत्री को बताया कि यह अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा आधुनिक सुविधाओं से लैश होगा। हवाई यातायात को बेहतर बनाने के लिये यहां आधुनिकतम व्यवस्थायें की जायेगी। पटना में अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट बन जाने के बाद आम लोगों और व्यवसायियों के लिए यह काफी आरामदेह साबित होगा।

बिहटा में बनाये जानेवाले

अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट स्थल पर निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि हमलोग चाहते हैं कि जल्द से जल्द इस एयरपोर्ट का निर्माण कार्य शुरू हो जाय ताकि लोगों को हवाई यात्रा में और अधिक सहूलियत हो सके। उन्होंने कहा कि इसके शुरू हो जाने के बाद विभिन्न जगहों पर से आना-जाना आसन हो जायेगा। इस एयरपोर्ट के निर्माण से और कनेक्टिविटी बढ़ेगी तथा पटना एयरपोर्ट पर पड़ने वाला भार भी कम होगा।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट बन जाने से रोजगार और कारोबार के अवसर भी बढ़ेंगे। बिहटा एयरफोर्स बेस स्टेशन पर सिविल एनक्लेव बनाने की जब योजना बनायी गयी तो राज्य सरकार ने 108 एकड़ भूमि की स्वीकृति दी और उसकी चहारदीवारी भी करायी गयी। 08 एकड़ और जमीन देने की मांग एयर अथॉरिटी ने राज्य सरकार से की थी, जिसकी भी स्वीकृति प्रदान कर दी गयी है। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अनुपम कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री कुमार रवि, पटना के जिलाधिकारी डॉ0 चन्द्रशेखर सिंह, वरीय पुलिस अधीक्षक श्री राजीव मिश्रा, बिहटा एयरफोर्स स्टेशन के पदाधिकारीगण तथा एयरपोर्ट अथॉरिटी के पदाधिकारी उपस्थित थे।

मां-बेटी को हाईवा ने रौंदा, मौके पर मौत

औरंगाबाद (एजेंसियां)।

औरंगाबाद में रविवार को दोपहर बाद हुए भीषण सड़क हादसे में भाई के लिए राखी खरीद कर घर लौट रही मां-बेटी की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि चाचा-भतीजी गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना एनएच-139 पर कुटुम्बा थानाक्षेत्र में लभरी परसावां के पास की है। जहां अनियंत्रित हाईवा ट्रक ने राखी खरीदकर लौट रही मां-बेटी को रौंद दिया।

जानकारी के मुताबिक, मां-बेटी राखी की खरीदारी कर अपने घर वापस लौट रहीं थी। इसी दौरान एनएच-139 पर कुटुम्बा थाना क्षेत्र में लभरी परसावां के पास अनियंत्रित हाइवा ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार मां-बेटी की दर्दनाक मौत हो गई। जबकि इस हादसे में चाचा-भतीजी गंभीर रूप से घायल हो गईं।

कुवैत-भारत संबंध आने वाले समय में और प्रगाढ़ होंगे: डॉ. जयशंकर

कुवैत सिटी/नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)।
विदेश मंत्री डॉ, एस जयशंकर ने रविवार को कुवैत की एक दिन की यात्रा के दौरान मेजबान देश के विदेश मंत्री अब्दुल्ला अली अल-याह्या के साथ द्विपक्षीय और क्षेत्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय महत्व के प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की तथा विश्वास जताया कि आने वाले समय में दोनों देशों के संबंध और प्रगाढ़ होंगे।

विदेश मंत्री ने कुवैत के युवराज शेख सबाह अल-खालिद अल-सबाह से भी भेंट की और दोनों देशों के बीच संबंधों को और प्रगाढ़ तथा विस्तृत करने के विशेष में उनके विचारों को जाना। डॉ. जयशंकर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने कुवैत के युवराज को राष्ट्रपति दौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से शुभकामनाएं प्रस्तुत कीं। इसी पोस्ट में कहा गया कि दोनों देशों के बीच सद्भाव तथा मित्रता के संबंध सदियों पुराने हैं। उन्होंने इन संबंधों को और प्रगाढ़ करने के विषय में युवराज के सुझावों के लिए आभार जताया।

विदेश मंत्री अब्दुल्ला अली अल-याह्या के साथ विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर की बातचीत में दोनों पक्षों के अधिकारी भी शामिल हुए। डॉ. जयशंकर ने इस बैठक के फोटो के साथ एक पोस्ट में कहा, इस बैठक में हमने राजनीतिक, व्यापार, निवेश, स्वास्थ्य, शिक्षा, दोनों देशों की जनता के बीच सम्पर्क बढ़ाने तथा और आवागनम की सुविधाओं के विस्तार के क्षेत्र में दोनों देशों की व्यापक साझेदारी की समीक्षा की और क्षेत्र में भू-राजनीतिक घटनाक्रमों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। डॉ. जयशंकर ने कहा, मुझे विश्वास है कि आने वाले समय में हमारे दीर्घकालिक संबंध और मजबूत होंगे।

उल्लेखनीय है कि भारत और कुवैत के बीच सालाना 10 से 15 अरब डालर के बीच व्यापार होता है तथा पश्चिम एशिया क्षेत्र में यह भारत का एक महत्वपूर्ण व्यापारिक भागीदार है। भारत के बड़ी संख्या में लोग कुवैत में नौकरी और कारोबार कर रहे हैं। कुवैत में कुछ महीने पहले एक इमारत में आग लगने की दुर्घटना में 45 भारतीय नागरिकों की मृत्यु हो गयी थी।

पूर्व जदयू विधायक सुनील पांडे भाजपा में शामिल

पटना, 18 अगस्त (एजेंसियां)।
बिहार में पीरो विधानसभा क्षेत्र से जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के पूर्व बाहुबली विधायक नरेंद्र पांडे उर्फ सुनील पांडे रविवार को अपने पुत्र विशाल प्रशांत के साथ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए।

बिहार भाजपा के अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने रविवार को यहां पार्टी कार्यालय में पूर्व विधायक श्री पांडे और उनके पुत्र को भाजपा की सदस्यता दिलाई। इससे पहले श्री पांडे समता पार्टी, जदयू और राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी में रह चुके हैं। उल्लेखनीय है कि श्री पांडे पहली बार वर्ष 2000 में तत्कालीन समता पार्टी की टिकट पर पीरो विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ा और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के काशीनाथ को मात दी। इसके बाद वर्ष 2005 में दो बार हुए विधानसभा चुनाव में भी उन्होंने जीत दर्ज की। उन्हें वर्ष 2006 में पूर्व बाहुबली सांसद आनंद मोहन के मामले में नीतीश सरकार की आलोचना करने के बाद जदयू से निष्कासित कर दिया गया था।

इसके बाद में वर्ष 2010 के विधानसभा चुनाव में जदयू ने उन्हें अपना उम्मीदवार बनाया और वे जीते भी लेकिन वर्ष 2012 में ब्रह्मेश्वर मुखिया हत्याकांड में भाई हुलास पांडे की गिरफ्तारी के बाद उनकी राजनीतिक धाक कमजोर होने लगी। वर्ष 2014 में श्री पांडे जदयू छोड़ राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी में शामिल हो गए लेकिन वर्ष 2015 के विधानसभा चुनाव में पार्टी ने उन्हें टिकट नहीं दिया, जिससे नाराज होकर उन्होंने अपनी पत्नी को तरारी सीट से खड़ा किया लेकिन वह भी जीत नहीं पाई।

राजनाथ ने आईसीजी के एमआरसीसी इमारत का किया उद्घाटन

चेन्नई, 18 अगस्त (एजेंसियां)।
रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को यहां एक नवनिर्मित अत्याधुनिक भारतीय तटरक्षक (आईसीजी) समुद्री बचाव समन्वय केंद्र (एमआरसीसी) भवन का उद्घाटन किया।

श्री सिंह ने इसके अलावा चेन्नई में क्षेत्रीय समुद्री प्रदूषण प्रतिक्रिया केंद्र (आरएमपीआरसी) और पुड्डुचेरी में तटरक्षक वायु एन्क्लेव (सीजीएई) का भी उद्घाटन किया। इन केंद्रों को समुद्री सुरक्षा और क्षेत्रीय समन्वय में एक बड़ी प्रगति के तौर पर देखा जा रहा है। यह भारतीय तटरेखा के साथ समुद्री सुरक्षा और आपातकालीन प्रतिक्रिया को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। चेन्नई में नया एमआरसीसी एक प्रतिष्ठित संरचना बनने के लिए तैयार है, जो समुद्र में संकट में फंसे नाविकों और मछुआरों के लिए समुद्री बचाव कार्यों के समन्वय और प्रभावशीलता को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएगा। यह अत्याधुनिक सुविधा समुद्र में जीवन की सुरक्षा और महत्वपूर्ण स्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए आईसीजी की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

चेन्नई बंदरगाह परिसर में स्थित आईसीजी क्षेत्रीय समुद्री प्रदूषण प्रतिक्रिया केंद्र (आरएमपीआरसी) समुद्री प्रदूषण प्रबंधन में एक अग्रणी कदम का प्रतिनिधित्व करता है। क्षेत्र में अपनी तरह का पहला केंद्र होने के नाते, आरएमपीआरसी तटीय राज्यों से सटे जल में समुद्री प्रदूषण की घटनाओं, विशेष रूप से तेल और रासायनिक रिसाव के प्रति प्रतिक्रियाओं के समन्वय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

पुड्डुचेरी में तटरक्षक वायु एन्क्लेव आईसीजी के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और यह पुड्डुचेरी और दक्षिण तमिलनाडु तट पर समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने में सहायक होगा। एयर एन्क्लेव को चेतक और एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर (एएलएच) स्क्वाड्रन से सुसज्जित किया जाएगा, जिससे हवाई निगरानी और प्रतिक्रिया क्षमताओं में वृद्धि होगी। नई सुविधाएँ मजबूत समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करने और आपात स्थितियों में कुशल प्रतिक्रिया प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी और ये समुद्री सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव ने मंकीपॉक्स से निपटने की तैयारियों की समीक्षा की

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)।
प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. पी.के. मिश्रा ने रविवार को यहां एक उच्च स्तरीय बैठक में देश में एमपॉक्स यानी मंकीपाक्स से निपटने की तैयारियों की स्थिति और संबंधित सार्वजनिक स्वास्थ्य उपायों की समीक्षा की।

श्री मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी एमपॉक्स की स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं और उनके निर्देश पर ही यह बैठक आयोजित की गयी है। गौरतलब है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अफ्रीका के कई हिस्सों में इसकी व्यापकता और प्रसार को देखते हुए गत 14 अगस्त को फिर से एमपॉक्स पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी ऑफ इंटरनेशनल कंसर्न (पीएचईआईसी) घोषित कर दिया है। उन्होंने बताया कि डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो में एमपॉक्स के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। पिछले साल, रिपोर्ट किए गए मामलों में काफी वृद्धि हुई, और इस साल अब तक दर्ज किए गए मामलों की संख्या पिछले साल की कुल संख्या से अधिक हो गई है, जिसमें 15,600 से अधिक मामले और 537 मौतें शामिल हैं। विश्व संगठन द्वारा

2022 में सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल की अंतर्राष्ट्रीय चिंता की घोषणा के बाद से, भारत में 30 मामले सामने आए। एमपॉक्स का आखिरी मामला मार्च 2024 में सामने आया था।

उच्च स्तरीय बैठक में बताया गया कि अभी तक देश में एमपॉक्स का कोई मामला सामने नहीं आया है। वर्तमान आकलन के अनुसार, बड़े प्रकोप का जोखिम कम है। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि एमपॉक्स संक्रमण आम तौर पर 2-4 सप्ताह के बीच अपने आप सीमित होता है। एमपॉक्स के मरीज आमतौर पर सहायक चिकित्सा देखभाल और प्रबंधन से ठीक हो जाते हैं। एमपॉक्स का संक्रमण संक्रमित रोगी के साथ लंबे समय तक और निकट संपर्क से होता है। यह मुख्य रूप से यौन मार्ग, रोगी के शरीर, घाव वाले तरल पदार्थ के सीधे संपर्क या किसी संक्रमित व्यक्ति के दूषित कपड़ों के माध्यम से होता है। स्वास्थ्य सचिव ने बताया कि पिछले एक सप्ताह में इससे निपटने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए गये हैं। भारत के लिए जोखिम का आकलन करने के लिए 12 अगस्त को राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) द्वारा विशेषज्ञों की एक बैठक बुलाई गई थी। एनसीडीसी द्वारा पहले जारी किए गए एमपॉक्स पर संचारी रोग (सीडी) अलर्ट को नए विकास को पकड़ने के लिए अद्यतन किया जा रहा है। अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों (प्रवेश के बंदरगाहों) पर स्वास्थ्य टीमों का संवेदीकरण किया गया है। यह भी बताया गया कि आज सुबह महानिदेशक स्वास्थ्य सेवा (डीजीएचएस) द्वारा 200 से अधिक प्रतिभागियों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस बुलाई गई थी। राज्यों में एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (आईडीएसपी) इकाइयों और प्रवेश बंदरगाहों आदि सहित राज्य स्तर पर स्वास्थ्य अधिकारियों को इस संबंध में संवेदनशील बनाया गया था।

यह भी कहा गया कि आज सुबह महानिदेशक स्वास्थ्य सेवा द्वारा 200 से अधिक प्रतिभागियों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस बुलाई गई थी। राज्यों में एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (आईडीएसपी) इकाइयों और प्रवेश बंदरगाहों आदि सहित राज्य स्तर पर स्वास्थ्य अधिकारियों को इस संबंध में संवेदनशील बनाया गया था। डॉ. मिश्रा ने निर्देश दिया कि निगरानी बढ़ाई जाए और मामलों का शीघ्र पता लगाने के लिए प्रभावी उपाय किए जाएं। उन्होंने कहा कि परीक्षण प्रयोगशालाओं के नेटवर्क को शीघ्र निदान के लिए तैयार किया जाना चाहिए। अभी 32 प्रयोगशालाएँ परीक्षण के लिए तैयार हैं। उन्होंने निर्देश दिये कि बीमारी की रोकथाम एवं उपचार के प्रोटोकॉल का व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाए। उन्होंने बीमारी के लक्षणों और निगरानी प्रणाली को समय पर अधिसूचना की आवश्यकता के बारे में स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के बीच जागरूकता अभियान पर जोर दिया।

करुणानिधि के विचार भारत की यात्रा को आकार देते रहेंगे: मोदी

चेन्नई, 18 अगस्त (एजेंसियां)।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री एवं द्रविड मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) संरक्षक एम करुणानिधि जैसे नेताओं की दृष्टि और विचार देश की यात्रा को आकार देते रहेंगे।

कलैगनार (जैसा कि श्री करुणानिधि को कहा जाता था) शताब्दी स्मारक सिक्का विमोचन कार्यक्रम के अवसर पर एक संदेश में श्री मोदी ने कहा कि मुथमिज अरिग्नार कलैगनार शताब्दी स्मारक सिक्का विमोचन समारोह के आयोजन के बारे में जानकर खुशी हुई। उन्होंने कहा, यह भारत के सबसे प्रतिष्ठित पुत्रों में से एक, श्री करुणानिधि की शताब्दी मनाने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। दिवंगत द्रमुक नेता की भारतीय राजनीति, साहित्य और समाज में एक महान हस्ती के रूप में सराहना करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि श्री करुणानिधि हमेशा तमिलनाडु के विकास के साथ-साथ राष्ट्रीय प्रगति के बारे में भावुक थे।

श्री मोदी ने कहा, एक राजनीतिक नेता के रूप में श्री करुणानिधि ने एक मुख्यमंत्री के रूप में हमारे देश के इतिहास पर एक अमिट छाप छोड़ी, जिन्हें लोगों ने कई दशकों में कई बार चुना, जो समाज, नीति और राजनीति के बारे में उनकी गहरी समझ को रेखांकित करता है।

पिछले 10 सालों में मेट्रो वाले शहरों की संख्या 5 से बढ़कर 21 हुई : मनोहर लाल

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)।
केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल ने बताया कि पिछले 10 सालों में देश के 21 शहरों में मेट्रो रेल सेवाओं का विस्तार किया गया है। 2014 में यह संख्या सिर्फ पांच थी। उन्होंने बताया कि मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद से पिछले एक दशक में 700 किलोमीटर नई मेट्रो लाइन को शुरू किया गया है। इसी के साथ देश में मेट्रो के कुल ट्रैक की लंबाई 945 किलोमीटर हो गई है।

इसके अलावा, मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को तीन नए जन-परिवहन प्रस्तावों को मंजूरी दी। इनमें ठाणे की इंटीग्रल रिंग मेट्रो रेल परियोजना कॉरिडोर, पुणे और बेंगलुरु में मेट्रो नेटवर्क के विस्तार शामिल है। इसकी लंबाई 78 किलोमीटर है, जिसे 2029 में चालू किया जाना है। इन परियोजनाओं से देश के विस्तारित मेट्रो नेटवर्क में इजाफा होगा, जो पहले से ही अमेरिका और चीन के बाद दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा मेट्रो रेल नेटवर्क है। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि मेक इन इंडिया पहल की सफलता से हम जल्द ही मेट्रो रेल नेटवर्क के मामले में अमेरिका को पीछे छोड़कर चीन के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच जाएंगे। गुरुग्राम, मानेसर और धारूहेड़ा, सोनीपत और पानीपत को जोड़ने वाले शेष दो प्राथमिकता वाले कॉरिडोर को भी जल्द ही मंजूरी दी जाएगी।

उन्होंने विकास के मुद्दे पर जोर देकर कहा, 2014 से पहले हर महीने मेट्रो लाइन के केवल 600 मीटर का निर्माण किया जा रहा था। लेकिन, पिछले 10 सालों के दौरान इस संख्या में हर महीने 10 गुना का इजाफा हुआ है और यह आंकड़ा बढ़कर 6 किलोमीटर हो गया है। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि भारत ने मेट्रो कोचों के निर्माण के लिए चार अत्याधुनिक सुविधाओं का विकास किया है। पिछले पांच सालों में 1,000 से अधिक मेट्रो कोच का उत्पादन किया गया।

उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत द्वारा मेट्रो रेल प्रोजेक्ट में किए जा रहे सहयोग की सराहना करते हुए कहा, भारत मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के निर्माण में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहयोग कर रहा है। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) वर्तमान में बांग्लादेश में मेट्रो रेल प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है और जकार्ता को भी अपनी सेवाएं दे रहा है। उन्होंने कहा, इनके अलावा इजराइल, सऊदी अरब, केन्या और अल सल्वाडोर जैसे देशों ने भी मेट्रो परियोजनाओं के लिए डीएमआरसी के साथ साझेदारी करने में दिलचस्पी दिखाई है।

वन्यजीवों की खाल, दांत जबड़े और अन्य अंगों के साथ दो गिरफ्तार

बड़वानी, 18 अगस्त (एजेंसियां)।
मध्यप्रदेश के बड़वानी जिले के पाटी थाना क्षेत्र में पुलिस और वन विभाग के संयुक्त दल ने पहाड़ी क्षेत्र में स्थित एक घर पर दबिश देकर भारी मात्रा में तेंदुए की खाल, पंजे, दांत तथा अन्य अवयव जब्त कर एक व्यक्ति और उसके पुत्र को गिरफ्तार कर लिया है।

डीएफओ आईएस गडरिया ने आज रात्रि बताया कि मुखबिर की सूचना पर पाटी वन परिक्षेत्र के ग्राम करी स्थित वेस्ता के घर पर पुलिस और वन विभाग के दबिश दी। यह दबिश कक्ष क्रमांक 140 बीट कोट बांधनी में दी गयी। उसके घर से तेंदुए की खाल, तेंदुए के चार पंजे, मगरमच्छ की खोपड़ी, तेंदुए के 17 नाखून, तेंदुए के दांत, बंदर का पंजा और वन्य जीवों के शरीर के कई अवयव जब्त किए गए।

इसके अलावा एक देसी कट्टा, दो कारतूस व कई हथियार भी बरामद किए गए। उन्होंने बताया कि गिरफ्त में आये वेस्ता तथा उसके पुत्र सिंगला को आज न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से उन्हें पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। डीएफओ ने बताया कि 2 दिन के उपरांत उनका पुलिस रिमांड लिया जाएगा और फिर से पूछताछ की जाएगी, जिससे इनके नेटवर्क का खुलासा होगा।

उन्होंने बताया कि वन्यजीवों के अवयव लेबोरेटरी में भेजे जा रहे हैं, जिससे यह पता चल सकेगा की कुल कितने जानवरों को मार कर यह एकत्रित किए गए हैं। साथ ही यह पता चल सकेगा की कितने शावक और नर व मादा है। उन्होंने प्रारंभिक जानकारी के आधार पर बताया कि यह किसी मरे हुए जानवर पर जहर छिड़क देते थे जिससे तेंदुआ या अन्य वन्य जीव उसे खाकर मर जाता था। यह जादू टोना में काम आने वाले वन्यजीवों के अवयवों को बेच देते थे।

उन्होंने बताया कि मामले की एसटीएफ से जांच हेतु पत्र लिखा जा रहा है। साथ ही आरोपियों का घर अतिक्रमण में पाए जाने पर उसे गिराए जाने की कार्यवाई भी की जाएगी।

कोलकाता में ट्रेनी महिला डॉक्टर के साथ रेप और हत्या मामला

सीबीआई जांच कर रही है, जो भी दोषी हैं उन्हें बख़्शा नहीं जाएगा : शाहनवाज हुसैन

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)।
भाजपा नेता शाहनवाज हुसैन ने कोलकाता के आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में ट्रेनी महिला डॉक्टर के साथ रेप और हत्या मामले में रविवार को कहा कि केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) पूरे मामले की जांच कर रहा है और जो भी इसमें शामिल हैं वे बचेंगे नहीं।

भाजपा नेता शाहनवाज हुसैन ने कहा कि इस घटना को लेकर पूरे देश में ग़म और गुस्सा है। डॉक्टर हड़ताल पर हैं। दोषियों को बचाने वाले भी नहीं बचेंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार इस पर जागरूक है। पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस जिस तरह का माहौल बना रही है वह दुखद है। उनके नेता लगातार बयानबाजी कर रहे हैं। सीबीआई अपना काम कर रही है। लेकिन, तृणमूल डरी हुई है। भाजपा नेता ने कहा कि तृणमूल के लोग अस्पताल के हंगामे में भी पकड़े गए हैं। सब जान रहे हैं कि सत्ताधारी दल किस तरह की हरकत कर रही है। पूरे मामले की जांच सीबीआई कर रही है। जांच के बारे में जब पूरे देश को पता चलेगा तो मुख्यमंत्री को भी पता चल जाएगा।

कर्नाटक में मैसूरु जमीन घोटाले पर उन्होंने कहा, यह साबित हो गया है कि कांग्रेस जहां भी सत्ता में आएगी, सेवा के लिए नहीं आएगी, मेवा खाने आएगी। कांग्रेस के लोगों ने जिस तरह की हरकत की है और घोटाला किया है, सिद्दारमैया इससे बचने वाले नहीं हैं। यदि उनके अंदर ज़रा सी भी नैतिकता होगी तो उन्हें सत्ता में रहने का कोई अधिकार नहीं है। बांग्लादेश मामले पर उन्होंने कहा, वहां अल्पसंख्यक हिन्दू समाज के साथ जो हो रहा है वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। इस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी चिंता व्यक्त की है और बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने पीएम मोदी को भरोसा दिलाया है कि हिंदुओं को सुरक्षा प्रदान की जाएगी।

मिशन रोजगार

दो दिन में दो जिलों के 12,146 युवक युवतियों को मिला नियुक्ति पत्र

लखनऊ, 18 अगस्त (एजेंसियां)। मिशन रोजगार के माध्यम से उत्तर प्रदेश के युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 2 दिनों के अंदर 2 जनपदों में 12 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए हैं। साथ ही, छात्र-छात्राओं को 17 हजार से अधिक टैबलेट-स्मार्टफोन वितरित किए गए। शनिवार को अंबेडकरनगर में जहां जनपद स्तरीय रोजगार मेला के तहत 6572 नौजवानों को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए तो वहीं, रविवार को अयोध्या में आयोजित रोजगार मेला में 5574 लोगों को नियुक्ति पत्र के माध्यम से निजी कंपनियों में कार्य करने के लिए नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। इसी तरह, अंबेडकरनगर में छात्र-छात्राओं को 13,866 टैबलेट प्रदान किए गए, जबकि रविवार को अयोध्या में 3415 से अधिक छात्र-छात्राओं को टैबलेट व स्मार्टफोन वितरित किए गए। उल्लेखनीय है कि इन दोनों जनपदों में रोजगार मेला का आयोजन उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान तथा प्रशिक्षण एवं सेवायोजन निदेशालय तथा एमएसएमई विभाग के तत्वावधान में किया गया।

रविवार को आचार्य नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय, कुमारगंज अयोध्या में आयोजित वृहद रोजगार मेले में मुख्यमंत्री की मौजूदगी में 48 प्रतिष्ठित कंपनियों ने हिस्सा लिया। रोजगार मेला में इन 48 कंपनियों ने कुल 36,171 रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए। कुल 10,676 नौजवानों ने रोजगार मेला में रजिस्ट्रेशन कराया, जिनमें से साक्षात्कार के बाद कुल 5574 नौजवानों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इन कंपनियों में देश की प्रतिष्ठित कंपनियां शामिल रहीं, जिन्होंने नौजवानों को उनकी योग्यता के अनुसार जॉब ऑफर किया। इनमें इंस्टा ह्यूमेन मैनेजमेंट प्रा. लि. सुजलॉन एनर्जी, टंबल ड्राई सॉल्यूशन प्रा. लि. करियर ब्रिज, रीचा आईबीएम आदि सम्मिलित रहीं।

ज्यादातर नौजवानों को मैन्युफैक्चरिंग, इंजीनियरिंग, टेलीकॉम, हेल्थकेयर, कंस्ट्रक्शन और आईटी जैसे सेक्टर में जॉब ऑफर किए गए। इस अवसर पर स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत 3415 से अधिक छात्र-छात्राओं को टैबलेट व स्मार्टफोन भी वितरित किए गए। इसके माध्यम से सरकार का उद्देश्य युवाओं को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने का है, ताकि भविष्य की चुनौतियों के लिए उन्हें तैयार किया जा सके।

इससे पूर्व शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद अम्बेडकरनगर के कटेहरी स्थित देव इंद्रवती महाविद्यालय में आयोजित जनपद स्तरीय वृहद रोजगार एवं ऋण मेले में युवाओं को नियुक्ति पत्र, छात्र-छात्राओं को टैबलेट तथा लाभार्थियों को ऋण राशि के चेक वितरित किए थे। इस दौरान कार्यक्रम में कुल 6,752 से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र तथा 13,866 छात्र-छात्राओं को टैबलेट दिए गए। साथ ही 14 बैंकों के माध्यम से 12,774 लाभार्थियों को कुल 211 करोड़ रुपए के ऋण वितरित किए गए। अंबेडकरनगर में कुल 46 कंपनियों की ओर से स्टॉल लगाए गए थे। इस तरह कुल मिलाकर दो दिनों में कंपनियों की ओर से 100 से ज्यादा स्टॉल के माध्यम से नौजवानों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए गए।

प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं को रोजगार और कौशल विकास के क्षेत्र में नए आयाम देने के लिए प्रतिबद्ध है। योगी सरकार का उद्देश्य युवाओं को न केवल रोजगार उपलब्ध कराना है, बल्कि उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करना भी है।

उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के अंतर्गत दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना और अन्य योजनाओं के माध्यम से लाखों युवाओं को निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। पिछले सात वर्षों में इस मिशन के तहत 16.50 लाख से अधिक युवाओं को प्रशिक्षित किया गया है, जिनमें से 6.70 लाख से अधिक को रोजगार मिला है। उन्होंने प्रोजेक्ट प्रवीण के माध्यम से प्रदेश के स्कूलों में कौशल प्रशिक्षण की योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि इस परियोजना के तहत, पिछले दो वर्षों में लगभग 65,000 विद्यार्थियों को निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। वर्ष 2024 से इस योजना का विस्तार कर, प्रदेश के प्रत्येक जिले के प्रमुख स्कूलों में कौशल प्रशिक्षण की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 305 राजकीय और 2932 निजी आईटीआई के माध्यम से 5.50 लाख से अधिक सीटें युवाओं के लिए उपलब्ध कराई गई हैं।

पिछले छह वर्षों में 90 से अधिक नए राजकीय आईटीआई की स्थापना की गई है, जिनमें से कुछ पीपीपी मॉडल पर संचालित हो रहे हैं। उद्योग 4.0 के अनुरूप, 150 राजकीय आईटीआई का उन्नयन टाटा टेक्नोलॉजीज के सहयोग से किया जा रहा है, ताकि युवाओं को उन्नत तकनीकी प्रशिक्षण मिल सके।

रूल ऑफ लॉ से पड़ती है सुशासन की आधारशिलाः योगी

577 अधिवक्ताओं के आश्रितों को सीएम ने दी सहायता राशि

लखनऊ, 18 अगस्त (एजेंसियां)। संसदीय लोकतंत्र समन्वय और आपसी सूझबूझ से चलने का संदेश देता है। ऐसा समन्वय, जहां लोकहित व राष्ट्रहित सर्वोपरि हो। जब यह हमारी प्राथमिकता में होते हैं तो दोनों को एक-दूसरे से अलग नहीं किया जा सकता है। इसकी आधारशिला सुशासन से पड़ती है। सुशासन की आधारशिला रूल ऑफ लॉ से पड़ती है। रूल ऑफ लॉ समाज के हर व्यक्ति के लिए लक्ष्मण रेखा तय करती है।

उक्त बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। उन्होंने रविवार को स्मृतिशेष 577 अधिवक्ताओं के आश्रितों को लोकभवन में अधिवक्ता कल्याण निधि से सहायता राशि प्रदान की। सीएम योगी ने कहा कि कल रक्षाबंधन का त्योहार है। इसकी पूर्व संध्या पर यह आयोजन बताता है कि त्योहार का आनंद इससे अच्छा नहीं हो सकता, जब हम किसी निराश्रित के साथ खड़े होकर उसकी सहायता के लिए तत्पर दिखाई देते हैं।

सीएम योगी ने कहा कि 26 नवंबर 1949 को भारत का संविधान बनकर तैयार हुआ था, लेकिन मोदी जी के आने के बाद इस तिथि को संविधान दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया। पीएम ने आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष में हमें नागरिक कर्तव्यों के प्रति आग्रही बनाया। जब हम अधिकार की चर्चा करते हैं, लेकिन कर्तव्य की नहीं करते तो वहीं पर टकराहट होती है। यदि 2047 तक देश को विकसित भारत बनाना है और हर भारतवासी के चेहरे पर खुशहाली लानी है। उसके ईज ऑफ लिविंग को बेहतरीन करना है तो हमें नागरिक कर्तव्यों को प्राथमिकता देनी होगी। सीएम योगी ने कहा कि शासन के पास जब सोर्स ऑफ इनकम होंगे तो वेलफेयर के रास्ते अपने आप ही खुलते दिखाई देंगे। जरूरतमंदों को यह चीजें मिलें, ऐसे प्रयास होते रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में एक करोड़ परिवार ऐसे हैं, जिन्हें प्रतिमाह पेंशन स्कीम (वृद्धा, दिव्यांग और निराश्रित पेंशन) से जोड़ा गया है। बिना भेदभाव के सिर्फ पात्रता के आधार पर उन्हें यह सुविधा मिलती है। बहुत अधिवक्ता ऐसे हैं, जिनका देखभाल करने वाला कोई नहीं है। उन्हें भी शासन की तरफ से इसका लाभ मिलेगा। प्रदेश में 5.11 करोड़ लोगों को गोल्डन कार्ड जारी किया गया है। प्रति वर्ष पांच लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा का कवर उपलब्ध करा रहे हैं। सात वर्ष में 56 लाख निराश्रितों को आवास उपलब्ध कराया गया है।

सीएम योगी ने कहा कि यूपी में 54 ऐसी बस्तियां थीं, जो 100 वर्ष पहले बसाई गई थीं, लेकिन 2017 तक वहां के लोगों को वोटिंग का अधिकार नहीं था। उनको राशन कार्ड समेत अन्य सुविधाओं का लाभ नहीं मिलता था।

वे खानाबदोश की तरह समाज से कटे हुए रहते थे। हम लोगों ने लड़ाई लड़ी और देश की संसद में उनके लिए 2007-2008 में उनके लिए अधिनियम बने, लेकिन उत्तर प्रदेश में उसे पारित होने में और 10 साल लगे। 2017 में 54 बस्तियों को राजस्व ग्राम का दर्जा देकर सभी सुविधाओं से आच्छादित किया गया। उन बस्तियों में जाने पर उनके चेहरे की चमक देखती ही बनती है। वे गरीब हैं, लेकिन गर्व से कहते हैं कि मैं भारतीय हूं।

सीएम ने कहा कि कोरोना में भारत ने साबित करके दिखाया कि वह 140 करोड़ लोगों के साथ सरकार खड़ी है। सीएम ने कहा कि सामूहिक रूप से बोली गई आवाज 140 करोड़ लोगों की होती है। अलग-अलग बंटकर आवाज उठाते हैं तो आपस में लड़-भिड़कर विकास में बैरियर बन जाते हैं। हमें विकास में बैरियर नहीं बनना है, बल्कि अनुगामी बनकर विकास प्रक्रिया को बढ़ाना है। सीएम योगी ने कहा कि कॉपर्स फंड की राशि 200 करोड़ से बढ़ाकर 500 करोड़ रुपए कर दिया है। आवश्यकता पड़ने पर इसमें वृद्धि भी करेंगे। इसके ब्याज से ही अधिवक्ताओं को कोई समस्या नहीं होगी। मृतक अधिवक्ता के आश्रित के लिए अधिवक्ता कल्याण निधि की राशि डेढ़ लाख से बढ़ाकर पांच लाख की गई। आयु भी 60 से बढ़ाकर 70 वर्ष की गई।

अखिलेश यादव पर हमलावर हुए सीएम योगी

अयोध्या को बदनाम करने वाले दुष्कर्मियों के साथ खड़े

अयोध्या, 18 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जिन्हें अयोध्या का विकास अच्छा नहीं लग रहा और जो इस नगरी से नफरत करते हैं, वे सोशल मीडिया पर दुष्प्रचार कर रहे हैं। इसके लिए फेक न्यूज चलाई जा रही है। सीएम योगी आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित वृहद रोजगार मेले को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अभी हाल ही में ऐसे लोगों ने ही यह दुष्प्रचार किया कि अयोध्या की 13000 एकड़ भूमि तीन लोगों को आवंटित कर दी गई जबकि ऐसा कोई आवंटन नहीं किया गया। इसी तरह धर्मपथ और रामपथ पर 3800 स्ट्रीट लाइट चोरी होने की सूचना प्रसारित की गई जबकि इन लाइटों को वेंडर ने लगाया ही नहीं था

और पैसा निकालने के लिए साजिश रची थी। अब वेंडर शिकंजे में आ गया है। जल्द ही उसके आकाओं को भी शिकंजे में लिया जाएगा।

अयोध्या को कटघरे में खड़ा करने के साथ ही साजिश के तहत बदनाम किया जा रहा है। यह वही लोग हैं जो दुष्कर्मियों के समर्थन में खड़े होते हैं। इन्हीं लोगों ने अयोध्या में निहत्थे लोगों पर गोलियां चलवाई थी। हर दुष्कर्मी और अपराधी को निर्दोष साबित करना इन लोगों ने अपना लक्ष्य बना लिया है। इन लोगों के साथ सद्भाव से नहीं सख्ती से पेश आया जाएगा। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अपने हाथों से 13 छात्र- छात्राओं को टैबलेट और स्मार्टफोन का वितरण किया इसी कड़ी में 12 युवाओं को अपने हाथों से नियुक्ति पत्र प्रदान किया। सीएम योगी ने 78 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया। समारोह में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, व्यावसायिक शिक्षा मंत्री कपिल देव अग्रवाल, स्वास्थ्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह, खेल मंत्री गिरीश यादव, खाद्य रसद राज्य मंत्री सतीश शर्मा और प्रमुख सचिव कार्मिक एम देवराज मौजूद रहे।

2000 अतिरिक्त बसें यूपी की बहनों को कराएंगी निशुल्क यात्रा

रक्षाबंधन पर सभी महिलाओं को उपलब्ध होगी निःशुल्क परिवहन सेवा

लखनऊ, 18 अगस्त (एजेंसियां)। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार ने माताओं, बहनों और बेटियों के लिए परिवहन निगम की बसों में 24 घंटे निशुल्क यात्रा की व्यवस्था की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर 19 अगस्त सोमवार को बहनों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए परिवहन निगम 2000 अतिरिक्त बसों को ऑन रोड करेगा। इससे त्योहार के अवसर पर अतिरिक्त यात्री लोड के बावजूद महिलाओं को यात्रा करने में असुविधा नहीं होगी। उल्लेखनीय है कि रक्षाबंधन के पर्व पर भारी संख्या में महिलाओं की आवाजाही को देखते हुए विगत कई वर्ष से योगी सरकार ने महिलाओं को सौगात देते हुए उन्हें परिवहन निगम की बसों में निशुल्क यात्रा की सुविधा प्रदान की है। इस बार 19 अगस्त को पर्व के अवसर पर 18 अगस्त को रात 12 बजे से 19 अगस्त की रात 12 बजे तक महिलाओं को निशुल्क यात्रा की सुविधा मिलेगी। इस निर्णय से लाखों माताओं, बहन और बेटियों को लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर रक्षा बंधन के पावन अवसर पर महिलाओं की निःशुल्क एवं सुरक्षित और सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए परिवहन निगम की ओर से महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। इसके अंतर्गत प्रदेश भर में कई रूटों पर 2000 अतिरिक्त बसों को यात्रियों की सुविधा के दृष्टिगत ऑन रोड किया गया है। यात्री लोड को देखते हुए बसों के रूट का संचालन तय किया गया है। यानी जिन स्थानों पर अत्यधित लोड रहेगा, वहां अधिक संख्या में बसों को तैनात किया जाएगा। इसके अलावा,ऋसभी चालकों एवं परिचालकों (कंडक्टर्स) को वर्दी में रहने तथा अत्यंत विनम्रतापूर्वक व्यवहार के निर्देश दिए गए हैं। महिलाओं को निशुल्क यात्रा की सुविधा देने के साथ ही योगी सरकार ने इस दौरान लगातार सेवा देने वाले चालकों एवं परिचालकों को प्रोत्साहित करने के लिए भी कदम उठाया है। इसके तहत रक्षा बंधन एवं आगामी पुलिस परीक्षा के दृष्टिगत 15 दिनों के लिए उन्हें 3000 रुपए के स्पेशल इंसेंटिव प्रदान किए जाएंगे, जिससे की सभी ड्यूटी पर उपस्थित रहें और बसों का संचालन सुचारू रूप से किया जा सके। वर्कशॉप और टेक्निकल स्टाफ के लिए भी इस अवधि में 1200 रुपए तक इंसेंटिव दिए जाने का निर्णय लिया गया है। इस दौरान ऋदुर्घटना रहित संचालन के लिए विशेष रूप से क्रू को ब्रीफिंग की गई है। इस अवधि में समस्त अनुबंधित बसों का भी संचालन कराया जाएगा और कर्मचारियों की ड्यूटी रोस्टर के तहत लगाई जाएगी। बसों एवं बस अड्डों की साफ-सफाई, चेकिग दल मार्गों की सघन चेकिंग, ब्रेथ एनलाइजर के माध्यम से चालक एवं परिचालक की एल्कोहल जांच के अलावा सभी स्टॉपेज के अलावा मार्ग के मध्य में मिलने वाले यात्रियों को भी बसों में बैठने की सुविधा मिलेगी।

परिवहन निगम की बसों के साथ-साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के क्रम में रक्षाबंधन के पर्व पर प्रदेश के 15 प्रमुख शहरों में संचालित नगरीय बसों में भी महिलाओं को निःशुल्क यात्रा सुविधा उपलब्ध होगी। नगर विकास विभाग द्वारा नगरीय बसों में रक्षाबंधन पर्व के दौरान 18 अगस्त की रात्रि 12 बजे से 19 अगस्त की रात्रि 12 बजे तक महिलाओं को निःशुल्क यात्रा सुविधा उपलब्ध कराए जाने के निर्देश दे दिए गए हैं। प्रदेश के जिन 15 प्रमुख शहरों में यह सुविधा मिलेगी उनमें लखनऊ, गोरखपुर, वाराणसी, मेरठ, आगरा, मथुरा-वृन्दावन, कानपुर, प्रयागराज, मुरादाबाद, अलीगढ़, शाहजहांपुर, बरेली, गाजियाबाद, अयोध्या एवं झांसी शामिल हैं।

संपादकीय

हिंसा की जवाबदेही किसकी

देश ने स्वतंत्रता की 78वीं सालगिरह मनाई है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने ऐतिहासिक लालकिले पर 11वीं बार 'तिरंगा' फहराया और राष्ट्र को संबोधित किया। वह ऐसे प्रथम गैर-कांग्रेसी एवं भाजपाई प्रधानमंत्री हैं, जिन्हें देश ने इतना सम्मान दिया है। आज 98 मिनट के प्रधानमंत्री संबोधन का विश्लेषण करने का दिन था। प्रधानमंत्री ने पहली बार देश में 'धर्मनिरपेक्ष नागरिक संहिता' पर चर्चा की बात कही है। उस विकृति की ओर भी संकेत किया, जो सर्वनाश का कारण बन सकती है। यह पराकाष्ठा की स्थिति है कि आखिर ऐसी विकृतियां किसकी गोद में पल रही हैं? प्रधानमंत्री के भाषण का फोकस 'विकसित भारत 2047' पर अधिक रहा। उन्होंने महिला अपराधों और अत्याचारों पर भी अपनी पीड़ा व्यक्त की और फांसी की सजा तक का सुझाव दिया। बेशक देश की स्वतंत्रता का मौका था, लिहाजा औसत नागरिक जश्न, उल्लास और आनंद के मूड में था, लेकिन संभ्रांत लोगों के शहर कोलकाता में, आधी रात के आसपास, अचानक एक भीड़ उमड़ आई। सैकड़ों होंगे अथवा हजारों होंगे, यह गणना बेमानी है। वे गुंडे-बदमाश, हिंसक और विध्वंसक थे। उनके हाथों में लाठियां, डंडे थे और वे काफी उग्र लग रहे थे। स्वतंत्रता की पूर्व रात्रि में भारतीय ही भारतीय पर हमलावर होगा, ऐसी आजादी की हमने कल्पना तक नहीं की थी। क्या हमें ऐसी ही आजादी चाहिए? भीड़ ने पहला हमला प्रदर्शनकारी डॉक्टरों पर किया। उन्हें तितर-बितर किया। मारा-पीटा, तोड़-फोड़ की और प्रदर्शन का मंच ही ध्वस्त कर दिया। उसके बाद भीड़ उस सरकारी अस्पताल के अंदर घुस गई, जहां कुछ दिनों पहले ही 31 वर्षीय ट्रेनी डॉक्टर के साथ बर्बर बलात्कार किया गया और बाद में दरिंदगी से उसकी हत्या भी कर दी गई थी। अस्पताल के भीतर भी खूब तोड़-फोड़ की। आपातकालीन कक्ष और बिस्तरों को भी नहीं छोड़ा। गंभीर चिकित्सा विभाग को भी अस्त-व्यस्त कर दिया। संभव है कि उस जघन्य, वहशियाना अपराध के कुछ सबूत भी मिटा दिए गए हों! आखिर वह भीड़ कहां से आई? कौन थे वे गुंडे और उनकी मंशा क्या थी? भीड़ की अराजकता से, अंततः, किसे लाभ हो सकता है? बंगाल पुलिस कहां थी? यदि ठुल्ले तैनात थे, तो वे तमाशबीन ही क्यों बने रहे? पुलिस और भीड़ में कोई सांठगांठ थी क्या? क्या सीबीआई जांच भी प्रभावित होगी? बहरहाल इन सवालों के जवाबों की प्रतीक्षा प्रधानमंत्री मोदी को नहीं करनी चाहिए। उन्हें राज्यपाल सीवी आनंद बोस की ताजा रपट मंगवानी चाहिए और केंद्रीय कैबिनेट को अनुच्छेद 356 के तहत पश्चिम बंगाल में 'राष्ट्रपति शासन' चस्पा कर देना चाहिए। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को चिल्लाने और संघीय ढांचे की दुहाई देने दो। दरअसल यह भीड़ और यह मार-काट बंगाल की नई परंपरा, नया रूटीन बन गई है। कभी संदेशखाली में, तो कभी 24 परगना अथवा किसी अन्य क्षेत्र में भीड़ हिंसा पर उतारू उमड़ती है। हत्याएं तक करना आम बात है। ममता बनर्जी 2011 से मुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री हैं, लिहाजा कानून-व्यवस्था की बुनियादी जिम्मेदारी उन्हीं की है। क्या देश की स्वतंत्रता के दिन भी ऐसी उन्मादी, उग्र भीड़ तोड़-फोड़, मार-काट करने को स्वतंत्र है? देश की महिलाएं, देश की एकमात्र महिला मुख्यमंत्री से, पूछ रही हैं कि आखिर ममता किसकी 'दीदी' हैं? बेशक ममता अब धरने पर बैठ राजनीति करें, लेकिन उन्होंने आरोप लगाया है कि राम और वाम इक_ा हो गए हैं और अशांति फैला रहे हैं। 'राम' नाम का इस तरह प्रयोग घोर आपत्तिजनक है। बहरहाल भीड़ डॉक्टरों को हतोत्साहित नहीं कर पाई है, क्योंकि जो डॉक्टर काम पर लौट गए थे, वे फिर हड़ताल पर वापस चले गए हैं। भारत में डॉक्टरों की कमी पहले से ही संकट बनी हुई है, क्योंकि औसतन 1108 लोगों पर एक ही डॉक्टर है। बहरहाल, प्रधानमंत्री मोदी को बंगाल में अनुच्छेद 356 लागू कर देना चाहिए तथा प्रशासन में आमूल फेरबदल करना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने पहली बार देश में 'धर्मनिरपेक्ष नागरिक संहिता' पर चर्चा की बात कही है। उस विकृति की ओर भी संकेत किया, जो सर्वनाश का कारण बन सकती है। यह पराकाष्ठा की स्थिति है कि आखिर ऐसी विकृतियां किसकी गोद में पल रही हैं? प्रधानमंत्री के भाषण का फोकस 'विकसित भारत 2047' पर अधिक रहा। उन्होंने महिला अपराधों और अत्याचारों पर भी अपनी पीड़ा व्यक्त की और फांसी की सजा तक का सुझाव दिया। बेशक देश की स्वतंत्रता का मौका था, लिहाजा औसत नागरिक जश्न, उल्लास और आनंद के मूड में था, लेकिन संभ्रांत लोगों के शहर कोलकाता में, आधी रात के आसपास, अचानक एक भीड़ उमड़ आई। सैकड़ों होंगे अथवा हजारों होंगे, यह गणना बेमानी है। वे गुंडे-बदमाश, हिंसक और विध्वंसक थे। उनके हाथों में लाठियां, डंडे थे और वे काफी उग्र लग रहे थे। स्वतंत्रता की पूर्व रात्रि में भारतीय ही भारतीय पर हमलावर होगा, ऐसी आजादी की हमने कल्पना तक नहीं की थी। क्या हमें ऐसी ही आजादी चाहिए? भीड़ ने पहला हमला प्रदर्शनकारी डॉक्टरों पर किया।

भारत को उस खंडकाल में सोने की चिड़िया कहा जाता था

अंततः अखंड भारत का सपना होगा साकार

प्रह्लाद सबनानी

भारत के नागरिकों में आज "स्व" के भाव के प्रति जागृति तो दिखाई देने लगी है और वे "भारत के हित सर्वोपरि हैं" की चर्चा करने लगे हैं। परंतु, भारत में तंत्र अभी भी मां भारती के प्रति समर्पित भाव से कार्य करता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है, जिससे कभी कभी असामाजिक तत्व अपने भारत विरोधी एजेंडा पर कार्य करते हुए दिखाई दे जाते हैं और भारत के विभिन्न समाजों में अशांति फैलाने में सफल हो जाते हैं।

प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी 15 अगस्त 2024 को पूरे भारतवर्ष में 77वां स्वतंत्रता दिवस बहुत ही धूम धाम से मनाया गया। दरअसल, भारतीय नागरिक 15 अगस्त 1947 के पूर्व अंग्रेजों के शासन के अंतर्गत पराधीन थे एवं 15 अगस्त 1947 को अंग्रेजों के शासन से मुक्त होकर भारतीय नागरिक स्वाधीन हुए। इसलिए इस पर्व को स्वाधीनता दिवस कहना अधिक तर्कसंगत होगा। स्वतंत्र शब्द दो शब्दों से मिलाकर बना है (1) स्व; एवं (2) तंत्र। अर्थात स्वयं का तंत्र, इसलिए स्वतंत्रता दिवस कहना तो तभी न्यायोचित होगा जब स्वयं का तंत्र स्थापित हो। भारत के नागरिकों में आज "स्व" के भाव के प्रति जागृति तो दिखाई देने लगी है और वे "भारत के हित सर्वोपरि हैं" की चर्चा करने लगे हैं। परंतु, भारत में तंत्र अभी भी मां भारती के प्रति समर्पित भाव से कार्य करता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है, जिससे कभी कभी असामाजिक तत्व अपने भारत विरोधी एजेंडा पर कार्य करते हुए दिखाई दे जाते हैं और भारत के विभिन्न समाजों में अशांति फैलाने में सफल हो जाते हैं। स्व के तंत्र के स्थापित होने से आश्य यह है कि देश में हिंदू सनातन संस्कृति का अनुपालन सुनिश्चित हो। प्राचीन काल में भारत विश्व गुरु था। आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक क्षेत्रों सहित लगभग समस्त क्षेत्रों में भारतीय सनातन संस्कृति का दबदबा था। भारत को उस खंडकाल में सोने की चिड़िया कहा जाता था। भारत के विश्वविद्यालयों में शिक्षा ग्रहण करने के उद्देश्य से पूरे विश्व से विद्यार्थी भारत में आते थे। भारत पर शक, हूण, कुषाण एवं यवन के आक्रमण हुए, परंतु भारत पर उनके कुछ समय के शासन के पश्चात वे भारतीय सनातन संस्कृति में ही रच बस गए एवं भारत का हिस्सा बन गए। परंतु, अरब के देशों से मुसलमान एवं ब्रिटेन से अंग्रेजों के भारत पर चले शासन के दौरान उन्होंने भारतीय नागरिकों का बलात धर्म परिवर्तन करवाया, स्थानीय नागरिकों पर अकल्पनीय अत्याचार किए। भारत के बड़े बड़े प्रतिष्ठानों, मंदिरों एवं ज्ञान के स्थानों को नष्ट किया। अंग्रेजों ने तो भारतीय नागरिकों के साथ छल कपट करते हुए यह भ्रम फैलाया कि अंग्रेजों ने ही भारतीय नागरिकों को जीना सिखाया है अन्यथा भारतीय समाज तो असभ्य, अनपढ़ गंवार था। उन्होंने भारतीय सनातन संस्कृति पर गहरी चोट की। वे भारतीयों में हीन भावना भरने में सफल रहे। भारत की प्राचीन शिक्षा पद्धति को नष्ट किया। गुरुकुल नष्ट किए। अंग्रेजों को नौकर चाहिए थे अतः तात्कालिक शिक्षा प्रणाली में आमूलचूल परिवर्तन किए। इसी प्रकार की शिक्षा प्रणाली देश में आज भी चल रही है, जिसके अंतर्गत शिक्षित भारतीय केवल नौकरी करने के लिए ही उतावाले नजर आते हैं। वे अपना स्वयं का व्यवसाय

स्थापित करने के प्रति रुचि ही प्रकट नहीं करते हैं। भारत में उद्योगपति अपने परिवार की विरासत से ही निकले हैं। भारत को आक्रांताओं एवं अंग्रेजों के शासन से मुक्त कराने के उद्देश्य से समय समय पर भारत के तत्कालीन राज्यों के शासकों ने युद्ध भी लड़े एवं अपने स्तर पर उस खंडकाल में सफलता भी अर्जित की। जैसे, शिवाजी महाराज, महाराणा प्रताप, राणा सांगा आदि के नाम मुख्य रूप से लिए जा सकते हैं। इसी प्रकार, अंगेजों के विरुद्ध लड़ाई लड़ने वाले वीर क्रांतिकारियों में रानी लक्ष्मीबाई, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद के नाम सहज रूप से लिए जा सकते हैं। स्वाधीनता प्राप्ति के उद्देश्य को लेकर मशाल आगे लेकर चलने वाले कई योद्धाओं में महात्मा गांधी, सरदार पटेल एवं सुभाषचंद्र बोस भी शामिल रहे हैं। इसी समय में विवेकानंद एवं डॉक्टर हेडगेवार ने भी सांस्कृतिक चिंतक के रूप में अपनी भूमिका का निर्वहन सफलतापूर्वक किया था। इस प्रकार, अंततः भारत को 15 अगस्त 1947 को अंग्रेजों के शासन से मुक्ति मिली एवं भारतीय नागरिकों को स्वाधीनता प्राप्त हुई। भारत के लिए यह एक नई सुबह तो थी परंतु यह साथ में विभाजन की त्रासदी भी लेकर आई थी। पूर्व एवं पश्चिमी पाकिस्तान के रूप में एक नए देश ने भी जन्म लिया और इस दौरान करोड़ों नागरिकों ने अपनी जान गवाईं थी। आखिर भारत का विभाजन हुआ क्यों? यदि इस विषय पर विचार किया जाय तो ध्यान में आता है कि दरअसल अंग्रेजों ने यह भ्रम फैलाया कि भारत में आर्य बाहर से आए हैं और इस प्रकार वे भारतीय नागरिकों में मतभेद पैदा करने में सफल हुए। साथ ही, उन्हें भारतीय नागरिकों में यह भाव पैदा करने में भी सफलता मिली कि भारत एक भौगोलिक इकाई है एवं यह कई राज्यों को मिलाकर एक देश बना है जबकि राष्ट्र एक सांस्कृतिक इकाई होती है न कि भौगोलिक इकाई। उस खंडकाल विशेष में अंग्रेजों द्वारा भारत में किया गया मुस्लिम तुष्टिकरण भी भारत के विभाजन के लिए जिम्मेदार है। राष्ट्रवादी मुसलमानों की उपेक्षा की गई थी एवं उस समय की जनभावना को बिलकुल ही नकार दिया गया था, इसके उदाहरण के रूप में 'वन्दे मातरम' कहने पर अंकुश लगाना एवं राष्ट्रीय ध्वज के रूप में भगवा ध्वज को स्वीकार नहीं करना, का वर्णन किया जा सकता है। और फिर, उस समय विशेष पर भारत का नेतृत्व भी मजबूत हाथों में नहीं था। उक्त कई कारणों के चलते भारत को विभाजन की विभीषिका को झेलना पड़ा था और करोड़ों नागरिक इससे बहुत बुरी तरह से प्रभावित हुए थे। वैसे तो भारत को पूर्व में भी खंडित किया जाता रहा है परंतु वर्ष 1947 में हुआ विभाजन सबसे अधिक वीभत्स रहा है। वर्ष 1937 में म्यांमार भारत से अलग हुआ था, वर्ष 1914 में तिब्बत को भारत से अलग कर दिया गया था, वर्ष 1906 में भूटान एवं वर्ष 1904 में नेपाल को भारत से अलग कर दो नए देश बना दिये गए थे एवं वर्ष 1876 में अफगानिस्तान ने नए देश के रूप में जन्म लिया था। यह सभी विभाजन भारत को पावन भूमि को विखंडित करते हुए सम्पन्न हुए थे। यह सिलसिला वर्ष 1947 में स्वाधीनता प्राप्ति के पश्चात भी रुका नहीं एवं वर्ष 1948 में भारत के भूभाग को विखंडित कर श्रीलंका के रूप में नए देश का जन्म हुआ। वर्ष 1948 में ही पाकिस्तान के कुछ कबीलों ने भारत के कश्मीर क्षेत्र पर आक्रमण कर कश्मीर के एक हिस्से को अपने कब्जे में ले लिया था, जिसे आज 'पाक आकुपाईड कश्मीर' कहा जाता है। वर्ष 1962 में आक्साई चिन भी भारत से विखंडित हो गया था। उक्त विखंडित हुए भूभाग से भारत का नाता आज भी बना हुआ है। जैसे, अफगानिस्तान में बामियान बुद्ध की मूर्तियां स्थापित रही हैं, जिन्हें बाद के खंडकाल में तालिबान ने खंडित कर दिया है। महाभारत काल में गांधारी आज के अफगानिस्तान राज्य की निवासी रही है। अफगानिस्तान शिव उपासना का महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। इसी प्रकार पाकिस्तान में तो तक्षशिला विश्वविद्यालय रहा है, जिसमें विश्व के अन्य देशों से विद्यार्थी अध्ययन के लिए आते थे। हिंगलाज माता का मंदिर है, भगवान झूलेलाल का अवतरण इस धरा पर हुआ था, साधु बेला, संत कंवरराम, ऋषि पिंगल, ऋषि पाणिनि भी इसी धरा पर रहे हैं। भगत सिंह, लाला लाजपत राय एवं आचार्य कृपलानी जैसे देशभक्तों ने भी इसी धरा पर जन्म लिया था। बंगला देश में भी आज ढाकेश्वरी मंदिर स्थित है जिसके नाम पर ही बांग्लादेश की राजधानी को ढाका कहा जाता है। जगदीश चंद्र बोस एवं विपिन चंद्र पाल जैसे महान देशभक्तों ने भी इसी धरा पर जन्म लिया है। नेपाल तो अभी हाल ही के समय तक हिंदू राष्ट्र ही रहा है एवं यहां पर कैलाश मानसरोवर, पशुपति नाथ मंदिर, जनकपुर जहां माता सीता का जन्म हुआ था एवं विश्व प्रसिद्ध लुम्बिनी, आदि नेपाल में ही स्थित हैं।

दृष्टि कोण

नशे की बढ़ती लत से समाज खतरे में

समाज के बदलते परिवेश में कुछ अलग करने की कामना, मानसिक तनाव और बहुत से शौक ऐसे कारण हैं जो नशे के प्रचलन को समाज में बढ़ा रहे हैं। इसका ज्यादातर शिकार हमारी युवा पीढ़ी हो रही है। वर्तमान में नशा युवाओं के लिए फैशन बन गया है, जो दिन प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है। नशे का हानिकारक प्रभाव न केवल नशा करने वाले व्यक्ति पर पड़ता है, अपितु यह पूरे परिवार और समाज को भी खोखला करने का काम करता है। एक समय हिमाचल को बदनाम करने वाले भांग, अफीम और चरस जैसे खतरनाक नशे की जगह अब चिट्टे ने ले ली है। चिट्टा वास्तव में एक बहुत ही खतरनाक ड्रग्स है। हिमाचल का शायद ही कोई ऐसा जिला होगा जहां पर पुलिस द्वारा चिट्टे की बरामदगी न हुई हो, खासकर सीमांत जिलों कांगड़ा, ऊना एवं सोलन जैसे जिलों में चिट्टे का सर्वाधिक प्रकोप है, जो कि कई युवाओं के जीवन को निगल चुका है। अक्सर नशेड़ी आदमी को शारीरिक, मानसिक, सामाजिक तथा आर्थिक रूप से भारी नुकसान उठाना पड़ता है। फिर भी न चाहते हुए भी वे इस लत से छुटकारा नहीं पा सकते। वर्तमान में हालात ऐसे बन चुके हैं कि स्कूल, कॉलेज एवं यूनिवर्सिटीज में पढने वाले विद्यार्थी नशाखोरी की चपेट में आने लगे हैं। नशा माफिया छात्रों को किसी तरह से बहला-फुसला कर नशे की लत लगा देता है और जब ये छात्र इस महंगे नशे को खरीदने में असमर्थ हो जाते हैं तो नशा माफिया इन बच्चों को नशा तस्करी के दलदल में धकेल देता है। अभी कुछ समय पहले ही एनआईटी हमीरपुर में कई छात्र इस नशाखोरी के चक्कर में पकड़े गए थे। आजकल आधुनिकता की दौड़ में संयुक्त परिवार की जगह एकल परिवार को तरजीह दी जा रही है। ऐसे में बच्चों में अकेलापन, सामाजिकता का अभाव इत्यादि के कारण बच्चों में नशे की तरफ रुचि बढ़ जाती है। अगर एकल परिवार का लडक़ा या लडक़ी नशे के जाल में फंसते हैं तो उस परिवार का अस्तित्व ही खतरे में पड़ जाता है। अक्सर देखने में आता है कि नशे में पड़ा छात्र झूठ बोलने लगता है एवं अपने परिवार, दोस्तों, रिश्तेदारों और समाज को धोखा देने लगता है। नशे के लिए पैसे का जुगाड़ करने के लिए चोरी, डकैती, अपने ही घर का सामान बेचना जैसी खबरें हम आए दिन अखबारों में पढ़ते रहते हैं। एक बार सिंथेटिक ड्रग्स की लत लग जाए तो इस नशे को छोड़ पाना इतना आसान नहीं होता। इसकी लत इतनी खतरनाक होती है कि अगर व्यक्ति को नशा न मिले तो यह नशेड़ी की मौत का कारण बन जाता है। आज जरूरत है समाज में इस दानव रूपी नशे के कारोबार को खत्म किया जाए। सरकारें भी इसके लिए प्रयासरत हैं, लेकिन इसमें सबसे महत्वपूर्ण भूमिका परिवार की होती है। माता-पिता अपने बच्चों की परवरिश करते समय अगर बच्चे की छोटी-मोटी गतिविधियों पर नजर नहीं रखेंगे तो बच्चे गलत संगत में पड़ कर नशे का शिकार बन सकते हैं। कई बार अपनी विधानसभा या हिमाचल के किसी और क्षेत्र में जाता हूं तो स्कूल-कॉलेज के छात्र सिरगेट के धुएं के छल्ले उड़ाते दिखते हैं, तो मन में पीड़ा होती है। कई बार गाड़ी रोककर ऐसे बच्चों को समझाने का भी प्रयास करता हूं। समय की जरूरत है कि सरकार नशे के कारोबारियों के खिलाफ कड़े कानून बनाए। शिक्षण संस्थानों में 100 मीटर के दायरे में तम्बाकू-गुटखा बेचने वालों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए। इसके अलावा एनजीओ, धार्मिक संगठनों, सिविल सोसाइटीज, पंचायतों, शहरी निकायों, स्टूडेंट्स यूनियनों, यूथ क्लबों, नेहरु युवा क्लबों, शिक्षकों को तन-मन-धन से नशे के खिलाफ सहयोग करना चाहिए। जब स्टूडेंट्स कॉलेज-यूनिवर्सिटी में एडमिशन लेते हैं तो उनको नशे के खिलाफ वर्कशॉप और ओरिएंटेशन प्रोग्राम्स में विस्तृत जानकारी दी जानी चाहिए। सरकारों को युवाओं के लिए अवसर, खेलों एवं रोजगार की तरफ विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए, ताकि युवा अपनी एनर्जी और क्रिएटिव पावर्स का समाज और देशहित में प्रयोग कर सकें। पंजाब का उदाहरण हमारे सामने है। पंजाब अब उड़ता पंजाब कहलाता है। वहां पर नशे की बढ़ती प्रवृत्ति के कारण वह अब खेलों में भी पीछे हो गया है।

कुछ अलग

बाढ़ और नेता...

बाढ़ और नेताजी का चोली-दामन का साथ है। बाढ़ आती है तो नेताजी भी आते हैं। नेताजी आते हैं तो उनके चेले चांटे भी साथ में आते हैं। बाढ़ में चारों तरफ पानी ही पानी होता है। नेताजी भी अपनी आंखों में पानी भर लाते हैं। जिस नेता की आंखों में पानी नहीं आता, वह नेता की श्रेणी में ही नहीं आता। इसलिए नेताजी आंखों में पानी लाने का अभ्यास करते रहते हैं। जहां पानी का स्तर बहुत कम होता है, यानी चुल्लू भर पानी होता है या थोड़ी सूखी जगह होती है, नेताजी वहां सावधानी से पैदल चलते हुए मुआयना करते हैं और फिर फोटो खिंचवाते हैं। फोटो अखबारों में छपती है और चंद चापलूस टाइप के मीडिया वाले यह स्टोरी लिखते हैं कि अपनी जान जोखिम में डालकर नेताजी ने बाढ़ प्रभावित इलाके का दौरा किया और सुख-दुख बांटा। पहले सुख-दुख बंटता है, उसके बाद राहत भी बंटेगी। उसकी अलग से फोटो आएगी। अब जिन इलाकों में नेताजी की सूरत देखे लोगों को मुद्दत बीत गई होती है, वहां के लोग अपने आप को कोसते हैं कि हमारे यहां बाढ़ क्यों नहीं आई। ईश्वर ने बाढ़ के मामले में हमारी उपेक्षा क्यों की। बाढ़ आती तो यकीनन नेताजी भी आते। नेताजी उनके दुख दर्द भी सुनते और फिर नेताजी के साथ-साथ उनके फोटो भी अखबारों में छपते। ईश्वर के पास अगर अखबारें जाती होंगी या ईश्वर स्वर्ग में बैठकर इंडियन चैनल देखते होंगे तो वह यह देखकर खुश हो जाते कि इंडिया में नेताजी कितने संवेदनशील होते हैं। जहां-जहां बाढ़ आती है, वहां वहां वह अवतरित होते हैं। कई बार बाढ़ से पहले से टूटी फूटी सडक़ें और ज्यादा टूट जाती हैं। पता ही नहीं चलता कि सडक़ पर चल रहे हैं या गड्ढे में चले जाएंगे। डटकर हुए खनन की वजह से बाढ़ के पानी में पुल भी बह जाते हैं। ऐसे में नेताजी की मजबूरी होती है कि हेलीकॉप्टर में बैठकर आसमान में उड़ते हुए बाढ़ प्रभावित इलाके का मुआयना किया जाए। नेताजी हेलीकॉप्टर में खिडक़ी के पास बैठ जाते हैं। जब कैमरामैन पूरी तरह से उनके चेहरे पर कैमरा फोकस कर लेता है तो नेताजी खिडक़ी से नीचे झांककर सर्वेक्षण करने लगते हैं। हेलीकॉप्टर में उनके साथ अधिकारी कम, नेताजी के चेले चंपू ज्यादा होते हैं। चंपू उछल-उछलकर उन्हें बताते हैं कि 'वाह साहब! क्या अद्भुत विहंगम दृश्य है। इस इलाके को अब जल क्रीड़ा की दृष्टि से काफी विकसित किया जा सकता है।' अपनी अपनी समझ के मुताबिक चेले चंपू और भी राय देते हैं। नेताजी धीर गंभीर होकर सुनते रहते हैं क्योंकि कैमरा भी उनके चेहरे पर फोकस होता है और उनके चेहरे के हाव-भाव की वीडियो भी बन रही होती है। वीडियो बनाने वालों को खास हिदायत होती है कि नेताजी का दुख उनके चेहरे पर दिखना चाहिए। उनके चेहरे पर सत्ता का सुकून नहीं दिखना चाहिए। नेताजी चेहरे से जितने गमगीन और दुखी दिखेंगे, पब्लिक में उनकी इमेज की उतनी ही ब्रांडिंग होगी जिसका फायदा चुनावों में मिलेगा। अब यहां कैमरामैन की पूरी टैलेंट दाव पर होती है। उसने सांस रोक कर नेताजी के हाव भाव पकडने होते हैं। नेताजी अगर समाधि में भी बैठे हों तो भी उनके चेहरे की गंभीरता और प्रभु भक्ति में तल्लीन उनकी मुद्रा को चुपचाप कमरे में कैद करना होता है। जरा सा शोर होते ही नेताजी की तंद्रा अगर टूट गई तो समाधि का पूरा खेल चौपट हो जाता है। इसलिए कैमरामैन अत्यंत चौकस रहते हैं। नेताजी भी मुआयना करते हुए कैमरामैन से ज्यादा चौकस रहते हैं। फिर जब जमीनी सर्वेक्षण और हवाई सर्वेक्षण पूरा हो जाता है तो फिर नेताजी राजधानी में लौटकर उच्च स्तरीय बैठक करते हैं। फिर मीडिया से मुखातिब होते हैं। विपक्ष को कोसते हैं कि आपदा की इस घड़ी में भी विपक्ष राजनीति कर रहा है। उनका यह बयान फिर अखबारों में छपता है।

देश दुनिया से

पाक से एक कदम पीछे क्यों रह गया भारत

देश की एक अरब 40 करोड़ की आबादी और खिलाडियों पर 4 अरब 70 करोड़ रुपए खर्च करने के बावजूद भारत एक स्वर्ण पदक तक हासिल नहीं कर सका। भाला फेंक प्रतिस्पर्धा में स्वर्ण पदक हासिल करके पाकिस्तान ओलंपिक की सूची में भारत से आगे निकल गया। खेलों में भारत का बेहद निराशाजनक प्रदर्शन बताता है कि सिर्फ जीडीपी में पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बनने से इस दिशा में कुछ हासिल होने वाला नहीं है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन के लिए खेलों में संसाधनों के साथ खेल संस्कृति का जज्बा जरूरी है। पाकिस्तान ही नहीं, अफ्रीका के ऐसे देश, जो दशकों से घरेलू युद्ध का बेहद गरीबी में सामना कर रहे हैं, वे भी ओलंपिक जैसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय खेलों के आयोजन में भारत को पछाड़ गए।

भुखमरी गरीबी और आतंकवाद का शिकार पाकिस्तान 2024 पेरिस ओलंपिक में पदक तालिका में आगे रह कर भारत को शर्मिंदा कर गया। देश की एक अरब 40 करोड़ की आबादी और खिलाडियों पर 4 अरब 70 करोड़ रुपए खर्च करने के बावजूद भारत एक स्वर्ण पदक तक हासिल नहीं कर सका। भाला फेंक प्रतिस्पर्धा में स्वर्ण पदक हासिल करके पाकिस्तान ओलंपिक की सूची में भारत से आगे निकल गया। खेलों में भारत का बेहद निराशाजनक प्रदर्शन बताता है कि सिर्फ जीडीपी में पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बनने से इस दिशा में कुछ हासिल होने वाला नहीं है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन के लिए खेलों में संसाधनों के साथ खेल संस्कृति का जज्बा जरूरी है। पाकिस्तान ही नहीं, अफ्रीका के ऐसे देश, जो दशकों से घरेलू युद्ध का बेहद गरीबी में सामना कर रहे हैं, वे भी ओलंपिक जैसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय खेलों के आयोजन में भारत को पछाड़ गए। भारतीय टीम से उम्मीद की गई थी कि वो टोक्यो ओलंपिक से अच्छा प्रदर्शन करेगी, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। पेरिस ओलंपिक में भारतीय टीम पिछले ओलंपिक से एक मेडल कम रह गई। टोक्यो ओलंपिक में एक मेडल के मुकाबले पेरिस में 6 मेडल आए हैं। इसमें 5 ब्रांज और एक सिल्वर है। सिल्वर मेडल नीरज चोपडा ने जीता। केंद्र सरकार ने ओलंपिक में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए खिलाडियों पर अरबों पर रुपए खर्च किए थे, लेकिन उसका परिणाम सुखद नहीं रहा है। पेरिस ओलंपिक में भारत की तरफ से 16 खेलों में 117 एथलीट गए थे। इस पर भारत सरकार ने कुल 470 करोड़ रुपए खर्च किए थे। एथलेटिक्स के अलग-अलग खेलों के लिए कुल 96.08 करोड़ रुपए जारी किए गए थे। बैडमिंटन पर 72.03 करोड़, बॉक्सिंग पर 60.93 करोड़, शूटिंग 60.42 करोड़ रुपए खर्च हुए थे। हॉकी पर 41.3 करोड़ और रेसलिंग पर 37.8 करोड़, आर्चरी में 39.18 करोड़ खर्च हुए थे। इसके अलावा वेटलिफ्टिंग, टेबल टेनिस, नौकायन जैसे खेलों पर भी करोड़ों खर्च हुए थे। औसतन एक मेडल के लिए सरकार को 78 करोड़ खर्च करने पड़े। भारत के लिए नीरज चोपड़ा ने जैवलिन में सिल्वर, मनु भाकर और सरबजीत सिंह ने शूटिंग में ब्रांज, भारतीय हॉकी टीम ने ब्रांज, अमन सहरावत ने कुश्ती में ब्रांज जीता। मनु भाकर ने 2 ब्रांज मेडल जीते थे। दूसरी तरफ भारत के पड़ोसी पाकिस्तान ने सिर्फ एक ही गोल्ड मेडल जीता है। लेकिन वह भारत से मेडल टैली में आगे निकल गया है, क्योंकि मेडल टैली में उसे ऊपर रखा जाता है, जो स्वर्ण पदक जीतता है। भारत ने पेरिस ओलंपिक में कोई भी स्वर्ण पदक नहीं जीता है, जबकि पाकिस्तान के एक गोल्ड जीतते ही लॉटरी लग गई है। पेरिस ओलंपिक 2024 की मेडल टैली में भारत 71वें नंबर पर है, तो वहीं पाकिस्तान 62वें नंबर पर मौजूद है। हर विश्व चैंपियनशिप के दौरान भारत के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद कई सवाल पूछे जाते हैं। हमारी टीमें अक्सर गुस्साए और निराश दर्शकों के सामने लौटती हैं और हम अपने मेहनती खिलाडियों पर भी अपनी निराशा व्यक्त करते हैं। खेलों में भारत की दुर्दशा का आलम यह है कि हॉकी के अलावा अन्य टीम वाले खेलों में भारत का विश्व स्तर पर अता-पता तक नहीं है। इसमें महिला टीम के खेलों की हालत और भी ज्यादा शोचनीय है। देश में खेल के लिए पर्याप्त वातावरण नहीं होने के अलावा लैंगिक भेदभाव भी खेलों में भारतीय महिलाओं के पिछडऩे की प्रमुख वजह है। भारत के ओलंपिक में निराशाजनक प्रदर्शन का कारण भारत की विश्व स्तर पर खराब रैंकिंग भी है। भारतीय टेनिस टीम विश्व में 23वें स्थान पर है। भारतीय पुरुष वॉलीबॉल टीम 127 देशों में से 34वें स्थान पर है। भारतीय महिला वॉलीबॉल टीम 113 खेलने वाले देशों में से 100वें स्थान पर है। भारतीय बास्केटबॉल टीम 85 देशों में से 61वें स्थान पर है। नवीनतम फीबा रैंकिंग रिपोर्ट में हमारी रग्बी टीम 102 खेलने वाले देशों में से 74वें स्थान पर है। सवाल यह उठता है कि इतनी बड़ी आबादी, क्षेत्रफल और अर्थव्यवस्था वाले देश की हालत खेलों के प्रदर्शन में इतनी खराब कैसे है। खेलों की सुविधाओं में निवेश करने की भी जरूरत है। चीन ने ऐसा किया और कमाल का प्रदर्शन किया। ब्रिटेन ने ऐसा किया और लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। ऑस्ट्रेलिया, जापान आदि ने भी यही किया। जाहिर है कि अमेरिका के पास निवेश और एक बड़ी आबादी है जो कई ओलंपिक खेलों के लिए जुनूनी है, इसलिए उनका सामान्य प्रभुत्व है। लेकिन केन्या और इथियोपिया या जमैका जैसे देशों को देखें और जिस तरह से वे आर्थिक रूप से शक्तिशाली न होते हुए भी लगातार विशेष खेलों में विश्व स्तरीय एथलीट तैयार करने में सक्षम रहे हैं। इसका कारण यह है कि उनके पास उन प्रतियोगिताओं में भाग लेने की परंपरा है और उन देशों के बच्चे शायद वहां के लोगों को अपना आदर्श मानते हुए बड़े होते हैं जिन्होंने ओलंपिक खेलों में भाग लिया है और जीत हासिल की है। भारतीय मानसिकता खेलों में खर्च करने के खिलाफ रही है, वह चाहे सरकारी स्तर पर हो या पारिवारिक स्तर पर। इसे व्यर्थ का गैरउत्पादक निवेश माना जाता है। चीनी टेनिस खिलाड़ी झेंग किनवेन, जिसने हाल ही में ओलंपिक स्वर्ण पदक जीता है, ने टेनिस खेलना शुरू करने के बाद से अब तक 2.8 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक खर्च कर दिए हैं।

आप का नजरिया

एक और 'निर्भया कांड'

दुर्भाग्य है कि जिन्हें हम 'जीवन-रक्षक' मानते हैं, 'जीवन-दाता' भी कहते हैं और कई असाध्य बीमारियों के संदर्भ में भगवान से भी तुलना करते हैं, ऐसी ही एक महिला डॉक्टर के साथ बर्बर बलात्कार और अंततः हत्या का 'राक्षसी काम' किया गया है। उनके साथी डॉक्टर ही नहीं, देश भर के डॉक्टरों का रोष और आंदोलन अब भी जारी है। करीब 3-4 लाख चिकित्सक देश भर में विरोध-प्रदर्शन को बाध्य किए गए हैं, लिहाजा अपने दायित्व को भी पीछे छोड़ कर वे अपने अस्तित्व और सुरक्षा की लड़ाई लड़ रहे हैं। देश में महिला डॉक्टर और नर्स, अस्पताल के परिसर में होने के बावजूद, सुरक्षित नहीं हैं। उन बलात्कारियों को 'दरिंदा' कहें या कुछ और करार दें, वे कमोबेश इनसान नहीं हैं। उन्होंने मानवीय लबादा ओढ़ रखा है। कोलकाता के आरजीकर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल का यह मामला एक और 'निर्भया कांड' है। महिला ट्रेनी डॉक्टर की आंखों में उसके चश्मे का शीशा घुस गया, क्योंकि 'राक्षस' ने चश्मे पर भी वार किया था। डॉक्टर के प्राइवेट पार्ट और छाती पर काफी गहरी चोट के निशान मिले हैं। सिर दीवार पर मारा गया था, लेकिन हत्या गला दबा कर की गई। ये पोस्टमॉर्टम के संक्षिप्त निष्कर्ष हैं। अच्छा हुआ कि कलकत्ता उच्च न्यायालय के हस्तक्षेप से जांच सीबीआई को सौंप दी गई है, लेकिन मामला आईने की तरह सब कुछ बयां कर रहा है। ऐसे 'दानव' की सजा फांसी होनी चाहिए। मामला किसी गांव अथवा नाबालिग का नहीं है, जिसमें बहुस्तरीय जांच की दरकार होती है। पीड़िता भी बहुत कुछ बोल नहीं पाती। यह वीभत्स दुष्कर्म तो अस्पताल के सेमिनार रूम में किया गया, जहां 36 घंटे की लंबी ड्यूटी के बाद महिला डॉक्टर आराम करने या सोने गई थी। इस व्यवस्था पर भी सवाल होने चाहिए कि अस्पताल में सोने की समुचित व्यवस्था क्यों नहीं की गई थी? दरअसल सुरक्षा बंदोबस्त और उनके कारगर होने के बीच 'गहरी खाई' है, इस केस से यह भी साबित हो गया। सवाल पुलिस की भूमिका पर भी उठाए जा रहे हैं, जिसने ऐसे बलात्कारी को 'वॉलंटियर' बना रखा है। दुष्कर्म की घटना के 5 दिन बाद तक भी पुलिस किसी शुरुआती निष्कर्ष पर नहीं पहुंच पाई थी, लिहाजा अदालत ने जांच सीबीआई को सौंप दी। देश की राजधानी दिल्ली में जब 16 दिसंबर, 2012 की गहरी रात में 'निर्भया कांड' किया गया था और उसके बाद यौन हमलों, शोषण और उत्पीडऩ को लेकर नया कानून बनाया गया था, संसद खूब चीखी थी, तब कुछ सुकून महसूस हुआ था कि अब दरिंदगी कमोबेश कम होनी चाहिए, लेकिन वे प्रलाप 'नारी-शक्ति' तक ही सीमित रहे और औसत महिला की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं हो पाई। बलात्कार और हत्याएं तो आज भी देश भर में होती हैं। यह डॉक्टर का और वह भी अस्पताल के भीतर का मामला है, लिहाजा ज्यादा गंभीर और संवेदनशील है। कोलकाता से लेकर मुंबई तक महिला डॉक्टरों के साथ जघन्य अपराधों के मामले सामने आते रहे हैं। गंभीर चिंता और सरोकार का मुद्दा है कि यह वहशीपन कब समाप्त होगा? समाज और देश मनोविकृतियों के बीमार हैं क्या? केंद्र सरकार ने 'निर्भया फंड' बनाया था।

यूके में अलगावादी सिखों ने स्वतंत्रता दिवस पर मनाया काला दिवस, दुष्टों ने तिरंगे का भी किया अपमान

लंदन, 18 अगस्त। (एजेंसियां)।

ब्रिटेन भारतीय दूतावास के सामने 78वें स्वतंत्रता दिवस को काला दिवस के रूप में मनाते हुए सिखों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। इस विरोध प्रदर्शन में इंग्लैंड के विभिन्न शहरों से बड़ी संख्या में सिख समुदाय के लोग शामिल हुए। 19 मार्च को लंदन में भारतीय दूतावास पर हुए हमले और तिरंगे के अपमान के बाद किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए बड़ी संख्या में यूके पुलिस को भारतीय दूतावास की सुरक्षा के लिए तैनात किया गया था। इसके बावजूद, प्रदर्शनकारियों ने फिर से खालिस्तानी झंडे लहराए और तिरंगे का अपमान किया।

विरोध प्रदर्शन के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए दूतावास के पास किसी भी व्यक्ति को जाने की अनुमति नहीं दी गई। विरोध प्रदर्शन में वक्ताओं ने कहा कि भारत सरकार अल्पसंख्यकों को दबाने के लिए लगातार अत्याचार कर रही है। उन्होंने कहा कि काले कानूनों के तहत सिख युवाओं को गिरफ्तार कर डिब्रूगढ़ की जेलों में बंद किया गया है। वक्ताओं ने पंजाब की आज़ादी और खालिस्तान की स्थापना तक संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि भारत में न केवल सिख, बल्कि कश्मीरी, मुस्लिम, और दलित समुदाय भी सरकार की हिंदूवादी नीतियों के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। मोदी सरकार उन पर लगातार अत्याचार कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार की अल्पसंख्यक विरोधी नीतियों को अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर उजागर किया जाएगा। वक्ताओं ने अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से अपील की कि मानवाधिकारों का हनन करने वाले देश भारत का बहिष्कार किया जाए और उसे आर्थिक रूप से कमजोर किया जाए।

भारतीय दूतावास के सामने बड़ी संख्या में खालिस्तानी झंडे लहराए गए। इस विरोध प्रदर्शन में सिख फेडरेशन यूके के वरिष्ठ नेता भाई कुलवंत सिंह मुथड़ा, भाई बलविंदर सिंह ढिल्लों, एफएसओ के कोऑर्डिनेटर भाई जोगा सिंह, लवसिंदर सिंह डल्लेवाल, अमरीक सिंह सहोता, भाई रघबीर सिंह, भाई मनप्रीत सिंह, भाई गुरप्रीत सिंह, भाई परमजीत सिंह पम्मा, भाई रणधीर सिंह, जसबीर सिंह घुम्मन, केहर सिंह बर्मिंघम और शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सरबजीत सिंह सहित कई सिख नेता शामिल थे। विरोध प्रदर्शन के दौरान भारत विरोधी नारे भी लगाए गए।

न्यूज ब्रीफ

अदभुत कनेक्शन : पाकिस्तान में बारिश और बाल विवाह में आई तेजी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में मानसून की भारी बारिश के साथ ही देश में बच्चियों की शादी के मामले भी तेजी से बढ़ रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, पैसे की किल्लत से जूझ रहे पाकिस्तानी माता-पिता पैसों के बदले में अपनी कम उम्र की लड़कियों की शादी का सौदा कर रहे हैं। 14 वर्षीय शमीला और उसकी 13 साल की बहन अमीना के माता-पिता ने परिवार का खर्च चलाने के लिए दोनों की शादी कर दी। उन्हें उम्मीद थी कि इससे उनकी स्थिति सुधरेगी। पाकिस्तान में बाल विवाह के बढ़ते मामलों ने अधिकार संगठनों की चिंता बढ़ा दी है। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान में बीते सालों में बाल विवाह के मामलों में कमी आ रही थी, लेकिन 2022 की विनाशकारी बाढ़ के बाद से फिर संख्या बढ़ी है। देश में खेती के लिए महत्वपूर्ण समझी जाने वाली मानसून की बारिश मौसम जलवायु परिवर्तन के चलते तेज हो गई है, जिससे बाढ़ और फसलों को नुकसान हो रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, सिंध के खान मोहम्मद मल्लाह जैसे गांवों में बाल विवाह के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। ये इलाका 2022 की बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित हुआ था। यहां परिवार पैसे के बदले अपनी कम उम्र की बच्चियों की शादी कर रहे हैं। शमीला की सास बीबी सचल ने बताया कि उन्होंने उसके लिए दो लाख पाकिस्तानी रुपये का भुगतान किया। यह इस इलाके के लिए एक बड़ी रकम है। यहां परिवार करीब 80 रुपये प्रतिदिन पर गुजारा कर रहे हैं। शमीला जैसी कई लड़कियों ने शादी के बाद बेहतर जीवन की उम्मीद की थी, लेकिन उन्हें उसी मुसीबत का सामना करना पड़ रहा है। 18 साल से कम उम्र में शादी करने वाली लड़कियों की संख्या के मामले में पाकिस्तान छठें स्थान पर है। पाकिस्तान में विवाह के लिए कानूनी उम्र अलग-अलग क्षेत्रों में 16 से 18 के बीच है।

लंदन में होटल के कमरे में एयर इंडिया की एयर होस्टेस पर अटैक, गिरफ्तार

लंदन। लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट के करीब एक होटल में ठहरी एयर इंडिया की एक एयर होस्टेस के कमरे में एयर होस्टेस पर एक घुसपैठिए ने हमला किया। इस दौरान उसकी मदद के लिए चीख-पुकार बगल के कमरों में मौजूद सहकर्मियों तक पहुंच गई और वे तुरंत इकट्ठा हो गए, जिसके बाद हमलावर भागने की कोशिश करने लगा, लेकिन आखिरकार उसे पकड़ लिया गया। एक अधिकारी ने बताया कि घायल एयर होस्टेस को अस्पताल ले जाया गया और अब वह भारत वापस आ गई है। जहां इस भीषण सदमे से उबरने के लिए उसकी काउंसलिंग की जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह घटना रेडिसन होटल लंदन हीथ्रो में आधी रात के तुरंत बाद हुई। उस रात एयर इंडिया की कई उड़ानों के क्रू मेंबर उसी होटल में ठहरे थे। महिला एयर होस्टेस वारदात के वक्त अपने कमरे में सो रही थी, तभी रात करीब 1.30 बजे एक घुसपैठिए ने उसके कमरे में हमला किया। चौंककर वह जाग गई और मदद के लिए चिल्लाने लगी। हमलावर ने कपड़े के हैंगर से उस पर हमला किया और उसे फर्श पर घसीटा, जबकि एयर होस्टेस दरवाजे की ओर भागने की कोशिश कर रही थी। उसके सहकर्मी तुरंत उसे बचाने के लिए आए। सूत्रों ने बताया कि इस हमले में एयर होस्टेस बुरी तरह से घायल हो गई।

कोलकाता ट्रेनी डॉक्टर रेप- मर्डर मामले में ढाका में भी हुआ प्रदर्शन

ढाका। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में एक महिला ट्रेनी डॉक्टर के बलात्कार और हत्या के विरोध में ढाका विश्वविद्यालय में 'राजू स्कल्प्चर' (ढाका विश्वविद्यालय में एक छात्र की स्मृति में बनाया गया स्मारक) के निकट प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने तख्तियां भी ले रखी थीं जिन पर लिखा था बलात्कारियों को फांसी दो, क्या मैं अगली हूं?, हिंसा बंद करो। 'ढाका ट्रिब्यून' ने भौतिकी विभाग की छात्रा ने कहा, हम बंगाल में बलात्कार के मामले में मेडिकल कॉलेज प्रशासन के असहयोगपूर्ण रवैये से अवगत हैं। मानव विज्ञान विभाग की छात्रा आन्या फहमीन ने कहा, दुनियाभर में महिलाओं को दुष्कर्म जैसे घिनौने अपराध का सामना करना पड़ता है और हम कोलकाता के आरजी कर अस्पताल मामले में निष्पक्ष जवाबदेही के लिए चल रहे आंदोलन का पूरा समर्थन करते हैं।

सूडान के अर्द्धसैनिक बल के जवानों ने गांव वालों पर की अंधाधुंध फायरिंग

गोलीबारी में 100 लोगों की मौत 150 से अधिक लोग हुए घायल

खार्तुम, 18 अगस्त (एजेंसियां)।

सूडान के अर्द्धसैनिक बलों के हमले में 100 से ज्यादा लोगों की मौत की खबर है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सूडान की पैरामिलिट्री रैपिड सपोर्ट फोर्सेस ने सूडान के एक केंद्रीय गांव पर हमला कर 100 से ज्यादा लोगों की हत्या कर दी। सूडान में बीते 18 महीने से चल रहे संघर्ष में यह हिंसा की ताजा घटना है। घटना बीते हफ्ते की है। इससे पहले जुलाई में भी रैपिड सपोर्ट फोर्स ने सेन्नार प्रांत के गलगनी इलाके में भी हमला किया था।

महिलाओं का अपहरण रोकने की वजह से हुआ हमला

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सूडान की पैरामिलिट्री फोर्स रैपिड सपोर्ट फोर्स के कुछ जवान गांव पहुंचे थे और उन्होंने यौन शोषण के उद्देश्य से कुछ महिलाओं और लड़कियों का अपहरण करने की कोशिश की। जिसका गांव के लोगों द्वारा विरोध किया गया। विरोध के चलते जवान मौके से भाग गए। हालांकि कुछ देर बाद ही बड़ी संख्या में पैरामिलिट्री के जवान कई वाहनों में सवार होकर गांव पहुंचे और उनके साथ बड़ी संख्या में स्वचालित हथियार भी थे। पैरामिलिट्री के जवानों ने आते ही गांव वालों पर फायरिंग शुरू कर दी। जिसमें महिलाओं, बच्चों समेत 100 से ज्यादा लोगों की मौत होने का दावा किया जा रहा है।

सूडान में सेना और अर्द्धसैनिक बल आमने-सामने

सूडान के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा है कि हमले में 150 गांव वाले घायल भी हुए हैं। बता दें कि सूडान में रैपिड सपोर्ट फोर्स पर अक्सर नरसंहार, दुष्कर्म और हिंसा के आरोप लगते रहते हैं। सूडान के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा है कि हमले में 150 गांव वाले घायल भी हुए हैं। बता दें कि सूडान में रैपिड सपोर्ट फोर्स पर अक्सर नरसंहार, दुष्कर्म और हिंसा के आरोप लगते रहते हैं। सूडान की सेना और वहां के अर्द्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्स यानी आरएसएफ के बीच बीते साल अप्रैल से टकराव चल रहा है। इस दौरान हिंसा में बड़ी संख्या में लोगों की मौत हो चुकी है। दरअसल में सूडान में नागरिक सरकार को सत्ता हस्तांतरित करने की मांग को लेकर 2021 से ही संघर्ष चल रहा है। मुख्य विवाद सेना और अर्द्धसैनिक बल आरएसएफ के विलय को लेकर है।

सेना प्रमुख और आरएसएफ प्रमुख की लड़ाई में जल रहा देश

अक्तूबर 2021 में सूडान में तख्ता पलट के बाद से ही सेना प्रमुख जनरल अब्देल फतेह अल बुरहान देश की कमान संभाल रहे हैं। वहीं अर्द्धसैनिक बल आरएसएफ के प्रमुख हमदान दगालो यानी हेमेदती देश के दूसरे नंबर के नेता हैं। सेना की कोशिश है कि आरएसएफ का सेना में विलय हो जाए। हालांकि करीब एक लाख की तादाद वाली आरएसएफ के विलय के बाद सेना का नेतृत्व कौन करेगा, इस पर सहमति नहीं बन पा रही है। इसके बाद ही विवाद शुरू हुआ, जो हिंसा में बदल गया और बीते एक साल से हिंसा जारी है।

भारत सरकार ने संघर्ष को देखते हुए रविवार को खार्तूम में रहने वाले भारतीय नागरिकों के लिए एक एडवाइजरी जारी की है। ताजा एडवाइजरी में सरकार ने अपने नागरिकों से घर के अंदर रहने और मौजूदा स्थिति के बीच शांत रहने का आग्रह किया है। अब तक इस संघर्ष में एक भारतीय की जान भी चली गई है।

कैलिफोर्निया के ऑकलैंड में चलीं ताबड़तोड़ गोलियां, 2 की मौत 2 घायल

वाशिंगटन। अमेरिका के ओकलैंड में सुबह के करीब गोलीबारी की एक घटना को अंजाम दे दिया गया, जिसमें 02 लोगों की मौत हो गई जबकि 02 अन्य लोग बुरी तरह घायल हो गए। घटना की जानकारी दे रही सैन फ्रांसिस्को बे एरिया की पुलिस ने बताया कि यह घटना आवासीय क्षेत्र में हुई है। ओकलैंड पुलिस विभाग के बयान में बताया गया है, कि अधिकारियों को पूर्वी ओकलैंड के एक आवासीय क्षेत्र में जिसे 83वें एवेन्यू के 1600 ब्लॉक के नाम से जाना जाता है में घटना होने की सूचना सुबह करीब नौ बजे प्राप्त हुई थी। इस घटना में 02 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 02 अन्य लोगों को घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक अनेक लोगों के बीच चल रही बहस के दौरान ही एक व्यक्ति ने बंदूक निकालकर गोलीबारी कर दी। गोलीबारी की घटना को अंजाम देने वाला व्यक्ति एक वाहन में सवार हो मौके से फरार हो गया। यहां बताते चलें कि करीब 4 लाख आवादी वाला शहर ओकलैंड इन दिनों अपराध और जन सुरक्षा की समस्या से खासा जूझ रहा है।

ट्रंप ने खुद को कमला हैरिस से ज्यादा सुंदर बताया

वॉशिंगटन, 18 अगस्त (एजेंसियां)।

राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने उप राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस पर व्यक्तिगत हमला बोला है। उन्होंने पेंसिल्वेनिया में एक रैली में उनकी शारीरिक बनावट और बुद्धिमत्ता की निंदा की है। उन्होंने अपने समर्थकों से कहा, मैं उनसे कहीं ज्यादा सुंदर हूं। ट्रंप ने कमला हैरिस स्पेशल टाइम मैगजीन की कवर फोटो का जिक्र करते हुए दावा किया कि पत्रिका को एक स्केच कलाकार को काम पर रखना पड़ा क्योंकि उनकी तस्वीरें काम नहीं आईं। उन्होंने उनकी बुद्धिमत्ता पर भी सवाल उठाया और उन्हें कट्टरपंथी उदारवादी करार दिया।

दरअसल ट्रंप की पार्टी के सदस्यों ने उनसे हैरिस पर व्यक्तिगत हमले नहीं करने का अनुरोध किया है और ट्रंप उन्हीं से जुड़े सवालों का जवाब दे रहे थे। ट्रंप ने कहा, ''जहां तक हैरिस पर व्यक्तिगत हमलों की बात है तो उन्होंने देश के साथ जो किया है मैं उससे बहुत नाराज हूं। मैं उनसे इस बात पर नाराज हूं कि उन्होंने मेरे और अन्य के खिलाफ न्याय प्रणाली को हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया। मैं बेहद नाराज हूं और मुझे लगता है कि मैं व्यक्तिगत हमले कर सकता हूं।''ट्रंप ने कहा, ''उन्होंने (हैरिस ने) मुझे अजीब कहा। उन्होंने जे डी (वैंस, ट्रंप के साथ उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार) और मुझे अजीब कहा। वह (वैंस) अजीब नहीं हैं। वह येल में एक बेहतरीन छात्र थे, वह ओहायो स्टेट गए उन्होंने कक्षा में सर्वाधिक अंकों से स्नातक की परीक्षा उत्तीर्ण की। इससे पहले डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह उपराष्ट्रपति कमला हैरिस से बेहद नाराज हैं और इस पद के चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार एवं अपनी प्रतिद्वंद्वी पर व्यक्तिगत हमले कर सकते हैं। पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप ने न्यू जर्सी के बेडमिंस्टर में अपने गोल्फ क्लब में संवाददाताओं से बातचीत में यह बात कही थी। उन्होंने कहा था, ''मेरे मन में उनके लिए कोई खास सम्मान नहीं है। उनकी बुद्धिमत्ता के लिए भी मेरे मन में कोई खास सम्मान नहीं है। मेरा मानना है कि वह बहुत खराब राष्ट्रपति साबित होंगी। व्यक्तिगत हमले अच्छे होते हैं या बुरे... इस बारे में मेरा कहना है कि वह भी मेरे ऊपर व्यक्तिगत हमले करती हैं।

ट्रंप ने ओलंपिक में जेंडर विवाद को दी हवा

डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर ओलंपिक के जेंडर विवाद को हवा दी है। हाल ही में संपन्न हुए पेरिस ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीतने वाली दो बॉक्सर की आलोचना करते हुए ट्रंप ने कहा कि पुरुषों को महिलाओं के खेल से दूर रखना चाहिए। पेंसिल्वेनिया में एक रैली के दौरान ट्रंप ने पुरुषों को महिलाओं के खेल से दूर रखने का वादा किया। बता दें कि यह पहला मौका नहीं है जब ट्रंप ने ओलंपिक में इस जेंडर विवाद का मसला उठाया है।

रूस में 7.0 तीव्रता वाले भूकंप के बाद फटा ज्वालामुखी, सुनामी का भी खतरा

मॉस्को, 18 अगस्त (एजेंसियां)।

रूस के पूर्वी तट पर 7.0 तीव्रता वाले भूकंप के बाद शिवलुच ज्वालामुखी फट गया है। इस घटनाक्रम के बाद सुनामी का खतरा भी बना हुआ है। हालांकि, अबतक भूकंप के झटकों या ज्वालामुखी के फटने से जनहानि नहीं हुई है। विशेषज्ञों की टीम इमारतों की जांच कर रही है कि भूकंप के तेज झटकों से इन्हें कितना नुकसान पहुंचा है।

रूस में रविवार सुबह (स्थानीय समयानुसार) भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रिएक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 7 मापी गई है। भूकंप का केंद्र सुदूर-पूर्वी कामचटका प्रायद्वीप का तट रहा। संयुक्त राज्य भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधिकारियों के अनुसार, रूस में भूकंप सुबह सात बजे के ठीक बाद आया। इसका केंद्र पेट्रोपावलोव्स्क-कामचत्स्की शहर से लगभग 90 किलोमीटर पूर्व में कामचटका प्रायद्वीप के पानी में लगभग 50 किलोमीटर की गहराई पर आया। रूसी आपातकालीन मंत्रालय ने भूकंप के कारण सुनामी की चेतावनी जारी नहीं की। हालांकि, अमेरिकी सुनामी चेतावनी प्रणाली का कहना है कि इस भूकंप से रूस के समुद्र से सटे इलाकों में सुनामी की खतरनाक लहरें आ सकती हैं। चेतावनी में कहा गया है कि भूकंप के केंद्र से 300 किलोमीटर तक सुनामी का खतरा है। भूकंप के तेज झटकों के बाद शिवलुच ज्वालामुखी फट गया है। समुद्र तल से 8 किलोमीटर ऊपर तक ज्वालामुखी से निकली राख देखी जा सकती है। शिवलुच ज्वालामुखी पेट्रोपावलोव्स्क-कामचत्स्की से लगभग 280 मील दूर स्थित है, जो एक तटीय शहर है। यह रूस के कामचटका में स्थित है। यूएस जियोलॉजिकल सर्वे (यूएसजीएस) के मुताबिक भूकंप का केंद्र पेट्रोपावलोव्स्क-कामचत्स्की से लगभग 55 मील दूर था।

स्पेन की होटल में ब्रिटिश किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म, आठ आरोपी गिरफ्तार

मैगलुफ़, 18 अगस्त। (एजेंसियां)।

स्पेन में एक ब्रिटिश किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना सामने आई है। इस मामले में आठ लोगों पर आरोप लगे हैं। घटना पिछले साल हुई थी और इसके बाद बड़े पैमाने पर जांच शुरू की गई। आरोपियों में सात फ्रांसीसी और एक स्विस नागरिक हैं। इनमें से पांच पर दुष्कर्म और तीन पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगा है। आरोपियों में से कुछ ने अपने फ़ोन पर 30 मिनट के हमले का वीडियो फिल्माया और उसे सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था।

संदिग्धों पर दुष्कर्म के अलावा अन्य आरोप भी लगे हैं। इनमें लड़की को नग्न करने, उसके ऊपर थूकने, उसका अपमान करने और उसे कोड़े मारने जैसे आरोप हैं। कोर्ट के दस्तावेजों के मुताबिक आरोपियों ने अपने फ़ोन से दुष्कर्म के कई वीडियो फिल्माए और सोशल मीडिया पर पोस्ट किए। सभी आठ संदिग्धों को मेजरका या स्पेन की मुख्य भूमि की जेल में रखा गया है और मुकदमे तक वे वहीं रहेंगे।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक संदिग्धों ने होटल के गलियारे में अर्ध-चेतन लड़की पर यौन हमला किया और अन्य लोगों को मुफ़्त सेक्स के लिए आमंत्रित किया। पुलिस को घटना की सूचना उस समय मिली जब एक होटल कर्मचारी ने

लड़की को होटल की लॉबी में रोते हुए देखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी।

सात संदिग्धों को दुष्कर्म के तुरंत बाद गिरफ्तार कर लिया गया। दो अन्य संदिग्धों को बाद में फ्रांस से प्रत्यर्पित किया गया। इनमें से पहले संदिग्ध को तब पकड़ा गया जब उसने ब्रिटिश किशोरी के चोरी मोबाइल फोन का जवाब देने के लिए धोखा दिया।

स्पेनिश पुलिस ने बताया था कि सभी संदिग्ध एक ही मित्र समूह का हिस्सा नहीं थे। कुछ संदिग्ध इसमें प्रोत्साहित होकर शामिल हुए थे। रिपोर्ट्स में कहा गया कि तीन संदिग्धों ने ब्रिटिश किशोरी से कुछ घंटे पहले पार्टी के दौरान मुलाकात की थी। इस मामले की गहन जांच की जा रही है। कानूनी कार्रवाई के तहत उनकी ज़मानत की संभावना नहीं है और वे मुकदमे तक जेल में ही रहेंगे।

दुश्मनों पर ताबड़तोड़ हमले कर रहा इज़राइल

हमले में कमांडर कसाब हुआ ढेर,हिजबुल्लाह ने भी बरसाए रॉकेट

यरुशलेम, 18 अगस्त (एजेंसियां)।

इजरायल अपने दुश्मनों के खिलाफ ताबड़तोड़ हमले कर रहा है। इन इमलों में लेबनान के चरमपंथी संगठन हिजबुल्लाह के अल-हज रदवान फोर्स के एक टॉप कमांडर को ढेर कर दिया। हिजबुल्ला ने कसाब की मौत की पुष्टि की है। हालांकि उसके पद या रैंक के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है। इजरायली सेना ने ड्रोन हमले की फुटेज जारी की है और दावा किया कि इसमें हुसैन इब्राहिम कसाब को मार गिराया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक, कसाब उस वक्त मोटरसाइकिल

से जा रहा था। वह लेबनान के टायर शहर से गुजर रहा था, तभी इजरायल ने ड्रोन अटैक में उसे मार गिराया। इजरायली सेना का कहना है कि 7 अक्टूबर से अब तक हिजबुल्ला के 412 आतंकी मारे जा चुके हैं। कसाब भी उन्हीं मे से एक है।

गुस्साए हिजबुल्लाह ने उत्तरी इजरायल पर 55 रॉकेट दागे। यह हमला इजरायली हवाई हमले के जवाब में किया गया। इजरायली हमले में दक्षिणी लेबनान के नबाटिया शहर के पास 10 लोगों की मौत हो गई थी। इजरायली सेना का कहना है कि हिजबुल्ला के कुछ रॉकेट खुले इलाकों में गिरे जबकि अन्य ने कई जगहों पर आग लगा दी।उधर इजरायली सेना ने बताया है कि उसने सेंट्रल गाजा में 40 ठिकानों पर बमबारी की है।

ये कार्रवाई हमास के उस दावे के बाद की गई कि उसके लोगों ने दक्षिण गाजा में कुछ इजरायली सैनिकों को मार डाला है और घायल कर दिया है। इजरायली सैन्य प्रवक्ता अविचाय एड्रै ने शनिवार को एक प्रेस बयान में कहा कि इजरायली विमानों ने पिछले कुछ घंटों में गाजा पट्टी में 40 'आतंकवादी ठिकानों' पर हमला किया, जिसमें सैन्य भवन, हथियार डिपो और अन्य शामिल हैं।

अमेरिका ने ईरान से कहा आग से मत खेलो

वाशिंगटन। हमास चीफ इस्माइल की मौत के बाद से ईरान ने इजरायल के खिलाफ मोर्चा खोलने की चेतावनी दी है।

चीफ की मौत के लिए ईरान, इजरायल को दोषी मानता है। हालांकि, इजरायल ने इसकी जिम्मेदारी नहीं ली है। इजरायल ने भी कठोर शब्दों में ईरान को जबाव दे दिया है कि यदि उसने हमला किया तो नेतन्याहू की सेना भी चुप नहीं बैठेगी। इस बीच मिडिल-ईस्ट में बढ़ते क्षेत्रिय खतरों को भांपते हुए अमेरिका ने चेतावनी जारी करते हुए कहा कि आग से मत खेलो। अमेरिका का कहना है कि ईरान इजरायल पर हमला करता है तो इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

पेरिस ओलंपिक के हॉकी खिलाड़ियों पर पंजाब सरकार ने की धनवर्षा

आठ खिलाड़ियों को दिया एक-एक करोड़ का इनाम

चंडीगढ, 18 अगस्त (एजेंसियां)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने हाल ही में समाप्त हुए पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम के पंजाब के आठ खिलाड़ियों को एक-एक करोड़ रुपये और ओलंपिक खेलों में भाग लेने वाले 11 अन्य खिलाड़ियों को 15-15 लाख रुपये के चेक दिए। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक अवसर है, क्योंकि प्रदेश और देश का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 52 वर्षों के अंतराल के बाद भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया को हराकर बेहद खुशी हुई है। उन्होंने कहा कि टीम का पदक जीतना हर देशवासी के लिए सपने के साकार होने जैसा है। सबसे अच्छी बात यह है कि कप्तान हरमनप्रीत ने आगे बढ़कर टीम का नेतृत्व किया, जिससे टीम जीत की ओर अग्रसर हुई। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस नेतृत्व की क्षमता बेमिसाल थी, जिसके कारण टीम ने पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीता। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरमनप्रीत ने अकेले ओलंपिक में 10 गोल किए हैं और प्रदेश सरकार आज इन हीरों को सम्मानित कर रही है।

उन्होंने कहा कि आज पूरा देश इन खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देकर उनके कीर्तिमान की सराहना कर रहा है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि भारतीय हॉकी पुनरुत्थान के रास्ते पर है और पंजाब नवंबर महीने में हॉकी की चार विश्व स्तरीय टीमों के बीच लीग टूर्नामेंट आयोजित करने पर विचार कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार खेलों को प्रोत्साहित करने के लिए पूरी तत्परता से काम कर रही है और इसके लिए कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। उन्होंने कहा कि 'खेडा वतन पंजाब दीयां' का तीसरा संस्करण 28 अगस्त से शुरू होगा, जो प्रदेश में खेलों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रेरक के रूप में कार्य करेगा। भगवंत सिंह मान ने आगे कहा कि पंजाब सरकार प्रदेश में खेलों को प्रोत्साहित करने के लिए माहिलपुर क्षेत्र में फुटबॉल, संगरूर में बॉक्सिंग, जालंधर में हॉकी, लुधियाना में एथलेटिक्स और अन्य खेल क्लस्टरों का विकास करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पदक विजेता खिलाड़ियों को नकद इनाम और नौकरियों के अलावा प्रदेश सरकार पहले से दी गई नौकरियों में तरक्की देने की संभावना भी तलाशेगी। एक विशेष भूमिका निभाते हुए भगवंत सिंह मान ने ओलंपिक मैचों के दौरान मैदान में उनके अनुभवों के बारे में खिलाड़ियों से सवाल-जवाब भी किए।

हरमनप्रीत सिंह, जर्मनप्रीत सिंह और अन्य खिलाड़ियों के साथ बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री ने मैचों के दौरान खिलाड़ियों द्वारा दिखाई गई शानदार खेल भावना की सराहना की, जिसके कारण टीम ने शानदार जीत हासिल की। उन्होंने कहा कि इन खिलाड़ियों को नशे के खिलाफ प्रदेश की मुहिम के लिए ब्रांड एंबेसडर बनाया जाएगा, ताकि हमारे युवाओं को प्रेरणा मिल सके।

न्यूज ब्रीफ

मयंक की वापसी को लेकर अभी से कुछ नहीं कह सकते : जय शाह

मुम्बई। आईपीएल 2024 सत्र में अपनी तेज गेंदबाजी से सभी का ध्यान खींचने वाले तेज गेंदबाजी मयंक यादव अभी राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में अभ्यास कर रहे हैं। वहीं ये अटकलें भी लगायी जा रहीं हैं कि मयंक को बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सिरीज में अवसर मिल सकता है। दूसरी ओर बीसीसीआई सचिव जय शाह का कहना है कि मयंक को टी20 सीरीज में अवसर मिलेगा या नहीं। इसपर अभी से कुछ नहीं कहा जा सकता है। बीसीसीआई सचिव ने कहा, मैं अभी से मयंक की वापसी को लेकर कोई बात नहीं कह सकता। इसकी कोई गारंटी नहीं दे सकता है कि वह टीम में होगा या फिर नहीं पर ये सही है कि वो एक अच्छा गेंदबाज है। हमारी नजरें उसपर बनी हुई हैं। मयंक ने आईपीएल में लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाफ शानदार गेंदबाज की थी। उनकी 155 किमी की तूफानी रफ्तार से सभी हैरान थे। ये आईपीएल में अब तक की सबसे तेज गेंदबाजी है। मयंक यादव ने अपने पहले ही आईपीएल में 155 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी का रिकार्ड बनाया। वह इसी गति से लगातार गेंदबाजी करते रहे। मयंक आईपीएल इतिहास में पहले ऐसे गेंदबाज हैं जिनहें अपने शुरुआती दोनों मैचों में प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिला पर इसके बाद वह इस सफलता को बरकरार नहीं रख पाये। अपने तीसरे मैच में वह केवल एक ओवर ही गेंदबाजी कर सके और चोटिल होकर बाहर हो गये।

ऋषभ की टीम दिल्ली प्रीमियर लीग के शुरुआती मैच में हारी

नई दिल्ली। पुरानी दिल्ली 6 टीम को दिल्ली प्रीमियर लीग टी20 के पहले ही मैच में हार का सामना करना पड़ा है। इस मुकाबले में उसे दिल्ली सुपरस्टार्स ने 3 विकेट से हराया। इस मैच में पुरानी दिल्ली 6 के प्रमुख बल्लेबाज ऋषभ पंत भी बड़ी पारी नहीं खेल पाये। इस मैच में आयुष बडोनी की कप्तानी वाली दिल्ली सुपरस्टार्स ने पुरानी दिल्ली 6 की ओर से रखे गए 198 रनों के लक्ष्य को सात विकेट खोकर ही हासिल कर लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए प्रियांस आर्या और सार्थक राय ने पहले विकेट के लिए 87 रन की साझेदारी कर साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स टीम को शानदार शुरुआत दिलाई। प्रियांश ने 30 गेंदों पर 57 रन बनाए जबकि सार्थक राय ने 26 गेंदों पर 41 रन बनाये जबकि कप्तान आयुष बडोनी ने 29 गेंदों पर तेजी से 57 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 6 छक्के और एक चौका भी लगाया। पुरानी दिल्ली 6 की ओर से शिवम ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए. इससे पहले ऋषभ की पुरानी दिल्ली 6 टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 3 विकेट पर 197 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज अर्पित राणा ने 59 रन बनाये जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ ने 32 गेंदों पर 35 रन बनाये।

बांग्लादेश को पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज से पहले ही झटका , सलामी बल्लेबाज महमुदुल बाहर हुए

ढाका। बांग्लादेश को पाकिस्तान के खिलाफ सिरीज शुरु होने से पहले ही करारा झटक लगा है। उसके सलामी बल्लेबाज महमुदुल हसन आगामी दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए टीम से बाहर हो गये हैं। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने अभी तक महमुदुल की जगह किसे शामिल किया जाएगा इसकी घोषणा नहीं की है। बीसीबी के मुख्य चिकित्सक देवाशीष चौधरी ने कहा कि महमुदुल की दाहिनी कमर में चोट लगी है और इस कारण वह तीन सप्ताह तक टीम से बाहर रहेंगे। महमुदुल को ये चोट इस्लामाबाद में एक अभ्यास मैच में दौरान लगी। ये मैच शाहीन और बंगलादेश-ए टीम के लिए खेला था। इसमें उन्हें क्षेत्ररक्षण के दौरान चोट लग गई, जिसके कारण वह दूसरी पारी में बल्लेबाजी तक नहीं कर सके। महमुदुल ने पहली पारी में शाहीन के खिलाफ 65 रन बनाकर बनाये थे। बंगलादेश का मेजबान टीम के खिलाफ पहला टेस्ट मैच 21 अगस्त को रावलपिंडी में शुरू होगा जबकि दूसरा टेस्ट 30 अगस्त से कराची में को शुरू होगा। बांग्लादेश की टीम लाहौर में तीन दिवसीय अभ्यास सत्र के समापन के बाद टेस्ट के लिए रावलपिंडी पहुंचेगी।

आईसीसी ने अंडर19 महिला टी20 विश्व कप का कार्यक्रम घोषित किया

भारत समेत दुनिया की 16 टीमें लेंगी हिस्सा 18 जनवरी 2025 से शुरु होगा महासंग्राम

दुबई, 18 अगस्त (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अगले साल मलेशिया में होने वाले अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप 2025 के लिए कार्यक्रम घोषित कर दिया है। इस टूर्नामेंट में भारत सहित दुनिया भर की 16 टीमें भाग लेंगी। इस दौरान 41 मैच खेले जाएंगे। ये टूर्नामेंट 18 जनवरी से शुरु होगा और इसका खिताबी मुकाबला फरवरी में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट से पहले 13 से 16 जनवरी तक 16 अभ्यास मैच भी होंगे। यह महिला अंडर-19 विश्व कप का दूसरा संस्करण है। इसमें भारतीय टीम को ग्रुप ए में वेस्टइंडीज, श्रीलंका और मेजबान मलेशिया से होगा। भारतीय टीम अपना पहला मैच 19 जनवरी को वेस्टइंडीज से खेलेगी।

अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप के ग्रुप

ग्रुप ए - भारत (ए1), वेस्टइंडीज (ए2), श्रीलंका (ए3) और मलेशिया (ए4), **ग्रुप बी** - इंग्लैंड (बी1), पाकिस्तान (बी2), आयरलैंड (बी3) और यूएसए (बी4), **ग्रुप सी** - न्यूजीलैंड (सी1), दक्षिण अफ्रीका (सी2), अफ्रीका के क्वालीफायर (सी3) और समोआ (सी4), **ग्रुप डी** - ऑस्ट्रेलिया (डी1), बांग्लादेश (डी2), एशिया के क्वालीफायर (डी3) और स्कॉटलैंड (डी4)।

अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप का कार्यक्रम

18 जनवरी : ऑस्ट्रेलिया बनाम स्कॉटलैंड, यूकेएम वाईएसडी ओवल

18 जनवरी : इंग्लैंड बनाम आयरलैंड, जेसीए ओवल, जोहोर

18 जनवरी : समोआ बनाम अफ्रीका क्वालीफायर, सरवाक क्रिकेट ग्राउंड

18 जनवरी : बांग्लादेश बनाम एशिया क्वालीफायर, यूकेएम वाईएसडी ओवल

18 जनवरी : पाकिस्तान बनाम यूएसए, जेसीए ओवल, जोहोर

18 जनवरी : न्यूजीलैंड बनाम दक्षिण अफ्रीका, सरवाक क्रिकेट ग्राउंड

19 जनवरी : श्रीलंका बनाम मलेशिया, बेयूमास ओवल

19 जनवरी : भारत बनाम वेस्टइंडीज, बेयूमास ओवल

20 जनवरी : ऑस्ट्रेलिया बनाम बांग्लादेश, यूकेएम वाईएसडी ओवल

20जनवरी : आयरलैंड बनाम यूएसए, जेसीए ओवल, जोहोर

20 जनवरी : न्यूजीलैंड बनाम दक्षिण अफ्रीका क्वालीफायर, सरवाक क्रिकेट ग्राउंड

20 जनवरी : स्कॉटलैंड बनाम एशिया क्वालीफायर, यूकेएम वाईएसडी ओवल

20 जनवरी : इंग्लैंड बनाम पाकिस्तान, जेसीए ओवल, जोहोर

20 जनवरी : दक्षिण अफ्रीका बनाम समोआ, सरवाक क्रिकेट ग्राउंड

21 जनवरी : वेस्टइंडीज बनाम श्रीलंका, बेयूमास ओवल

21 जनवरी : भारत बनाम मलेशिया, बेयूमास ओवल

22 जनवरी : बांग्लादेश बनाम स्कॉटलैंड, यूकेएम वाईएसडी ओवल

22 जनवरी : इंग्लैंड बनाम यूएसए, जेसीए ओवल, जोहोर

22 जनवरी : न्यूज़ीलैंड बनाम समोआ, सरवाक क्रिकेट ग्राउंड

22 जनवरी : ऑस्ट्रेलिया बनाम एशिया क्वालीफायर, यूकेएम वाईएसडी ओवल

22 जनवरी : पाकिस्तान बनाम आयरलैंड, जेसीए ओवल, जोहोर

22 जनवरी : दक्षिण अफ्रीका बनाम अफ्रीका क्वालीफायर, सरवाक क्रिकेट ग्राउंड

23 जनवरी : मलेशिया बनाम वेस्टइंडीज, बेयूमास ओवल

23 जनवरी : भारत बनाम श्रीलंका, बेयूमास ओवल

24 जनवरी : बी4 बनाम सी4, जेसीए ओवल, जोहोर

24 जनवरी : ए4 बनाम डी4, जेसीए ओवल, जोहोर

25 जनवरी : सुपर सिक्स - बी2 बनाम सी3, यूकेएम वाईएसडी ओवल

25 जनवरी : सुपर सिक्स - बी1 बनाम सी2, सरवाक क्रिकेट ग्राउंड

25 जनवरी : सुपर सिक्स - ए3 बनाम डी1, यूकेएम वाईएसडी ओवल

25 जनवरी : सुपर सिक्स - सी1 बनाम बी3, सरवाक क्रिकेट ग्राउंड

26 जनवरी : सुपर सिक्स - ए2 बनाम डी3, बेयूमास ओवल

26 जनवरी : सुपर सिक्स - ए1 बनाम डी2, बेयूमास ओवल

27 जनवरी : सुपर सिक्स - बी1 बनाम सी3, सरवाक क्रिकेट ग्राउंड

28 जनवरी : सुपर सिक्स - ए3 बनाम डी2, बेयूमास ओवल

28 जनवरी : सुपर सिक्स - सी1 बनाम बी2, सरवाक क्रिकेट ग्राउंड

28 जनवरी : सुपर सिक्स - ए1 बनाम डी3, बेयूमास ओवल

29 जनवरी : सुपर सिक्स - सी2 बनाम बी3, यूकेएम वाईएसडी ओवल

29 जनवरी : सुपर सिक्स - ए2 बनाम डी1, यूकेएम वाईएसडी ओवल

31 जनवरी : सेमीफाइनल 1, बेयूमास ओवल

31 जनवरी : सेमीफाइनल 2, बेयूमास ओवल

2 फरवरी : फाइनल, बेयूमास ओवल में खेला जाएगा।

द हंड्रेड क्रिकेट टूर्नामेंट

फीनिक्स बाहर हुई, सदर्न ब्रेव फाइनल में पहुंची

लंदन, 18 अगस्त (एजेंसियां)। बर्मिंघम फीनिक्स टीम द हंड्रेड क्रिकेट टूर्नामेंट से बाहर हो गयी है। उसे टूर्नामेंट के एलिमिनेटर मुकाबले में सदर्न ब्रेव ने हराया। इस मैच में बर्मिंघम की टीम को सुपर-5 (सुपर ओवर) में हार का सामना करना पड़ा। अब फाइनल में सदर्न ब्रेव का मुकाबला ओवल इनविंसिबल्स से होगा। बर्मिंघम फीनिक्स को मैच की अंतिम 5 गेंद में जीत के लिए 11 रन चाहिए थे। तब अकील हुसैन की नो बॉल पर लियाम लिविंगस्टोन ने छक्का लगा दिया।

ऐसे में 5 गेंद पर टीम को जीत के लिए 3 रन चाहिए थे। एक गेंद पर खेल नहीं पाने के बाद लिविंगस्टोन पेवेलियन लौट गए। अकील ने इसके बाद एक और डॉट गेंद फेंकी। आखिरी दो गेंद पर फीनिक्स के बल्लेबाज दो रन ही बना पाए। इस तरह मैच टाई रहा। इसके बाद सुपर-5 से विजेता का फैसला हुआ। इसमें दोनो ही टीमों को पांच पांच गेंद खेलने का अवसर मिला।

सदर्न ब्रेव के लिए जोफ्रा आर्चर ने सुपर ओवर में गेंदबाजी की। पहली गेंद पर उन्होंने लिविंगस्टोन को आउट कर दिया। लेकिन दूसरी पर जैकब बेथेल ने चौका मार दिया। इसके बाद तीन गेंद पर आर्चर ने तीन ही रन दिए। उनकी टीम को जीत के लिए 8 रनों का लक्ष्य मिला। वहीं फीनिक्स की ओर से एडम मिल्ने ने गेंदबाजी की। ब्रेव की ओर से पोलार्ड के साथ क्रिस जॉर्डन बल्लेबाजी के लिए उतरे। पोलार्ड ने पहली गेंद पर एक रन लिया। इसके बाद जॉर्डन ने चौका लगाया। तीसरी गेंद पर दो रन लेने के बाद उन्होंने एक और चौका लगाकर अपनी टीम को फाइनल तक पहुंचाया। इससे पहले सदर्न ब्रेव की टीम ने कप्तान जेम्स विंस के 43 रनों से 6 विकेट पर 126 रन बनाए थे।

स्मिथ को इस बार आईपीएल में अवसर मिलने की उम्मीद

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) में अपने अच्छे प्रदर्शन से खुश हैं और उन्हें उम्मीद है कि इस आधार पर उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अगले सत्र में अवसर मिल सकता है। स्मिथ को टी20 विश्व कप के बाद स्कॉटलैंड एवं इंग्लैंड के आगामी दौरे के लिए शामिल नहीं किया गया था।

डीडीसीए ने ऋषभ सहित चार क्रिकेटरों को सम्मानित किया

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली क्रिकेट एसोसिएशन (डीडीसीए) ने दिल्ली प्रीमियर लीग टी20 का पहला सत्र शुरु होने पर विराट कोहली के साथ ही विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के अलावा शिखर धवन और ईशांत शर्मा को सम्मानित किया।

डीडीसीए ने इन चारों खिलाड़ियों को इनाम के तौर पर चेक दिए। विराट इस समारोह में शामिल नहीं हो पाये। लीग के पहले मैच में ऋषभ पंत ने अपनी टीम पुरानी दिल्ली 6 की ओर से खेलते हुए साउथ दिल्ली सुपरस्टार के खिलाफ 31 गेंदों में 35 रन बनाए।

इस मैच के बाद ऋषभ ने कहा, मैं दिल्ली प्रीमियर लीग में खेलकर बहुत उत्साहित हूं। मुझे लगता है कि यह लीग उन खिलाड़ियों के लिए बहुत बड़ा अवसर है, जिन्हें आईपीएल में खेलने का अवसर नहीं मिलता है।

साथ ही कहा कि इससे युवाओं को एक मंच मिला है। ऐसे में मुझे उम्मीद है कि युवा खिलाड़ी इस टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। इस टूर्नामेंट में कुल छह टीमें खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी।

आईपीएल टीम पंजाब किंग्स के मालिकों में हिस्सेदारी को लेकर विवाद जारी

मुम्बई। आईपीएल फ्रेंचाइजी पंजाब किंग्स के मालिकों में हिस्सेदारी के बंटवारे को लेकर विवाद जारी है। पंजाब किंग्स की टीम में कुल चार शेयर धारक हैं। प्रीति जिंटा , नेस वाडिया, मोहित बर्मन और करण पॉल हैं। ऐसे में मामला और उलझा हुआ है। इस मामले में एक हिस्सेदार प्रीति जिंटा ने तो अदालत का तक रुख तक किया है। प्रीति जिंटा के पास केपीएच ड्रीम क्रिकेट प्राइवेट लिमिटेड के जरिये पंजाब किंग्स फ्रैंचाइजी में 23 फीसदी हिस्सेदारी है। वहीं मोहित डाबर इंडिया के चेयरपर्सन हैं। मोहित बर्मन पंजाब किंग्स में सबसे बड़े शेयर धारक हैं। उनके पास पंजाब किंग्स की 48 फीसदी की हिस्सेदारी है, जबकि प्रीति जिंटा और नेस वाडिया के पास 23-23 फीसदी हिस्सेदारी है। इसके बाद का हिस्सा करण पॉल के पास है। टीम में सबसे बड़ी हिस्सेदारी रखने वाले मोहित टीम में अपने शेयरों का एक हिस्सा किसी अन्य को बेचना चाह रहे हैं।

टेस्ट क्रिकेट के 150 साल पूरे होने पर 2027 में ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड के बीच खेला जाएगा टेस्ट मैच

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां) टेस्ट क्रिकेट के 150 साल पूरा होने का जश्न मनाने के लिए ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड की टीमें एक टेस्ट मैच खेलेंगी। यह स्टैंडअलोन सेलिब्रेशन मैच वर्ष 2027 में ऐतिहासिक मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर खेला जाएगा।

क्रिकेट के इतिहास में पहला टेस्ट मुकाबला मार्च 1877 में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच ही खेला गया था। यह मुकाबला भी मेलबर्न के मैदान पर खेला गया था। पहले टेस्ट मैच को ऑस्ट्रेलिया ने 45 रन से जीता था। साल 2027 में टेस्ट क्रिकेट के 150 साल पूरे हो रहे हैं। ऐसे में इस खास अवसर पर ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड की टीमें मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर स्टैंडअलोन सेलिब्रेशन मैच खेलेंगी। टेस्ट क्रिकेट की 150वीं वर्षगांठ मनाने के लिए ये ऐलान किया गया है।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने अगले सात ग्रीष्मकाल (2024-25 से 2030-31 तक) के लिए पुरुषों के अंतरराष्ट्रीय टेस्ट, वनडे, टी20 और अन्य मैचों की मेजबानी के अधिकारों के आवंटन की भी घोषणा की है।

आईसीसी के अनुसार ये व्यवस्थाएं सीए और राज्य एवं क्षेत्रीय सरकारों के बीच रणनीतिक साझेदारी की श्रृंखला का हिस्सा हैं, जो प्रशंसकों और समुदायों के लिए अधिक निश्चितता प्रदान करने के साथ-साथ देशभर में क्रिकेट आयोजनों का विस्तार करने के लिए तैयार की गई हैं। इस व्यवस्था के तहत, एमसीजी वार्षिक बॉक्सिंग डे टेस्ट की मेजबानी की अपनी परंपरा को बनाए रखेगा, जबकि सिडनी क्रिकेट ग्राउंड नए साल के मैच का आयोजन जारी रखेगा। एडिलेड ओवल 2025/26 सीजन से शुरू होने वाले हर दिसंबर में क्रिसमस टेस्ट की मेज़बानी करेगा, जिसमें डे-नाइट और डे टेस्ट का मिश्रण होगा। इस बीच, पर्थ स्टेडियम ने 2026/27 सीजन तक गर्मियों के पहले पुरुष टेस्ट की मेज़बानी करने के अधिकार सुरक्षित कर लिए हैं। सीए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी निक हॉकले ने एक बयान में कहा कि हमें दीर्घकालिक मेजबानी अधिकारों की पुष्टि करते हुए खुशी हो रही है, जो अगले सात वर्षों में कुछ शानदार क्रिकेट मैचों के स्थानों के बारे में निश्चितता प्रदान करते हैं।

हमें विश्वास है कि यह कार्यक्रम सुनिश्चित करेगा कि देश भर में सही समय पर सर्वश्रेष्ठ स्थानों पर सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेला जाएगा, जिसमें प्रतिष्ठित टेस्ट मैचों का शानदार मिश्रण, वेस्ट टेस्ट और क्रिसमस टेस्ट जैसे नए ब्लॉकबस्टर और रोमांचक दिन-रात के मैच शामिल हैं। मार्च 2027 में एमसीजी में टेस्ट फॉर्मेट की 150वीं वर्षगांठ मनाने का मैच अद्भुत उत्सव होगा और हम उस अवसर पर इंग्लैंड की मेजबानी करने का इंतजार नहीं कर सकते।

रबाडा-केशव की घातक गेंदबाजी से दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज को हराया, सीरीज भी 1-0 से जीती

गयाना, 18 अगस्त (एजेंसियां)। कासिगो रबाडा और केशव महजाराज के शानदार प्रदर्शन से दक्षिण अफ्रीका ने मेजबान वेस्टइंडीज को दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में 40 रनों से हराकर दो टेस्ट मैचों की सीरीज 1-0 से जीत ली है। इस मैच में जीत के लिए मिले 263 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए मेजबान टीम अपनी दूसरी पारी में 222 रनों पर ही आउट हो गयी। स्पिनर केशव और तेज गेंदबाज रबाडा ने तीन-तीन विकेट लिए।

वहीं वेस्टइंडीज की ओर से गुडाकेश मोती ने 45 रन बनाये पर वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये। इससे पहले तीसरे दिन सुबह मेहमान टीम अपनी दूसरी पारी में पांच विकेट पर 223 रनों से आगे खेलते हुए 23 रन और जोड़कर 246 रनों पर आउट हो गयी। इसके बाद मेजबान टीम को जीत के लिए 263 रन का लक्ष्य मिला। लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की

शुरुआत खराब रही। कगिसो रबाडा ने सलामी बल्लेबाज लुइस को 4 रनों पर ही पेवेलियन भेज दिया। इसके बाद कप्तान क्रेग ब्रैथवेट ने स्कोर को आगे बढ़ाया पर वह भी 25 रनों पर ही आउट हो गये। मेजबान टीम ने इसके बाद लगातार विकेट खोये। ऐसे में जोशुआ दा सिल्वा 27 और मोती 45 ने सातवें विकेट के लिए 77 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी करके अपनी टीम को आगे बढ़ाने का प्रया स किया लेकिन केशव महाराज ने दोनों बल्लेबाजों को पेवेलियन भेजकर अपनी टीम को जीत के करीब पहुंचा दिया।

केशव महाराज दक्षिण अफ्रीका की ओर से सबसे अधिक विकेट लेने वाले स्पिनर बने, टेफील्ड का 64 साल पुराना रिकार्ड तोड़ा

दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज ने मेजबान वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में अपनी टीम को जीत दिलाने के साथ ही एक अहम रिकार्ड भी अपने नाम किया है। केशव ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 मैचों की इस सीरीज में कुल 13 विकेट लिए। इसी के साथ ही केशव अपने देश के लिए टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले स्पिनर बन गए हैं। केशव ने इसी के साथ ही दिग्गज ह्यूग टेफील्ड का 64 साल पुराना रिकार्ड भी तोड़ दिया। दक्षिण अफ्रीका के लिए टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले स्पिनरों में अब केशव 171 विकेट के साथ ही नंबर एक पर पहुंच गये हहैं। उन्होंने यह विकेट 52 मैचों में 30.78 के औसत और 58.9 के स्ट्राइक रेट के साथ लिए हैं। वहीं 1949 से 1960 तक दक्षिण अफ्रीका की ओर से खेलने वाले ह्यूग टेफील्ड ने अपने टेस्ट करियर में 170 विकेट लिए हैं। इस प्रकार छह दशक के बाद उनका रिकार्ड टूटा है। वहीं सबसे अधिक विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज पॉल एडम्स हैं एडम्स के नाम 134 विकेट हैं।

महाराष्ट्र की सांगली मंडी में नये सोयाबीन की आवक के बीच सोयाबीन तिलहन टूटा

नई दिल्ली,18 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के सांगली मंडी में खरीफ सोयाबीन के नये फसल की आवक शुरु होने के दौरान देश के खाद्य तेल-तिलहन बाजार में शनिवार को सोयाबीन तिलहन के दाम में गिरावट के साथ बंद हुए। शिकागो एक्सचेंज में शुक्रवार रात लगभग दो प्रतिशत के सुधार के बीच यहां सरसों तेल तिलहन, सोयाबीन तेल, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल के दाम सुधार के साथ बंद हुए। सूत्रों ने कहा कि सहकारी संस्था नाफेड अलग अलग राज्यों में तेल मात्रा की प्रतिशत के हिसाब से सरसों तिलहन की बिक्री 5,150 से 5,550 रुपये प्रति क्विंटल के भाव पर कर रही है। हालांकि सरसों के नये एमएसपी के हिसाब से सरसों के दोनों भाव एमएसपी से कम ही हैं।

इसके अलावा प्रति क्विंटल सरसों के लिए लगभग 150 रुपये का बारदाना मुफ्त दिया जा रहा है। सूत्रों ने कहा कि मौजूदा समय में आयातित तेलों के थोक दाम बेहद सस्ते हैं। तेल तिलहन की महंगाई की चिंता करने वाले समीक्षकों व संबद्ध अधिकारियों को इस सुनहरे वक्त का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाने का इंतजाम करना चाहिये।

तेल-तिलहनों के भाव इस प्रकार रहे- सरसों तिलहन 5,925-5,965 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली 6,425-6,700 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) 15,350 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली रिफाइंड तेल 2,290-2,590 रुपये प्रति टिन, सरसों तेल दादरी 11,600 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की घानी 1,875-1,975 रुपये प्रति टिन, सरसों कच्ची घानी 1,875-2,000 रुपये प्रति टिन, तिल तेल मिल डिलिवरी 18,900-21,000 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली 10,100 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर 9,775 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल डीगम, कांडला 8,350 रुपये प्रति क्विंटल, सीपीओ एक्स-कांडला 8,750 रुपये प्रति क्विंटल, बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा) 9,575 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलिन आरबीडी, दिल्ली 9,925 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलिन एक्स कांडला- 9025 रुपये (बिना जीएसटी के) प्रति क्विंटल, सोयाबीन दाना 4,300-4,330 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन लूज 4,110-4,235 रुपये प्रति क्विंटल और मक्का खल (सरिस्का) 4,150 रुपये प्रति क्विंटल।

न्यूज़ ब्रीफ

आईआईए सचिव ने उद्योगों की समस्याओं को मुख्य सचिव के समक्ष रखा

बिजनौर। बरेली में उत्तर प्रदेश प्लाईवुड एसोसिएशन द्वारा मुरादाबाद व बरेली मंडल के उद्योगों निर्यातकों व किसानों के सम्बंध में आयोजित संवाद एवं समाधानों कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह के समक्ष कार्यक्रम संयोजक व बिजनौर के उद्यमी आईआईए के डिवीजनल चेयरमैन विकास अग्रवाल द्वारा जनपद बिजनौर के उद्योगों की समस्याओं को प्रमुखता के साथ रखा तथा जनपद बिजनौर में बड़े इंडस्ट्रियल एरिया की स्थापना, गुड़ क्रेशर इकाइयों की मंडी समिति व प्रदूषण विभाग की समस्याओं, सरकारी निर्माणों में फ्लाई ऐश ब्रिक के उपयोग, नगीना काष्ठ कला, अमानगढ़ टाइगर रिज़र्व में पर्यटन इकाइयों की स्थापना एवं ईंट भट्ठों में जेसीबी के उपयोग के नाम पर स्थानीय प्रशासन द्वारा किये जा रहे शोषण आदि समस्याओं के निराकरण की मांग की। मुख्य सचिव द्वारा अनेक समस्याओं का निराकरण मंच से ही किया गया। इस अवसर पर सचिव वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय आशीष तिवारी, प्रदेश के कई उच्च अधिकारियों सहित बरेली कमिश्नर एवं आईआईए के वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिनेश गोयल व अन्य अधिकारियों एवं आईआईए बिजनौर चैप्टर चेयरमैन अवनीश अग्रवाल सचिव दीपक अग्रवाल, अंशुल सिंघल, भट्ठा उद्योग से राजीव गोयल गुड़ क्रेशर उद्योग से अरुण अग्रवाल आशेन्द्र सिंघल सुरेश गुप्ता, प्लाई वुड उद्योग से रामदर्शन अग्रवाल देवेंद्र कुमार आदि उद्यमियों की भी उपस्थिति रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता कार्यक्रम के आयोजक व उत्तर प्रदेश प्लाईवुड एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक अग्रवाल ने की।

घरेलू शेयर बाजार पर विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की बिकवाली का दबाव

शेयर बाजार से विदेशी निवेशकों ने अभी तक 21,101 करोड़ निकाले

नई दिल्ली,18 अगस्त (एजेंसियां)। अगस्त के महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने घरेलू शेयर बाजार में लगातार बिकवाली का दबाव बनाए रखने की कोशिश की है, जिसकी वजह से सेंसेक्स में ऊपरी स्तर से करीब 1,700 अंक और निफ्टी में ऊपरी स्तर से करीब 540 अंक तक की गिरावट आ चुकी है। माना जा रहा है कि वैश्विक स्तर पर बढ़ते जियो पोलिटिकल टेंशन और जापान की मुद्रा येन में %कैरी ट्रेड% के बंद होने से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक इस महीने शुद्ध बिकवाल की भूमिका में आ गए हैं।

अगस्त में अभी तक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने घरेलू शेयर बाजार में 21,101 करोड़ रुपये के शेयरों की बिक्री की है। जानकारों का कहना है कि जापान की मुद्रा येन में कैरी ट्रेड बंद होने से विदेशी निवेशकों ने अपना पैसा निकालना शुरू कर दिया है। कैरी ट्रेड का मतलब कम ब्याज दर वाले देश से पैसा निकाल कर दूसरे देश के एसेट्स में निवेश करना होता है। बैंक ऑफ जापान ने हाल में ही ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है, जिसकी वजह से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने जापान में अपना निवेश बढ़ाने के लिए भारत समेत दूसरे स्टॉक मार्केट से पूंजी की निकासी शुरू कर दी है।

विदेशी निवेशक तय करेंगे शेयर बाजार की चाल - विश्लेषक

मुंबई। इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजार की चाल वैश्विक रुख और विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियों से तय होगी। कंपनियों के वित्तीय परिणाम जारी हो चुके हैं, ऐसे में इन दोनों की भूमिका महत्वपूर्ण है। यह बात विशेषज्ञों ने कही है। इस सप्ताह जारी होने वाले अमेरिकी फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक के ब्योरे पर निवेशकों की नजर होगी। बाजार के विश्लेषकों ने कहा कि चूंकि कंपनियों के वित्तीय परिणाम आ चुके हैं, ऐसे में इस सप्ताह, वृहद आर्थिक मोर्चों पर ऐसी कोई महत्वपूर्ण गतिविधियां नहीं हैं, जिससे निवेशक संकेत लें। हालांकि, वैश्विक स्तर पर आर्थिक आंकड़े महत्वपूर्ण होंगे।

शेयर बाजार के एक्सपर्ट्स का मानना है कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक जून और जुलाई के महीने में नेट बायर की भूमिका निभा रहे थे, जिसकी वजह से शेयर बाजार की चाल में लगातार तेजी बनी हुई थी। जून के महीने में विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में 26,565 करोड़ रुपये की खरीदारी की थी। इसी तरह जुलाई के महीने में भी विदेशी निवेशकों ने 32,365 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था। इन दो महीनों की तेजी के बाद अब विदेशी निवेशक मुनाफा वसूली करके अपना पैसा निकालने में जुट गए हैं, जिसका असर घरेलू शेयर बाजार की चाल पर भी पड़ा है। इसके अलावा शेयर बाजार के हाई वैल्यूएशन और कंपनियों के तिमाही नतीजों की वजह से भी विदेशी निवेशक बिकवाली कर रहे हैं। इस बार के बजट में इक्विटी इन्वेस्टमेंट पर कैपिटल गैन टैक्स में बढ़ोतरी करने का प्रावधान शामिल करने की वजह से भी विदेशी निवेशकों ने घरेलू शेयर बाजार में बिकवाली का दबाव बढ़ा दिया है।

शेयर मार्केट एनालिस्ट प्रकाश गाबा का मानना है कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने जिस तरह से बिकवाली का दबाव बनाने की कोशिश की है, उसकी वजह से घरेलू शेयर बाजार में बड़ी गिरावट भी आ सकती थी लेकिन घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने आक्रामक लिवाली करके इस खतरे को टाल दिया। विदेशी निवेशकों की बिकवाली के कारण शेयर बाजार में कुछ गिरावट तो जरूर आई लेकिन डीआईआई के एक्टिव होकर लिवाली करने से छोटे निवेशक बड़े नुकसान से बच गए।

प्रकाश बाबा के मुताबिक घरेलू घरेलू संस्थागत निवेशकों द्वारा प्रतिकूल परिस्थितियों में मजबूती से खरीदारी करने का ट्रेंड पिछले दो-तीन सालों के दौरान काफी तेजी से बढ़ा है, जिसकी वजह से अब घरेलू शेयर बाजार को विदेशी निवेशक अपनी मर्जी के मुताबिक उठा या गिरा नहीं सकते हैं। विदेशी निवेशक जब भी भारतीय स्टॉक मार्केट में बिकवाली का दबाव बनाने की कोशिश करते हैं, तब घरेलू संस्थागत निवेशक आक्रामक अंदाज में खरीदारी शुरू कर देते हैं, जिससे बाजार आमतौर पर बड़ी गिरावट से बच जाता है। ऐसा होने से खुदरा निवेशक भी बड़े नुकसान का सामना करने से बच जाते हैं। घरेलू संस्थागत निवेशकों की ये मजबूती देश की अर्थव्यवस्था में लगातार आ रही तेजी को भी दर्शाता है।

एफपीआई ने अगस्त में अब तक 21,201 करोड़ के शेयर बेचे

नई दिल्ली,18 अगस्त (एजेंसियां)। विदेशी निवेशकों ने अगस्त में भारतीय शेयर बाजारों में अब तक कुल 21,101 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे। इसकी वजह येन मुद्रा में कैरी ट्रेड यानी निम्न ब्याज दर वाले वाले देश से कर्ज लेकर दूसरे देश की परिसंपत्तियों में निवेश का बंद होना, अमेरिका में मंदी की आशंका और वैश्विक स्तर पर बढ़ता तनाव है।

डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार एफआईआई ने जुलाई में 32,365 करोड़ रुपये और जून में 26,565 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे थे। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने आर्थिक वृद्धि निरंतर बने रहने, सुधार जारी रहने, कंपनियों के तिमाही परिणाम उम्मीद से बेहतर रहने और राजनीतिक स्तर पर स्थिरता की उम्मीद में इन दो महीनों में निवेश किये। इससे पहले एफपीआई ने लोकसभा चुनावों के दौरान मई में 25,586 करोड़ रुपये और मॉरीशस के साथ भारत के कर समझौते में बदलाव तथा अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में लगातार वृद्धि पर चिंताओं के बीच अप्रैल में 8,700 करोड़ रुपये से अधिक की निकासी की थी।

आंकड़ों के मुताबिक एफपीआई ने इस महीने 1-17 अगस्त तक शेयर बाजार से 21,201 करोड़ रुपये की पूंजी निकासी की है। एफपीआई ने इस साल अब तक इक्विटी शेयर में 14,364 करोड़ रुपये का निवेश किया है। अगस्त में एफपीआई की निकासी का मुख्य कारण वैश्विक और घरेलू कारक हैं। बाजार के जानकार कहते हैं कि वैश्विक स्तर पर, येन कैरी ट्रेड के समाप्त होने, वैश्विक मंदी की आशंका, धीमी आर्थिक वृद्धि और वैश्विक स्तर पर जारी संघर्षों को लेकर चिंताओं के कारण बाजार में अस्थिरता और जोखिम से बचने का रुख बना है। बैंक ऑफ जापान ने मुख्य ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत तक की वृद्धि की है। इसके बाद में येन कैरी ट्रेड के समाप्त होने से पूंजी निकासी शुरू हुई। घरेलू स्तर पर जून और जुलाई में शुद्ध लिवाल होने के बाद कुछ एफपीआई ने पिछली तिमाहियों में मजबूत तेजी के बाद मुनाफा वसूली का विकल्प चुना होगा।

इसके अलावा कंपनियों के तिमाही परिणाम मिले-जुले होने तथा अपेक्षाकृत उच्च मूल्यांकन ने भारतीय शेयर बाजार को कम आकर्षक बना दिया है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

शांतिपूर्ण...

नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला चुनाव लड़ेंगे या पार्टी उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला विधानसभा चुनाव लड़ेंगे, इस बात को लेकर जम्मू कश्मीर के राजनीतिक गलियारे में सवाल पूछे जा रहे हैं। फारूक अब्दुल्ला ने मीडिया के समक्ष कहा था कि वे चुनाव लड़ेंगे, लेकिन जम्मू कश्मीर के राज्य का दर्जा बहाल होते ही वे इस्तीफा दे देंगे। उसके बाद उमर अब्दुल्ला कमान संभालेंगे। फारूक अब्दुल्ला की परस्पर विरोधी बातें जम्मू कश्मीर के लोगों को हजम नहीं हो रहीं। लोगों को उमर अब्दुल्ला की मीडिया से हुई वह बातचीत याद है, जिसमें उन्होंने कहा था, मैं विधानसभा चुनाव नहीं लड़ना चाहता हूं। चुनाव लड़ने के लिए पार्टी के साथियों का मुझ पर दबाव जरूर है। उमर ने यह भी कहा था कि फारूक साहब की तबीयत ठीक नहीं रहती है। बहरहाल, स्थितियां अभी अधर में ही हैं। फारूक अब्दुल्ला ने बार बार कहा है, मैं किसी भी चुनावी गठबंधन के खिलाफ हूं। मैं चाहता हूं कि नेशनल कॉन्फ्रेंस अपने दम पर चुनाव लड़े। इन चुनावी चर्चाओं और सरगर्मियों से अलग केंद्रीय गृह मंत्रालय ने जम्मू कश्मीर में 10 साल बाद तीन चरणों में होने जा रहे विधानसभा चुनाव के लिए सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त के आदेश दिए हैं। प्रदेश में स्वतंत्र, निष्पक्ष और सुरक्षित चुनाव पूरा करने के लिए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के एक लाख से अधिक जवानों को तैनात किया जा रहा है। जम्मू कश्मीर में 18 सितंबर, 25 सितंबर और एक अक्टूबर को विधानसभा के लिए मतदान होंगे। मतगणना चार अक्टूबर को होगी। चुनाव आयोग ने भरोसा दिलाया है कि सभी उम्मीदवारों को पर्याप्त सुरक्षा मिलेगी। चुनावी प्रक्रिया शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न होगी। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण चुनाव कराने के लिए विशेष रणनीति बनाई है। जम्मू कश्मीर में मौजूद आतंकी, चुनाव में बाधा पहुंचाने का प्रयास कर सकते हैं, इसके मद्देनजर प्रदेश में केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की 1000 कंपनियां तैनात की जा रही हैं।गृह मंत्रालय ने केंद्रीय बलों की तैनाती के बारे में 18 अगस्त को आदेश जारी कर दिया। आदेश के मुताबिक राज्य में केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की 465 अतिरिक्त कंपनियों की तैनाती होगी। इसमें 315 कंपनियां बाहर से आएंगी। बाकी 150 कंपनियां ऐसी हैं, जो जम्मू कश्मीर में पहले से तैनात हैं। बाहर से आने वाली 315 कंपनियों में से जम्मू क्षेत्र के लिए सीआरपीएफ की 55, बीएसएफ की 60, सीआईएसएफ की 50, आईटीबीपी की 50, एसएसबी की 70 और आरपीएफ की 30 कंपनियां तैनात की जाएंगी। कश्मीर जोन में कुल मिलाकर सीएपीएफ की 512 कंपनियां लगाई जाएंगी। जम्मू के लिए 488 कंपनियों को तैनात किया जाएगा। यानी जम्मू कश्मीर में शांतिपूर्ण तरीके से विधानसभा चुनाव संपन्न कराने के लिए केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की 1000 कंपनियां तैनात होंगी।

मुख्य न्यायाधीश...

पूरा विभाग इसमें शामिल है। श्मशान घाट पर तीन शव थे, लेकिन हमारी बेटी का शव पहले जला दिया गया। मुख्यमंत्री न्याय दिलाने की बात कर रही हैं, लेकिन फिर न्याय मांगने वाले आम लोगों को जेल में डालने की कोशिश की जा रही है। हम मुख्यमंत्री से संतुष्ट नहीं हैं। हमने कोई भी मुआवजा लेने से इन्कार कर दिया है। कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में प्रशिक्षु महिला डॉक्टर से दुष्कर्म के बाद हत्या की घटना पर अब सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस में ही सिर फुटव्वल शुरू हो गया है। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राज्यसभा सदस्य सुखेंदु राय ने ने इस मामले में सीबीआई से कोलकाता के पुलिस कमिश्नर को हिरासत में लेकर पूछताछ करने की मांग की है। पूरे घटनाक्रम को लेकर तृणमूल कांग्रेस के अंदर ही घमासान मचा हुआ है। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सदस्य सुखेंदु शेखर राय ने शनिवार रात को सीबीआई से कोलकाता के पुलिस कमिश्नर (सीपी) विनीत गोयल और अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष को हिरासत में लेकर पूछताछ करने की मांग की है। उन्होंने मांग की कि सीबीआई को निष्पक्षता से काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हिरासत में लेकर पूछताछ इसलिए जरूरी है, ताकि पता चल सके कि महिला डॉक्टर से दुष्कर्म व हत्या के बाद उसकी आत्महत्या की कहानी किसने और क्यों फैलाई। जहां से शव मिला था, उस हॉल की दीवार क्यों गिराई गई। तीन दिन बाद खोजी कुत्ते का इस्तेमाल क्यों किया गया। ऐसे सैकड़ों सवाल हैं। बता दें कि राय ने इससे पहले आरजी कर की घटना के खिलाफ 14 अगस्त की रात में महिलाओं के राज्यव्यापी धरने व विरोध प्रदर्शन का भी खुलकर समर्थन किया था। महिलाओं के साथ एकजुटता व्यक्त करते हुए वह धरने में भी शामिल हुए थे। उन्होंने साफ कहा था कि चाहे कुछ भी हो जाए, इस भयावह घटना का सबको मिलकर विरोध करना होगा।टीएमसी नेता की मांग पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने कहा, अब टीएमसी के नेता और सदस्य भी स्वीकार करते हैं कि संदीप घोष और सीपी विनीत एक युवा डॉक्टर के भयावह दुष्कर्म और हत्या से कहीं न कहीं शामिल हैं। यह राज्य मशीनरी नए निचले स्तर पर पहुंच गई है। पार्टी के सदस्य ही अब अपनी सरकार पर सवाल उठा रहे हैं। केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने कहा, हम टीएमसी सांसद की मांग का समर्थन कर रहे हैं। हम यह भी मानते हैं कि आरजी कर मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल और कोलकाता पुलिस के आयुक्त विनीत गोयल के बीच साठगांठ है। विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में बहुत सारी अवैध गतिविधियां चल रही हैं। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में महिला डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या की घटना से बंगाल सरकार बैकफुट पर नजर आ रही है। कोलकाता की घटना को लेकर देशभर में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। यही वजह है कि बंगाल सरकार ने भी महिलाओं की सुरक्षा मजबूत करने के लिए कुछ दिशा निर्देश जारी करने की तैयारी की हैं। इनके मुताबिक महिला सुरक्षा से जुड़ी एक मोबाइल एप लॉन्च की जाएगी। साथ ही सुरक्षाकर्मियों में महिलाओं की भी भर्ती की जाएगी और साथ ही संस्थानों को महिलाओं की रात की ड्यूटी न लगाने के लिए कहा जाएगा।कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में महिला चिकित्सक के दुष्कर्म और हत्या के मामले में न्याय की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे पश्चिम बंगाल के सरकारी अस्पतालों के जूनियर डॉक्टर की हड़ताल रविवार को भी जारी रही, जिससे राज्य में लगातार 10वें दिन स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हुईं। सरकारी अस्पतालों में रविवार को ओपीडी बंद रहने के कारण मरीजों की भीड़ कम रही, लेकिन वरिष्ठ चिकित्सकों ने आपातकालीन विभाग में सेवाएं जारी रखीं। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक महिला डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या के विरोध में तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता ने दार्जिलिंग में धरना दिया। कोलकाता के थिएटर कलाकारों ने भी आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में बलात्कार-हत्या की घटना के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में महिला चिकित्सक के दुष्कर्म और हत्या के मामले में न्याय की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे पश्चिम बंगाल के सरकारी अस्पतालों के जूनियर डॉक्टर की हड़ताल रविवार को भी जारी रही, जिससे राज्य में लगातार 10वें दिन स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हुईं। सरकारी अस्पतालों में रविवार को ओपीडी बंद रहने के कारण मरीजों की भीड़ कम रही, लेकिन वरिष्ठ चिकित्सकों ने आपातकालीन विभाग में सेवाएं जारी रखीं।

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में डॉक्टर की हत्या पर भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि घटना की जांच सीबीआई द्वारा की जा रही है और ये दिखाता है कि पश्चिम बंगाल सरकार मामले को दबाने की कोशिश कर रही है। आरोपी की गिरफ्तारी पर सीएम ने धरना प्रदर्शन किया। वह मुख्यमंत्री हैं, स्वास्थ्य मंत्री हैं और गृह मंत्री हैं तो सवाल ये उठता है कि वे किसके खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रही हैं। मुझे पूरी उम्मीद है कि सीबीआई आरोपियों को पकड़कर दोषियों को सख्त सजा दिलाएगी।इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिख कर इस मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की है। प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में आईएमए ने डॉक्टरों की सुरक्षा समेत कई मांगें रखी हैं। डॉक्टरों की सुरक्षा पर चिंता जाहिर करते हुए आईएमए ने कहा कि डॉक्टर, खासकर महिलाएं, अपने पेशे की प्रकृति के कारण हिंसा के प्रति अधिक संवेदनशील हैं।प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में आईएमए ने मांग की है कि महामारी रोग अधिनियम 1897 में 2020 के संशोधन को स्वास्थ्य सेवा कार्मिक और नैदानिक प्रतिष्ठान (हिंसा और संपत्ति क्षति प्रतिषेध विधेयक,2019) के मसौदे में शामिल करते हुए एक केंद्रीय कानून बनाया जाए। इससे मौजूदा 25 राज्यों के कानूनों को मजबूती मिलेगी। सभी अस्पतालों को सुरक्षा अधिकारों के साथ सुरक्षित क्षेत्र घोषित किया जाए। अस्पतालों के सुरक्षा प्रोटोकॉल हवाई अड्डे जैसे हों। सभी अस्पतालों में सीसीटीवी, सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की जाए। 36 घंटे की ड्यूटी शिफ्ट, सुरक्षित स्थानों की कमी, पर्याप्त आराम कक्षों की कमी, रेजिडेंट डॉक्टरों के कार्य स्थल और रहने की स्थितियों की गहराई से समीक्षा की जाए। अपराध की सावधानीपूर्वक और पेशेवर जांच एक समय सीमा में सुनिश्चित किया जाए, ताकि न्याय मिल सके और पीड़ित परिवार को अपराध की जघन्यता के अनुसार उपयुक्त और गरिमापूर्ण मुआ-वजा दिया जाए।आईएमए ने अपने पत्र में प्रधानमंत्री से कहा है कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने संबोधन में महिलाओं की सुरक्षा के बारे में आपकी टिप्पणियों की हम सराहना करते हैं। हम आपसे इस समय इस मामले में हस्तक्षेप करने की अपील करते हैं। इससे न केवल महिला डॉक्टरों बल्कि कार्यस्थल पर काम करने वाली हर महिला को आत्मविश्वास मिलेगा। भारतीय डॉक्टरों में 60 प्रतिशत महिलाएं हैं।

सीएए से ...

उन्होंने कहा कि यह सच है, कुछ राज्यों से अपेक्षित परिणाम नहीं मिले। हालांकि दूसरा पक्ष देखें तो हम ओडिशा में सरकार बनाने में सफल रहे। पूर्वोत्तर में हमारी शक्ति और बढ़ी।

सदस्यता अभियान का राष्ट्रीय संयोजक बनाने के अलावा विनोद तावड़े को राजस्थान, मध्य प्रदेश, गोवा, दमन दीव और दादर नगर हवेली का प्रभार सौंपा गया है। दुष्यंत गौतम को पश्चिम बंगाल, सिक्किम, त्रिपुरा और ओडिशा, रेखा वर्मा को दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, लद्दाख और चंडीगढ़, डी पुरंदेश्वरी को केरल, पुडुचेरी और तमिलनाडु, अरविंद मेनन को अंडमान निकोबार, आंध्र प्रदेश, लक्षद्वीप और तेलंगाना, राजदीप रॉय को अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम और नगालैंड, विजया राहटकर को छत्तीसगढ़, कर्नाटक की जिम्मेदारी दी गई है।

द्विपक्षीय संबंधों ...

भारत की पड़ोसी प्रथम नीति में नेपाल प्राथमिक भागीदार है। आगामी यात्रा दोनों पक्षों को द्विपक्षीय सहयोग में प्रगति पर चर्चा और समीक्षा करने का अवसर प्रदान करेगी।राणा नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा की पत्नी भी हैं। उनकी यात्रा बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक के बाद हो रही है। बैठक में विदेश, संचार और सूचना मंत्री के नेतृत्व वाले एक प्रतिनिधिमंडल के भारत-यात्रा कार्यक्रम का समर्थन किया गया था। देश की 1850 किमी से अधिक लंबी सीमा पांच भारतीय राज्यों सिक्किम, पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के साथ लगती है। भूमि से घिरा नेपाल वस्तुओं और सेवाओं के परिवहन के लिए भारत पर बहुत अधिक निर्भर है।

पूर्व सीएम चंपई...

पिछले तीन दिनों से इन विधायकों के भाजपा में शामिल होने की खबरें झारखंड की सियासत में सुर्खियां बटोर रही थीं। हालांकि, चंपई सोरेन ने इन खबरों को निराधार बताया था। वह बार-बार यही कहते रहे कि मैं जहां हूं, वहीं हूं। दिल्ली पहुंचे चंपई सोरेन ने पत्रकारों के सवालों क्र जवाब ने कहा कि मैं अपने निजी काम के लिए दिल्ली आया हूं। मेरे बच्चे यहां रहते हैं, उनसे मिलने आया हूं। इसलिए दिल्ली आना-जाना लगा रहता है। इसी वजह से आज भी दिल्ली आया हूं। दूसरी ओर चंपई सोरेन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स अपनी पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) का नाम हटा दिया है। वहीं, उनके पैतृक गांव स्थित घर से भी पार्टी का झंडा हटाया गया है। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और जेएमएम नेता चंपई सोरेन के भाजपा में शामिल होने की अटकलों पर शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा कि झारखंड सरकार को तोड़ने की कोशिश की जा रही है। इस बीच शनिवार की शाम झामुमो के पूर्व विधायक लोबिन हेंब्रम ने चंपई सोरेन से रांची स्थित आवास पर मुलाकात की। इसके कुछ ही देर बाद चंपई सोरेन अपने जमशेदपुर स्थित आवास के लिए रवाना हुए। लोबिन हेंब्रम कह चुके हैं कि वह भाजपा में शामिल होने जा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा था कि चंपई सोरेन की भी भाजपा के नेताओं से बात हुई है।

पैसे के दम पर...

हम तो चुनौती देकर कहते हैं कि आज चुनाव कराओ, कल झाड़ू-पोंछा मारकर इनको गुजरात भेजना होगा। चंपई सोरेन और बीजेपी पर निशाना साधते हुए उन्होंने आगे कहा, ये गुजरात, असम, महाराष्ट्र से लोगों को लाकर आदिवासी, दलित, पिछड़ा और अल्पसंख्यक के ऊपर जहर बोने और एक दूसरे से लड़ाने का काम करते हैं। समाज तो छोड़िए ये लोग घर फोड़ने और पार्टी तोड़ने का काम करते हैं। आये दिन कभी इस विधायक को खरीद लो, कभी उस विधायक को खरीद लो और पैसा ऐसी चीज है कि नेता लोगों को भी इधर-उधर जाने में देरी नहीं लगता है, खैर कोई बात नहीं, हमारा इंडिया गठबंधन की सरकार 2019 से लगातार जनता के बीच खड़ी है।

बांग्लादेश का...

अडाणी पावर का प्लांट झारखंड में है, जो 1,600 मेगावाट का है। इसने बांग्लादेश को अपना पूरा उत्पादन निर्यात करने के लिए कॉन्ट्रैक्ट किया था।कोलकाता स्थित पूर्वी क्षेत्रीय विद्युत समिति के पास उपलब्ध रिकॉर्ड के अनुसार एपीजेएल के गोड्डा प्लांट ने अप्रैल में बांग्लादेश को कम से कम 7,508 मिलियन यूनिट बिजली या कुल निर्यात 11,933.83 मिलियन यूनिट का 63 प्रतिशत हिस्सा निर्यात किया। संशोधित विनियमन विशेष रूप से पड़ोसी देश बांग्लादेश को बिजली की आपूर्ति करने वाली उत्पादन उपयोगिताओं से संबंधित है और बदलाव का उद्देश्य झारखंड के गोड्डा जिले में अडाणी की इकाई जैसे प्लांट्स को जोखिम से मुक्त करना है। इसमें कहा गया है कि भारत सरकार पूर्ण या आंशिक क्षमता की निरंतर गैर-अनुसूची के मामले में भारत के भीतर बिजली की बिक्री की सुविधा के लिए ऐसे उत्पादन स्टेशन को भारतीय ग्रिड से जोड़ने की अनुमति दे सकती है, यदि भुगतान में देरी हो रही है।

हालांकि अडाणी पावर ने कहा कि वह बांग्लादेश को बिजली की आपूर्ति करने के लिए प्रतिबद्ध है और बिजली निर्यात नियमों में हालिया संशोधन से उसके मौजूदा कॉन्ट्रैक्ट पर कोई खास असर नहीं पड़ेगा। वर्तमान में बांग्लादेश को बिजली निर्यात करने वाली चार कंपनियां हैं। एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम लिमिटेड, पीटीसी इंडिया लिमिटेड, सेम्बकॉर्प एनर्जी इंडिया लिमिटेड और अडाणी पावर बांग्लादेश को बिजली देती है। इनमें से अधिकांश बिजली निर्यात (90 प्रतिशत से अधिक) एक ही प्लांट से आता है। झारखंड के गोड्डा जिले के मोतिया गांव में स्थित कोयला आधारित प्लांट, जो अडाणी पावर (झारखंड) लिमिटेड (एपीजेएल) द्वारा संचालित है, वहीं से 90% बिजली का निर्यात होता है। बांग्लादेश ने एपीजेएल के गोड्डा प्लांट द्वारा उत्पादित 100 प्रतिशत बिजली खरीदने का कॉन्ट्रैक्ट किया था, जिसे मार्च 2019 में केंद्र द्वारा विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) घोषित किया गया था। यहां बिजली उत्पादन के लिए 100 प्रतिशत आयातित कोयले का उपयोग किया जाता है।

वाणिज्य विभाग के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार अप्रैल 2023 से मार्च 2024 तक भारत ने पड़ोसी देश बांग्लादेश को 1.03 अरब डॉलर की 11,933.83 मिलियन यूनिट की बिजली निर्यात की, जो 11.06 अरब डॉलर के कुल निर्यात का 9.3 प्रतिशत है। पिछले वित्तीय वर्ष में डीजल का निर्यात 829.59 मिलियन डॉलर (कुल निर्यात का 7.5 प्रतिशत) के साथ दूसरे स्थान पर रहा, जबकि कपास 595.81 मिलियन डॉलर (5.38 प्रतिशत) के साथ तीसरे स्थान पर रहा। अडाणी पावर का गोड्डा प्लांट दो साल पहले चालू हुआ और पिछले साल जून में पूरी तरह से चालू हो गया। 1,600 मेगावाट प्लांट (अप्रैल और जुलाई 2023 में चालू की गई दो 800 मेगावाट की सुपर-क्रिटिकल इकाइयों को मिलाकर) द्वारा उत्पादित सारी बिजली बांग्लादेश को भेजी जाती है। बांग्लादेश को बिजली निर्यात में एपीजेएल की महीने की हिस्सेदारी हाल के महीनों में बढ़ी है। इस साल जनवरी और फरवरी बांग्लादेश को निर्यात की जाने वाली कुल बिजली में गोड्डा प्लांट की हिस्सेदारी 90 प्रतिशत से अधिक थी।

रक्षाबंधन की रात दुर्लभ होगा आसमान का नजारा

घटने वाली है बड़ी खगोलीय घटना

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, इस साल रक्षाबंधन काफी शुभ होने वाला है, क्योंकि इस दिन एक दुर्लभ नजारा आसमान में देखने को मिलेगा। यह ज्योतिष शास्त्र में बहुत ही शुभ माना गया है। इतना ही नहीं, इस दिन कई संयोगों का निर्माण भी हो रहा है। इन खास संयोग के कारण कुछ राशि वालों की किस्मत भी चमकने वाली है। बता दें कि सावन पूर्णिमा यानी रक्षाबंधन का त्योहार इस बार 19 अगस्त को मनाया जाने वाला है। रक्षाबंधन के साथ ही सावन का महीना समाप्त हो जाएगा।

कब होता है ब्लू मून?

इस बार रक्षाबंधन की रात ब्लू मून का नजारा देखने को मिलेगा। इसका मतलब है कि जब चंद्रमा अपनी कक्षा में पृथ्वी के सबसे निकट बिंदु पर होता है, तो उसे सुपरमून कहा जाता है। इस स्थिति में चंद्रमा सामान्य पूर्णिमा की तुलना में 14% बड़ा और 30% अधिक चमकदार दिखाई देता है। जब 1 महीने में दो पूर्णिमा पड़ती है, तब दूसरी पूर्णिमा को ब्लू मून कहा जाता है।

क्या होता है ब्लू मून?

ऐसे में ब्लू मून का नाम सुनकर हमारे मन में सवाल आता है कि क्या ब्लू यानी नीले रंग का दिखाई देगा चंद्रमा? नहीं, दरअसल ब्लू मून की घटना में चंद्रमा का रंग नीला नहीं होता है। चंद्रमा इस दिन भी अपने प्राकृतिक रंग में होता है। बस इस दिन चंद्रमा बड़े आकार में होता है और ज्यादा चमकीला होता है, इसलिए घटना को ब्लू मून कहा जाता है। यह दुर्लभ घटना होती है। इसका नाम कैलेंडर के अनुसार रखा गया है।

कब दिखाई देगा ब्लू मून?

19 अगस्त रक्षाबंधन के दिन शाम के समय 6:56 पर चंद्रोदय होगा और अगले दिन की सुबह चंद्रास्त होगा। रात में 11:55 पर चंद्रमा अपने चरम पर होगा। इसी दिन चंद्र देव 6 बजकर 59 मिनट पर मकर राशि से निकलकर कुंभ राशि में प्रवेश करेंगे और इसी के बाद से कुछ राशि वालों की किस्मत चमक उठेगी।

काफी महत्वपूर्ण होगा यह रक्षाबंधन

रक्षाबंधन के दिन इस बार कई शुभ संयोग भी बनने जा रहे हैं।

इस साल रक्षाबंधन के दिन सावन का आखिरी सोमवार है।

इस दिन सावन की पूर्णिमा भी है। इस दिन शश राजयोग, बुधादित्य राजयोग, लक्ष्मी नारायण राजयोग, विष राजयोग, कुबेर योग जैसे अद्भुत संयोग बन रहे हैं।

रक्षाबंधन से 3 राशियों की बदलेगी फूटी किस्मत, धन-दौलत की होगी बरसात

वैदिक पंचांग के अनुसार, 19 अगस्त को रक्षाबंधन है। यह पर्व हर वर्ष सावन पूर्णिमा पर मनाया जाता है। इस दिन बहनें अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधती हैं। वहीं, भाई अपनी बहनों को गिफ्ट देते हैं। रक्षाबंधन के दिन मन के कारक चंद्र देव राशि परिवर्तन करेंगे। इससे पूर्व न्याय के देवता शनिदेव भी नक्षत्र चरण परिवर्तन करेंगे। शनिदेव के नक्षत्र परिवर्तन से 3 राशि के जातकों को विशेष लाभ होगा। साथ ही धन लाभ भी होगा।

शनि नक्षत्र परिवर्तन

ज्योतिषियों की मानें तो न्याय के देवता शनिदेव सावन पूर्णिमा तिथि से पहले 18 अगस्त की रात को 10 बजकर 03 मिनट पर नक्षत्र परिवर्तन करेंगे। शनिदेव वक्री चाल चलकर पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र के पहले चरण में गोचर करेंगे। इससे पूर्व शनिदेव पूर्वाभाद्रपद के द्वितीय चरण में विराजमान हैं। इस नक्षत्र में न्याय के देवता 02 अक्टूबर तक विराजमान रहेंगे।

वृषभ राशि

शनिदेव कर्मफल दाता हैं। अच्छे कर्म करने वाले को शुभ फल देते हैं। वर्तमान समय में शनिदेव कुंभ राशि में विराजमान हैं। इस राशि में शनिदेव 29 मार्च, 2025 तक रहेंगे। इसी दिन शनिदेव कुंभ राशि से निकलकर मीन राशि में गोचर करेंगे। कुंभ राशि में गोचर के दौरान शनिदेव की दृष्टि वृषभ राशि के कर्म भाव पर पड़ रही है। वर्तमान समय में देवगुरु बृहस्पति भी वृषभ राशि में विराजमान हैं। इसके लिए वृषभ राशि के जातकों को शनिदेव का आशीर्वाद प्राप्त होगा। शनिदेव के नक्षत्र चरण परिवर्तन से वृषभ राशि के जातकों को लाभ प्राप्त होगा। करियर और कारोबार को नया आयाम मिलेगा। साथ ही कार्य में आ रही सभी रुकावट दूर होगी।

तुला राशि

तुला राशि में शनिदेव उच्च के होते हैं। अतः तुला राशि के जातकों को हमेशा शुभ फल देते हैं। शनिदेव की कृपा से तुला राशि के जातक अल्प श्रम और समय में धनवान बन जाते हैं। इस राशि के जातकों पर शनिदेव की हमेशा कृपा बरसती है। अतः शनिदेव के नक्षत्र चरण परिवर्तन से तुला राशि के जातकों को लाभ होगा। सभी बिगड़े कार्य बन जाएंगे। किसी दोस्त या परिवार के सदस्यों से धन लाभ होगा। निवेश से भी फायदा होगा। रुका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। फ्यूचर की प्लानिंग कर सकते हैं। इसके लिए परिवार के सदस्यों से सलाह ले सकते हैं।

कुंभ राशि

पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र के तीनों चरणों में जन्म लेने वाले जातकों की राशि कुंभ होती है। अतः कुंभ राशि के जातकों पर शनिदेव की विशेष कृपा बरसेगी। वर्तमान समय में शनिदेव कुंभ राशि में ही विराजमान हैं। इसके चलते कुंभ राशि के जातकों पर साढ़े साती का दूसरा चरण चल रहा है। हालांकि, वर्तमान समय में शनिदेव के पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र में गोचर करने के चलते कुंभ राशि के जातकों को लाभ प्राप्त होगा। सभी बिगड़े काम बन जाएंगे। साथ ही धन लाभ के योग बनेंगे। अगर निवेश करने की प्लानिंग कर रहे हैं, तो 02 अक्टूबर तक समय अनुकूल है। कारोबार का भी विस्तार कर सकते हैं।

करियर को मिलेगा नया आयाम लेकिन इन बातों का रखना होगा ध्यान

सनातन धर्म में एंजल कॉलिंग को बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। इसके द्वारा जातक की लव लाइफ और करियर समेत कई बातों के बारे में पता लगाया जा सकता है। आइए जानते हैं अंक ज्योतिष और टैरो विशेषज्ञ पल्लवी एके शर्मा से सोमवार, 19 अगस्त 2024 के दिन किन बातों का ध्यान रखकर अपने दिन को बेहतर बना सकते हैं।

एंजल की मानें सलाह

अपनी ऊर्जा का इस्तेमाल कर कार्य योजनाओं को करने के लिए रणनीति तैयार करें।

आप इस बात का विशेष ध्यान रखें कि इंसान खुद ही अपने भाग्य के निर्माता है। इसलिए सतर्क रहें।

आज आपको सचेत रहने की आवश्यकता है। जिस काम को आप प्राप्त करना चाहते हैं, वह सरलता से प्राप्त होगा।

अपने गुरु के साथ-साथ अपने सबसे अच्छे दोस्त भी बनें।

जीवन में उत्पन्न नकारात्मकता से मुक्ति पाने के लिए गणपति बप्पा की पूजा करें।

न करें ये काम

अपने काम में डूबे न रहना।

सुख-सुविधाओं के बारे में अधिक न सोचना

आत्म-मुग्ध होना।

कुछ देर करें इसका जप

मैं प्रेम और समृद्धि की ऊर्जा से जुड़ा हुआ हूं।

इन मंत्रों का करें जप

ॐ गं गणपतये नमः।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः।

ॐ नमः शिवाय।

ॐ हुं हनुमते नमः।

श्रीं

हर दिन हनुमान चालीसा का पाठ करें

प्रत्येक शनिवार को सुंदरकांड का पाठ करें।

करें ये उपाय

जल्दी सोए और समय पर जगें।

वृद्ध लोगों की सहायता करें।

अंधे लोगों की मदद करें।

जरूरतमंदों की सहायता करें।

दिनचर्या के नियम का पालन करें।

पीपल के पेड़ पर जल चढ़ाएं और पीपल के पेड़ के नीचे सरसों के तेल का दीया जलाएं।

रहस्यमय है खरौद के लक्ष्मणेश्वर महादेव मंदिर का शिवलिंग, चमत्कार देख उड़ जाएंगे होश

रायपुर से 120 किलोमीटर की दूरी पर स्थित खरौद में एक ऐसा मंदिर है जिसकी कहानियां और रहस्य सदियों से लोगों को अपनी ओर आकर्षित करते रहे हैं। लक्ष्मणेश्वर महादेव मंदिर अपने अनोखे शिवलिंग के लिए प्रसिद्ध है। मान्यता है कि इस मंदिर के शिवलिंग की स्थापना स्वयं भगवान राम के छोटे भाई लक्ष्मण जी ने की थी। जब भगवान राम ने खर और दूषण नामक राक्षसों का वध किया था, तब इस स्थान का नाम खरोदे पड़ा था। उसी स्थान पर लक्ष्मण जी ने शिवलिंग की स्थापना की थी, इसलिए इस मंदिर को लक्ष्मणेश्वर महादेव मंदिर के नाम से जाना जाता है।

एक लाख छिद्रों वाला शिवलिंग

इस मंदिर का सबसे बड़ा आकर्षण इसका शिवलिंग है जिसमें लगभग एक लाख छिद्र हैं। इन छिद्रों की वजह से ही इस शिवलिंग को 'लक्ष लिंग' भी कहा जाता है जिसे लोग दूर-दूर से देखने आते हैं। इन एक लाख छिद्रों में से एक छेद ऐसा है जिसके बारे में कहा जाता है कि यह पाताल लोक से जुड़ा हुआ है। इस छेद में चाहे कितना भी पानी डाला जाए, वह कभी भरता नहीं है। ऐसा माना जाता है कि इस छेद से सारा पानी सीधे पाताल लोक में चला जाता है। यह रहस्यमयी छेद लोगों के लिए आश्चर्य का विषय बना हुआ है। इसके अलावा शिव जी का ये मंदिर न केवल अपनी वास्तुकला बल्कि अपने धार्मिक महत्व के लिए भी जाना जाता है। यहां भक्तों की अटूट आस्था है और वे मानते हैं कि इस मंदिर में आने से उनकी सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। खरौद का लक्ष्मणेश्वर महादेव मंदिर ऐसा स्थान है जहां धर्म और विज्ञान का अद्भुत संगम देखने को मिलता है।

पितृ पक्ष के दौरान इस मंदिर का जरूर करें दर्शन, मिलेगी पितरों को मुक्ति

पितृ पक्ष को हिंदू धर्म में बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। इसे श्राद्ध पक्ष के नाम से भी जाना जाता है। इस दौरान लोग अपने पूर्वजों की पूजा और पिंडदान करते हैं। ऐसी मान्यता है कि इस अवधि के दौरान पितृ देव धरती पर आते हैं और सभी के कष्टों को सदैव के लिए दूर करते हैं। हिंदू पंचांग के अनुसार, इस साल पितृ पक्ष की शुरुआत 17 सितंबर, 2024 से हो रही हैं।

वहीं, इसका समापन 02 अक्टूबर को होगा, जब पितृ पक्ष को कुछ ही दिन शेष रह गए हैं, तो आइए आज एक ऐसे मंदिर के बारे में जानते हैं, जिसका दर्शन करने से पितृ दोष समाप्त होता है।

दक्षेश्वर महादेव मंदिर में दर्शन मात्र से दूर होता है पितृ दोष

दक्षेश्वर महादेव मंदिर भगवान शिव के प्रमुख धाम में से एक माना जाता है। यह मंदिर पूर्ण रूप से भगवान शंकर की पूजा के लिए समर्पित है। यह हरिद्वार के कनखल में स्थित है। इस पवित्र स्थल का नाम माता सती के पिता राजा दक्ष के नाम पर रखा गया है। इस शिव धाम में देवों के देव महादेव के साथ दक्ष प्रजापति की भी पूजा होती है। बता दें, इस मंदिर का निर्माण 1810 में रानी धनकौर द्वारा करवाया गया है।

ऐसी मान्यता है कि इस धाम में पूजा-पाठ और दर्शन करने से भक्तों के सभी दुख दूर होते हैं। साथ ही कुंडली से पितृ दोष का प्रभाव धीरे-धीरे समाप्त हो जाता है।

इस स्थान पर माता सती ने त्यागे थे अपने प्राण

पौराणिक कथाओं के अनुसार, एक बार राजा दक्ष ने एक भव्य यज्ञ का आयोजन किया था, जिसमें सभी देवी-देवता शामिल हुए थे, लेकिन उन्होंने भगवान शिव को इस पवित्र अनुष्ठान का निमंत्रण नहीं दिया था। वहीं, शिव जी के लाख समझाने पर भी माता सती अपने पिता के इस यज्ञ में शामिल होने के लिए पहुंच गई थीं। पिता द्वारा पति का अपमान होने पर देवी ने यज्ञ की अग्नि में कूदकर अपने प्राण त्याग दिए थे, जिसका प्रमाण आज भी इस धाम में मिलता है। दरअसल, वह यज्ञ कुण्ड आज भी मंदिर में अपने स्थान पर मौजूद है।

10 साल बाद बन रहा संयोग...

केशवदेव मंदिर और जन्म स्थान पर एक ही दिन मनेगा श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व इस वर्ष 26 अगस्त को मनाई जाएगी। इसके लिए कान्हा के मंदिरों में तैयारियां शुरू हो गई है। श्रीकृष्ण की स्थली ब्रज में भी जन्माष्टमी पर खासा उल्लास देखने को मिलेगा। इस बार प्राचीन केशवदेव मंदिर और श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर एक ही दिन कृष्ण जन्मोत्सव मनाया जाएगा। यह 10 साल में पहली बार होगा जब दोनों स्थानों पर एक साथ यह पर्व मनेगा।

क्या है परंपरा

केशवदेव मंदिर में अजन्मे के जन्मोत्सव मनाने की परंपरा है। यानी यहां जन्माष्टमी के एक दिन पूर्व ही श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मना लिया जाता है। यह उत्सव भक्तों के लिए आकर्षण का केंद्र रहता है। जबकि इसके अगले दिन जन्मस्थान पर जन्माष्टमी मनाई जाती है।

क्यों निभाई जाती है ये परंपरा

जिस दिन अष्टमी तिथि की शुरुआत होती है, उसी दिन प्राचीन केशवदेव मंदिर में जन्मोत्सव मना लिया जाता है। जबकि, जन्मस्थान पर उदया तिथि को महत्व दिया जाता है। ऐसे में यहां अगले दिन जन्माष्टमी मनती है।

एक ही दिन है तिथि

इस वर्ष अष्टमी तिथि का आरंभ और समापन एक ही दिन है। 26 अगस्त को

सुबह 3.39 बजे अष्टमी शुरू होगी और रात 2.19 बजे तक रहेगी। ऐसे में केशवदेव मंदिर और जन्मस्थान पर एक ही दिन जन्मोत्सव मनेगा।

देर रात हुआ था श्रीकृष्ण का जन्म

श्री कृष्ण जन्माष्टमी भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाई जाती है। श्री कृष्ण का जन्मोत्सव देर रात को मनाया जाता है, क्योंकि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान कृष्ण का जन्म देर रात को हुआ था। इस दौरान आप भगवान श्रीकृष्ण की पूजा कर सकते हैं। इस दिन हर्षण और सर्वार्थ सिद्धि योग का निर्माण हो रहा है। अष्टमी तिथि को शिव वास योग का भी निर्माण हो रहा है। ऐसे में 26 अगस्त को ही जन्माष्टमी का व्रत रखा जाएगा।

सनी देओल के साथ बॉर्डर 2 में नजर आएंगे वरुण धवन

पर्दे पर कब आएगी फिल्म?

जेपी दत्ता के निर्देशन में बनी फिल्म बॉर्डर बॉलीवुड की यादगार फिल्मों में से एक है।महज 10 करोड़ रुपये की लागत में बनी इस फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 65.57 करोड़ रुपये का कारोबार किया था।इस फिल्म में सनी देओल और सुनील शेट्टी मुख्य भूमिका में नजर आए थे। 27 साल बाद हाल ही में निर्माताओं ने बॉर्डर के सीक्वल का ऐलान किया है।अब वरुण धवन इस फिल्म की स्टार कास्ट में शामिल हो गए हैं।रिपोर्ट के मुताबिक, बॉर्डर 2 में वरुण भी मुख्य भूमिका में नजर आने वाले हैं। निर्माताओं ने उनसे मुख्य भूमिका निभाने के लिए संपर्क किया है।कहा जा रहा है कि अभिनेता को फिल्म की कहानी भी पसंद आ गई है और उन्होंने इसके लिए हामी भर दी है।बॉर्डर 2 में वरुण जबरदस्त एक्शन करते नजर आएंगे। दर्शकों के बीच उनका अनदेखा अवतार सामने आएगा। निर्माताओं की ओर से इस खबर की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।बॉर्डर 2 23 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसे भारत की अब तक की सबसे बड़ी युद्ध फिल्म बताया जा रहा है।अनुराग सिंह ने बॉर्डर 2 के निर्देशन की कमान संभाली है, वहीं भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, जेपी दत्ता और निधि दत्ता इसके निर्माता हैं।बॉर्डर में अक्षय खन्ना भी नजर आए थे। यह फिल्म 1971 के भारत-पाक युद्ध पर आधारित थी। फिल्म में जवानों की शहादत ने हर किसी की आंखें नम कर दी थी।

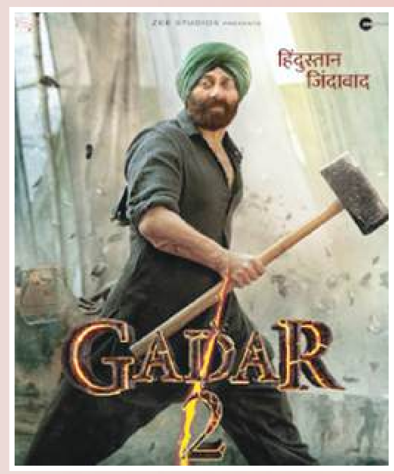

मशहूर होना व ग्लैमर की दुनिया में तहलका मचाना,पहले दिन से ही मेरा गेम प्लान रहा है : उर्फी

उर्फी जावेद अपने फैशन सेंस को लेकर सुर्खियों में बनी रही हैं, लेकिन इस बार वह अपनी अपकमिंग शो फॉलो कर लो यार को लेकर चर्चाओं में हैं। मेकर्स ने शो का ट्रेलर जारी किया है, इसमें उनकी लाइफ से जुड़ी हर चीज.. जैसे स्ट्रगल, सक्सेस और अनसुनी बातों को दिखाया गया है।मेकर्स का दावा हैं कि शो में बिना किसी फिल्टर के उनकी जिंदगी को दिखाया जाएगा। 9 एपिसोड वाली इस सीरीज को ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर 23 अगस्त को रिलीज किया जाएगा। यह सोल प्रोडक्शंस की फाजिला अल्लाना और कामना मेनेजेस द्वारा निर्मित और संदीप कुकरेजा द्वारा निर्देशित है।फॉलो कर लो यार को लेकर उर्फी जावेद ने कहा, मैंने हमेशा बड़े सपने देखे हैं, तब भी जब लोगों ने कहा कि मैं ऐसा नहीं कर सकती। मशहूर होना? ग्लैमर की दुनिया में तहलका मचाना? यही मेरा पहले दिन से ही गेम प्लान रहा है। मेरे लिए यह आसान नहीं था। मैंने सक्सेस से ज्यादा जिंदगी में उतार देखें हैं, ऐसे पलों का, जो किसी को भी अंदर से तोड़ दे, उनका सामना किया है। लेकिन मैने हर बार पहले से ज्यादा मजबूत होकर खुद को वापस खड़ा किया है।लोगों ने मेरी कहानी का सिर्फ एक पहलू ही देखा है, लेकिन सोशल मीडिया से दूर मेरी जिंदगी और भी ज्यादा पागलपन भरी है। यह पूरी तरह से ड्रामा है! मैंने पहले भी रियलिटी टीवी किया है, लेकिन मेरा खुद का शो होना एक सपने के सच होने जैसा है। फॉलो कर लो यार रॉ, रियल और 100 प्रतिशत मेरा है, बिना किसी फ़िल्टर और बेबाक तरीके से।क्या आपको लगता है कि आप उर्फी को जानते हैं? खैर, असली चीज देखने के लिए तैयार हो जाइए। यह एक रोमांचक सफर होने वाला है, और मैं आप सभी के मेरे साथ जुड़ने का इंतजार बेसब्री से कर रही हूं।शो के निर्देशक संदीप कुकरेजा ने कहा, असली मजा उनकी लाइफ के उन पलों को कैद करने में था, जिन्हें उनके फॉलोअर्स और फैंस ने कभी नहीं देखा था। रियलिटी, हमें उन तरीकों से सरप्राइज करती है, जिसकी हम कभी उम्मीद नहीं करते। यह चुनौतीपूर्ण और रोमांचक दोनों था।

विक्रांत मैसी स्टारर क्राइम थ्रिलर सेक्टर 36 ओटीटी रिलीज के लिए तैयार

13 सितंबर को नेटफ्लिक्स पर होगी स्ट्रीम

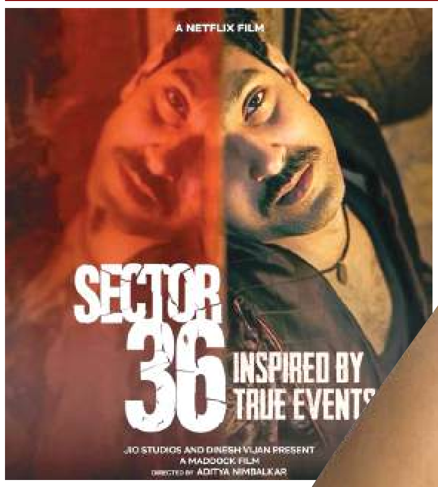

विक्रांत मैसी की अपकमिंग फिल्म सेक्टर 36 की ओटीटी पर रिलीज डेट सामने आ गई है। यह फिल्म सच्ची घटनाओं से प्रेरित हैं। इसमें विक्रांत के साथ एक्टर दीपक डोबरियाल भी नजर आएंगे। सेक्टर 36 झुग्गी बस्ती से कई बच्चों के लापता होने की कहानी है। जिसमें इस मामले की जांच कर रहे एक पुलिस अधिकारी के सामने रोंगटे खड़े कर देने वाला सच सामने आता है।सोशल मीडिया पर मेकर्स ने एक मोशन पोस्टर शेयर किया है। पोस्टर में विक्रांत और दीपक गैंगस्टर लुक में हैं, पोस्ट के कैप्शन में लिखा, अनसुलझी गुमशुदगी, और काला सच। इस खौफनाक क्राइम-थ्रिलर में विक्रांत मैसी और दीपक डोबरियाल नजर आएंगे। यह सच्ची घटनाओं से प्रेरित है। सेक्टर 36 13 सितंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।विक्रांत ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अनाउंसमेंट की और लिखा- यह रहा। फिल्म के बारे में बात करते हुए, मैडॉक फिल्म्स के निर्माता दिनेश विजान ने कहा, हम नेटफ्लिक्स के साथ फिर से काम करने और सेक्टर 36 जैसी कहानी पर काम करने के लिए एक्साइटेड हैं। हमारे लिए, यह एक ऐसी कहानी है जिसे बताया जाना बहुत जरूरी है। फिल्म में एक पुलिस अधिकारी झुग्गी बस्तियों से बच्चों के गायब होने के केस की जांच करता है। इस दौरान उसका सामना खतरनाक सीरियल किलर से होता है।नेटफ्लिक्स इंडिया में ओरिजिनल फिल्म्स की निदेशक रुचिका कपूर शेख ने कहा, सेक्टर 36 एक ऐसी डरावनी कहानी है जो लंबे समय तक आपके दिमाग में चलेगी। डेब्यू डायरेक्टर आदित्य निंबालकर ने एक मनोरंजक फिल्म बनाई है, जिसमें विक्रांत और दीपक की शानदार एक्टिंग ने चार चांद लगा दिए हैं। मुझे लगता है कि फिल्म दर्शकों को काफी पसंद आएगी।

मालविका मोहनन कार्थी स्टारर सरदार 2 में शामिल

सरदार 2 के पीछे प्रोडक्शन बैनर प्रिंस पिक्चर्स ने फिल्म के कलाकारों में मालविका मोहनन को शामिल करने की घोषणा की है। 2022 की कार्थी स्टारर सरदार की अगली कड़ी में कार्थी अपनी मुख्य भूमिका को फिर से निभाते हुए दिखाई देंगे, जिसमें पीएस मिथ्रन निर्देशक के रूप में वापसी करेंगे। एसजे सूर्या भी कलाकारों का हिस्सा हैं, जबकि राशि खन्ना और मुनीशकांत सहित बाकी मूल कलाकारों की अगली कड़ी के लिए पुष्टि होना बाकी है।पहली फिल्म की तकनीकी टीम भी वापस आएगी, जिसमें जॉर्ज सी विलियम्स सिनेमैटोग्राफी संभालेंगे और दिलीप सुब्बारायन स्टंट निर्देशित करेंगे। हालांकि, युवान शंकर राजा संगीतकार के रूप में जीवी प्रकाश की जगह लेंगे और विजय वेलुकुट्टी एंटनी एल रूबेन से संपादन का काम संभालेंगे। राजकुमार पिक्चर्स के बैनर तले लक्ष्मण कुमार सरदार 2 का निर्माण कर रहे हैं।मालविका मोहनन, जिन्होंने हाल ही में विक्रम-पा रंजीत की फिल्म थंगालान के लिए डबिंग पूरी की है, अगली बार इस सीक्वल में नजऱ आएंगी। थंगालान 15 अगस्त को रिलीज़ होने वाली है। उनकी आने वाली परियोजनाओं में प्रभास की मुख्य भूमिका वाली द राजासाब भी शामिल है। कलाकारों में मालविका मोहनन के शामिल होने से सरदार 2 एक रोमांचक सीक्वल बनने जा रहा है। कार्थी और पीएस मिथ्रन की वापसी, नए कलाकारों और तकनीकी टीम के सदस्यों के साथ मिलकर मूल फिल्म के प्रशंसकों के लिए एक रोमांचक सवारी का वादा करती है।

अनन्या पांडे की पहली वेब सीरीज कॉल मी बे का नया पोस्टर जारी

अनन्या पांडे बॉलीवुड में सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली अभिनेत्रियों में से एक हैं। अनन्या पांडे ने बार-बार साबित किया है कि वह यहां अपनी पहचान बनाने के लिए हैं और फिल्मों की उनकी पसंद इसे दर्शाती है। फिल्मों में प्रशंसा प्राप्त करने के बाद, अभिनेत्री कॉल मी बेऴ के साथ अपनी सीरीज की शुरुआत करने के लिए पूरी तरह तैयार है। अब इसी बीच निर्माताओं ने आखिरकार रिलीज की तारीख की घोषणा कर दी है।आपको बता दें कि करण जौहर ने इंस्टाग्राम पर अनन्या पांडे की पहली वेब सीरीज कॉल मी बेऴ से एक नया पोस्टर रिलीज किया है। बहुप्रतीक्षित शो 6 सितंबर, 2024 से अमेजऩ प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगा।आगामी सीरीज कॉल मी बेऴ इशिता मोइत्रा द्वारा रचित और निर्देशक कोलिन डीऴकुन्हा द्वारा निर्देशित है। अनन्या पांडे के साथ इस शो में वीर दास, गुरफतेह पीरजादा, वरुण सूद, विहान समत, मुस्कान जाफरी, निहारिका लायरा दत्त, लिसा मिश्रा और मिनी माथुर सहित कलाकारों की टुकड़ी है। मनोरम कथा लिखने वाले लेखक इशिता मोइत्रा, समीना मोटलेकर और रोहित नायर हैं। धर्माटिक एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले सीरीज का निर्माण प्रतिभाशाली तिकड़ी करण जौहर, अपूर्व मेहता और सोमेन मिश्रा द्वारा किया गया है। कॉल मी बे 6 सितंबर से अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होने के लिए तैयार है।अनन्या पांडे के वर्कफ्रंट की बात करें तो एक्ट्रेस को आखिरी बार खो गए हम कहां में देखा गया था। फिल्म में सिद्धांत चतुर्वेदी और आदर्श गौरव भी मुख्य भूमिका में थे। कॉल मी बे के अलावा, अनन्या के पास कुछ अन्य रोमांचक परियोजनाएं हैं और उनमें से एक विक्रमादित्य मोटवानी की अगली है। कहा जा रहा है कि वह अक्षय कुमार के साथ भी एक फिल्म कर रही हैं।

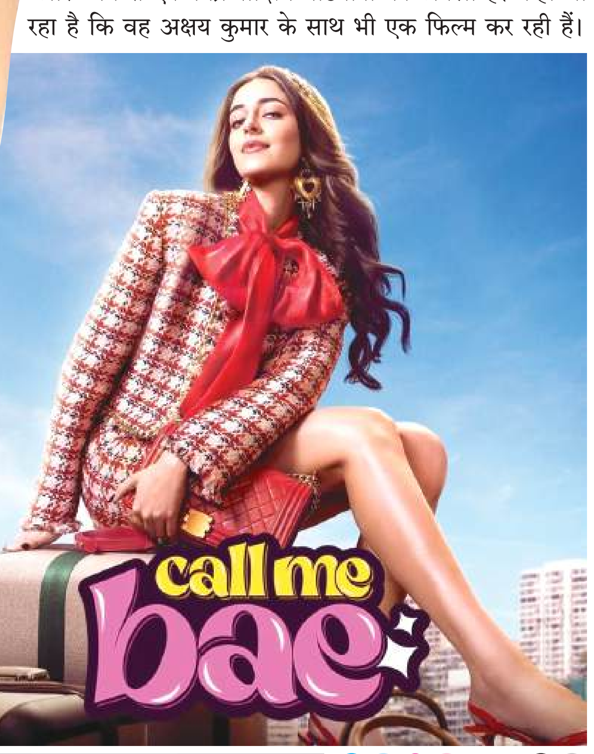

राजनीतिक हित के लिए राष्ट्रहित को तिलांजलि देना ठीक नहीं : धनखड़

जयपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राजनीतिक हित के लिए राष्ट्रहित को तिलांजलि देना ठीक नहीं बताते हुए कहा है कि भारतीयता हमारी पहचान है एवं इसमें हमारा अटूट विश्वास है तथा राष्ट्र हमारे लिए सर्वोपरि है और जिनके लिए राष्ट्र सर्वोपरि नहीं है, राजनीतिक हित एवं व्यक्तिगत स्वार्थ को ऊपर रखते हैं, उन्हें समझाने की जरुरत है।

श्री धनखड़ रविवार को यहां बिरला सभागार में देहदानियों के परिजनों का सम्मान समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि राजनीतिक मतांतर लोकतंत्र की खूबी है। अलग-अलग विचार रखना लोकतंत्र के गुलदस्ते की महक है, पर यह तब तक ही है जब तक राष्ट्रहित को तिलांजलि नही दी जाए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रहित को सर्वोपरि नहीं रखेंगे तो जो यह राजनीतिक मतांतर है, यह राष्ट्रविरोधी बन जाता है। देखने में अक्सर आता है कि व्यक्ति के हित को, राजनीतिक स्वार्थ को राष्ट्रीय हित से ऊपर रखा जाता है और जिन लोगों ने अच्छे पद ग्रहण किए हैं, बड़े पद ग्रहण किए हैं वो विचारधारा ऐसी पेश करते हैं जैसे कि इस देश में कुछ भी हो सकता है।

श्री धनखड़ ने कहा कि हमारा संकल्प होना चाहिए किसी भी हालत में राष्ट्रहित को तिलांजलि नहीं दे सकते। जिनके लिए राष्ट्र सर्वोपरि नहीं है, राजनीतिक हित को ऊपर रखते हैं, व्यक्तिगत स्वार्थ को ऊपर रखते हैं, उनको हमें समझाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर ऐसे लोग इस पर कायम है तो यह राष्ट्र के विकास के लिए हानिकारिक और वह सभी से इन ताकतों को बेअसर करने का आग्रह करते है। क्योंकि जो भारत में हो रहा है जो भारत में विकास यात्रा की गति है।

हमने कभी सपना नहीं देखा था। जो कुछ हो रहा है वह अकल्पनीय है। आज कि पीढ़ी को अंदाज़ा नहीं है, इसीलिए वह आह्वान करना चाहते है कि आज की पीढ़ी को संविधान दिवस के ऊपर देखना चाहिए कि संविधान पर खतरा कब आया था। कुछ लोग कहते हैं कि आपातकाल का काला अध्याय चुनाव से खत्म हो गया, नहीं।

उन्होंने युवा पीढ़ी को लोकतंत्र के पिछले खतरों के बारे में शिक्षित करने की जरुरत बताते हुए कहा कि आज़ादी को हम भूल नहीं सकते क्योंकि लोगों ने बहुत बड़ी कुर्बानियां दी है और आपातकाल के जो अत्याचार हैं और इसीलिए जो भारत सरकार ने पहल की है- संविधान हत्या दिवस , वह हमारी नव-पीढ़ी को आगाह करने के लिए है कि उनको पता लगना चाहिए कि एक ऐसा कालखंड था जिसमें आपके कोई मौलिक अधिकार नहीं थे, उच्चतम न्यायालय ने भी हाथ खड़े कर दिए। कार्यपालिका का तानाशाही रवैय्या ऐसा रहा, इस शिखर पर पहुंच गया कि इतिहास में इसका कोई उदाहरण नहीं मिलेगा। उन्होंने भारत की समृद्ध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर की याद दिलाते हुए सभी से आग्रह किया कि वे हमारे शास्त्रों और वेदों में निहित ज्ञान पर विचार करें, जो ज्ञान और मार्गदर्शन का विशाल भंडार हैं।

इस अवसर पर उन्होंने अंगदान की गहन महत्वपूर्णता को उजागर करते हुए इसे एक आध्यात्मिक गतिविधि और मानव स्वभाव की सर्वोच्च नैतिक अभिव्यक्ति के रूप में वर्णित किया। उन्होंने कहा कि अंगदान केवल शारीरिक उदारता से परे जाता है और करुणा और निःस्वार्थता के गहरे गुणों को दर्शाता है। जैन सोशल ग्रुप्स सेंट्रल संस्थान और दधीचि देहदान समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में श्री धनखड़ ने अंगदाता परिवारों को सम्मानित किया और नागरिकों से अंगदान की दिशा में सचेत प्रयास करने का आह्वान किया। उन्होंने इसे मानवता की सेवा की महान परंपरा से जोड़ते हुए एक मिशन बनाने की बात कही।

शाहबाद में सिरसीपुरा तालाब फूटा कस्बे में मची अफरा-तफरी

बारां, 18 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में बारां जिले के शाहबाद उपखंड के देवरी कस्बे में सिरसीपुरा तालाब फूटने से रविवार को लोगो मे अफरा तफरी का माहौल बन गया। जिला प्रशासन एवं एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची है।

बारां जिले में हो रही लगातार बारिश के चलते नदी नाले अपने उफान पर है। बारिश के चलते कई गांव टापू बने हुए हैं। यहाँ नदी नालों में उफान आने के चलते कई रास्ते बंद है, इन रास्तों को पार करते वक्त कई जगह पर लोग फंस गए जिन्हें रेस्क्यू भी किया गया। सूत्रों के अनुसार शाहबाद उपखंड के देवरी कस्बे में सिरसीपुरा तालाब में बड़ा छेद होने से तालाब फूट गया । जिससे कस्बा जलप्लावित हो गया। एसडीआरएफ और प्रशासन की टीम द्वारा रेस्क्यू कर ग्रामीण लोगो की आवश्यक मदद की जा रही है। जिला प्रशासन द्वारा एवं एसडीआरएफ टीम ने रेस्क्यू कर फंसे लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुँचा रही है। वही हालातों को गम्भीरता से लेते हुए बारां जिला कलेक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने मौके पर पहुँच कर हालातो का जायजा लिया और सम्बंधित अधिकारियों ओर आपदा राहत दलों को उचित निर्देश दिए।

राजस्थान में अब तक हो चुकी है पूरे साल भर की औसत वर्षा से अधिक बरसात

जयपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में इस बार सावन के महीने में मानसून के मेहरबान रहने से प्रदेश के चौबीस जिलों में अतिवृष्टि जैसी बरसात हो चुकी हैं और अब तक राज्य में सामान्य से पचास प्रतिशत से अधिक वर्षा दर्ज की जा चुकी है जो साल भर की औसत वर्षा से भी ज्यादा है। फिलहाल बारिश का दौर थम जाने से अतिवृष्टि वाले क्षेत्रों में राहत महसूस की जाने लगी है।

मौसम विभाग के अनुसार परिसंचरण तंत्र आज दक्षिण-पश्चिमी राजस्थान एवं आस पास के पाकिस्तान क्षेत्र के ऊपर स्थित हैं और जोधपुर एवं बीकानेर संभाग के अधिकांश भागों में रविवार से बारिश की गतिविधियों में कमी होने एवं दिन में धूप निकलने तथा पूर्वी राजस्थान के भी अधिकांश भागों में बारिश की गतिविधियों में कमी होने तथा आगामी चार-पांच दिन में केवल छुटपुट स्थानों पर हल्की-मध्यम वर्षा होने की संभावना है। इसके बाद 22-23 अगस्त को कोटा एवं उदयपुर संभाग में कहीं कहीं पर भारी वर्षा एवं इन दो संभागों के कुछ भागों में 24-25 अगस्त को पुन: भारी भारी वर्षा होने की संभावना है। फिलहाल इक्कीस अगस्त तक कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है।

इस बार बारिश ने जयपुर सहित कई क्षेत्रों में पिछले कई वर्षों के रिकॉर्ड तोड़ दिए और जमकर पानी बरसा। पिछले 25 वर्षों में मानसून सत्र में एक जून से 15 अगस्त तक जयपुर शहर में सर्वाधिक 1040 मिलीमीटर वर्षा इस वर्ष दर्ज की गई हैं। पिछले इन वर्षों में इस बार जयपुर जिले में भी सर्वाधिक 657 मिलीमीटर बारिश हुई हैं। इस बार अच्छी बारिश के कारण जहां चौबीस जिलों में असामान्य (अतिवृष्टि) वर्षा हुई तथा 14 जिलों में सामान्य एवं छह जिलों में सामान्य बरसात रिकॉर्ड की गई। हालांकि छह जिलों बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, सलूंबर, सिरोही एवं उदयपुर में अभी बरसात की कमी बनी हुई हैं।

जल संसाधन विभाग के अनुसार प्रदेश में गत एक जून से 18 अगस्त तक 462.87 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई जो सामान्य औसत वर्षा से 52.09 प्रतिशत अधिक है। इस बार पूरे साल भर एक जून से 30 सितंबर तक बरसात के मौसम में होने वाली औसत वर्षा 417.46 मिलीमीटर से भी 45.41 मिलीमीटर ज्यादा बारिश अब तक हो चुकी है। इस बार अब तक गत वर्ष से भी करीब 85 मिलीमीटर बरसात अधिक दर्ज की गई हैं। इस बार इस दौरान जोधपुर संभाग फलोदी जिले में सर्वाधिक सामान्य से 204.18 प्रतिशत अधिक बारिश हुई है। इस बार इस वर्षा सीजन में एक दिन में सर्वाधिक बरसात 380 मिलीमीटर गत 11 अगस्त को करौली में दर्ज की गई। राज्य में अब तक जिन 24 जिलों में असामान्य बरसात हुई उनमें अलवर, अनूपगढ़, बालोतरा, ब्यावर, भरतपुर, बीकानेर, बूंदी, चुरु, दौसा, डीग, धौलपुर, डीडवाना-कुचामन, दूदू, गंगापुर सिटी, जयपुर, जयपुर ग्रामीण, जैसलमेर, जोधपुर ग्रामीण, करौली, केकड़ी, नागौर, फलौदी, सवाईमाधोपुर एवं टोंक शामिल है।

इसी तरह इस दौरान सामान्य से अधिक वर्षा वाले 14 जिलों में अजमेर, बारां, बाड़मेर, गंगानगर, हनुमानगढ़, झुंझुनूं, जोधपुर ,खेरथल-तिजारा, कोटा, कोटपुतली-बहरोड़, नीमकाथाना, पाली, शाहपुरा एवं सीकर शामिल जबकि छह जिलों भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, जालोर, झालावाड़, राजसमंद एवं सांचोर में सामान्य बरसात हुई हैं।

भूपेंद्र हुड्डा ने मेरे पांच सवालों का जवाब अब तक नहीं दिया, उलटे हमसे ही हिसाब मांग रहे : नायब

यमुनानगर,18 अगस्त (एजेंसियां)। विधानसभा चुनावों की घोषणा होने के बाद रविवार को छछरौली अनाज मंडी में भाजपा की तरफ से जन आशीर्वाद रैली का आयोजन किया गया। रैली कृषि मंत्री कंवरपाल की तरफ से आयोजित की गई। इसमें मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मौजूद रहे। उन्होंने भाजपा सरकार की 10 साल की उपलब्धियां लोगों को गिनवाई। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि छछरौली की धरती से तीसरी बार हरियाणा में भाजपा सरकार बनाने का शंखनाद हुआ है। मंत्री कंवरपाल ने इस क्षेत्र में हुए कार्यों का हिसाब आपको दे दिया है। विपक्ष के पास आज बोलने को कुछ नहीं है। जब उनके पास कुछ नहीं बचा तो वह हिसाब मांगने के लिए

यात्रा निकालने लगते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हुड्डा साहब हिसाब मांगने के लिए पता नहीं कहां से आ गए। हम तो लोगों के बीच में हिसाब देते हैं। नायब सैनी ने कहा कि हमने यमुनानगर के दीन बंधु छोटू राम थर्मल पावर प्लांट की तीसरी यूनिट का शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से करवाना था, लेकिन अचानक आचार संहिता लग गई। इस कार्यक्रम की सारी तैयारी हो चुकी थी। हुड्डा व दीपेंद्र दोनों बापू-बेटा हिसाब मांगते घूम रहे हैं। कुमारी सैलजा तो बांटने-खाने की लड़ाई लड़ रही है। भाजपा की 10 साल की सरकार ने भ्रष्टाचार पर कड़ी चोट की है। छछरौली की बाबा बंदा सिंह बहादुर की तपोभूमि है। यह मां सरस्वती की भूमि है। चार अक्रूबर को भाजपा स्पष्ट बहुमत से सरकार बनाएगी।

जजपा को एक और झटका, बरवाला विधायक जोगी राम सिहाग ने छोड़ी पार्टी

चंडीगढ़, 18 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद से जननायक जनता पार्टी (जजपा) के कई विधायक व नेता पार्टी छोड़ चुके हैं। वहीं रविवार को एक और विधायक ने पार्टी को अलविदा कह दिया है। जजपा के बरवाला से विधायक जोगी राम सिहाग ने इस्तीफा दे दिया। इससे पहले जजपा के चार विधायक पार्टी को छोड़ चुके हैं। जोगी राम सिहाग पांचवें विधायक हैं जिन्होंने पार्टी से इस्तीफा दिया है।

बरवाला से विधायक जोगी राम सिहाग पर जजपा पहले ही भाजपा के पक्ष में रहने का आरोप लगा चुकी है। जजपा पहले ही जोगी राम सिहाग और राम निवास सुरजाखेड़ा को अयोग्य करार देने का पत्र विधानसभा अध्यक्ष को लिख चुकी है। भाजपा से सिहाग का टिकट तय माना जा रहा है। इससे पूर्व उकलाना से विधायक अनूप धानक, टोहाना से देवेंद्र बबली, गुहला चीका से ईश्वर सिंह और शाहबाद से रामकरण काला ने इस्तीफा दिया था।

सूत्रों के मुताबिक जोगी राम सिहाग का भाजपा की ओर से बरवाला से टिकट पक्की मानी जा रही है। जजपा की हालत और अपनी टिकट पक्की होने के बाद सिहाग ने पार्टी से इस्तीफा दिया है। लोकसभा चुनाव में विधायक जोगी राम सिहाग व राम निवास ने भाजपा के पक्ष में प्रचार किया था। हालांकि पार्टी से इन लोगों ने तब तक इस्तीफा नहीं दिया था, मगर पार्टी इन्हें कार्यक्रमों में नहीं बुलाती थी। अब जोगी राम ने इस्तीफा दे दिया है।

जोगी राम सिहाग 2019 में बीजेपी से टिकट नहीं मिलने से नाराज होकर जजपा में शामिल हुए थे।

रक्षाबंधन पर्व पर महिलाओं के लिए फ्री सफर, हरियाणा के बस अड्डों पर मेले जैसा माहौल

कुरुक्षेत्र, 18 अगस्त (एजेंसियां)। भाइयों की कलाई पर राखी बांधने के लिए महिलाओं का सफर आरामदेह हो सके, इसके लिए रोडवेज विभाग ने कमर कस ली है। इसके लिए कुरुक्षेत्र रोडवेज डिपो की ओर से तैयारियां पूरी कर ली गई है तो वहीं रक्षाबंधन से एक दिन पहले ही यात्रियों की भीड़ बढ़ने लगी है। डिपो की ओर से 15 से ज्यादा कर्मचारियों को नए बस अड्डे, पुराने बस अड्डे, बिरला मंदिर व पिहोवा बस अड्डे पर तैनात किया गया है। इन कर्मचारियों में छह निरीक्षक व सात उप निरीक्षकों सहित कई अन्य कर्मचारी भी शामिल रहेंगे। महिलाओं को सफर के दौरान किसी भी तरह की दिक्कत न हो, इसके लिए आदेश विभाग की ओर से जारी किए गए है।

रक्षाबंधन पर्व 19 अगस्त को मनाया जा रहा है, जिसके चलते रक्षाबंधन पर महिलाओं के साथ 15 साल तक के बच्चे भी बस में निशुल्क सफर कर सकेंगे। रोडवेज के अधिकारियों के मुताबिक महिलाएं 18 अगस्त दोपहर 12 बजे से लेकर 19 अगस्त रात 12 बजे तक फ्री सफर कर सकेंगी। महिलाओं से रोडवेज की साधारण बसों में सफर करने पर किसी भी तरह का

भुगतान नहीं करना होगा।

डिपो ड्यूटी निरीक्षक बहादुर सिंह का कहना है कि रक्षाबंधन पर्व पर महिलाओं के साथ आए 15 साल तक के बच्चे को सफर के दौरान किसी भी तरह का भुगतान नहीं करना होगा। महिलाओं को किसी भी तरह की दिक्कत न हो, इसके लिए 15 से ज्यादा कर्मचारी बस अड्डों पर तैनात किए गए हैं, इन कर्मचारियों में छह निरीक्षक व सात उप निरीक्षक भी शामिल रहेंगे। झज्जर में दोपहर 12 बजे के बाद बस अड्डे पर यात्रियों की भीड़ उमड़ पड़ी। बस अड्डे पर मेले जैसा माहौल दिखाई दिया। हालांकि लोगों को बसें समय पर नहीं मिलने के कारण परेशानी का सामना करना पड़ा। झज्जर डिपो में रोडवेज के पास कुल 113 बसें हैं। इसमें से 16 बसें लंबे रूटों पर चलाई गई है जबकि बाकी बसों को लोकल रूटों पर भेजा जा रहा है। इसके लिए सभी चालक-परिचालकों की छुट्टियां रद्द कर दी गई है। इसके अलावा अतिरिक्त बसें भी लगाई गई है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने जीवनसाथी के साथ धन से जुड़े किसी मामले को लेकर आज आपका झगड़ा हो सकता है। हालांकि अपने शांत स्वभाव से आप सबकुछ ठीक कर देंगे। परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख-दुःख के भागीदार बनें, ताकि उन्हें महसूस हो कि आप वाक़ई उनका ख़याल रखते हैं। एकतरफ़ा लगाव आपके लिए सिर्फ दिल तोड़ने का काम करेगा। ऐसे बदलाव लाएँ जो आपके रूप-रंग में निखार ला सके और संभावित साथियों को आपकी ओर आकर्षित करे। आपके जीवनसाथी की मांगें तनाव का कारण बन सकती हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज बिना किसी की सलाह लिये बिना आज आपको पैसा कहीं भी इनवेस्ट नहीं करना चाहिए। घरेलू ज़िंदगी सुकूनभरी और ख़ुशनुमा रहेगी। यात्रा के चलते रूमानी संबंध को बढ़ावा मिलेगा। अगर आप अपनी चीज़ों का ध्यान नहीं रखेंगे, तो उनके खोने या चोरी होने की संभावना है। आप अपने जीवनसाथी के प्यार की मदद से ज़िन्दगी की मुश्किलों का आसानी से सामना कर सकते हैं। आपके घर का कोई सदस्य आज आपसे प्यार से जुड़ी कोई समस्या शेयर कर सकता है। आपको उन्हें उचित सलाह देनी चाहिए।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आपको आर्थिक फ़ायदा होगा । पुरखों की जायदाद की ख़बर पूरे परिवार के लिए ख़ुशी ला सकती है। खाली समय में आप कोई खेल आज के दिन खेल सकते हैं लेकिन इस दौरान किसी तरह की दूर्घटना होने की भी संभावना है इसलिए संभलकर रहें। मुमकिन है कि आज आपका जीवनसाथी ख़ूबसूरत शब्दों में यह बताए कि आप उनके लिए कितने क़ीमती हैं। जिन्दगी आपके अनुसार तभी चल सकती है जब आप सही विचार और सही लोगों की संगति में रहें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

दोस्तों को अपने उदार स्वभाव का ग़लत फ़ायदा न उठाने दें। थोड़े बहुत टकराव के बावजूद भी आज आपका प्रेम जीवन अच्छा रहेगा और आप अपने संगी को खुश रखने में कामयाब होंगे। जो भी आपसे मिले, उसके साथ विनम्र और सुखद व्यवहार करें। बहुत कम लोग ही आपके इस आकर्षण का राज़ जान पाएंगे। कुछ लोग सोचते हैं कि वैवाहिक जीवन ज़्यादातर झगड़ों और सेक्स के इर्द-गिर्द ही घूमता है, लेकिन आज आपके सब कुछ शान्त रहने वाला है। धन को इतनी अहमियत न दें कि आपके रिश्ते ही खराब हो जाएँ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

इस राशि के कुछ लोगों को आज जमीन से जुड़े किसी मुद्दे को लेकर धन खर्च करना पड़ सकता है। गृह-प्रवेश के लिए शुभ दिन है। ज़िन्दगी की हक़ीक़त का सामना करने के लिए आपको अपने प्रिय को कम-से-कम कुछ वक़्त के लिए भूलना पड़ेगा। दूसरों की राय को ग़ौर से सुनें- अगर आप आज वाक़ई फ़ायदा चाहते हैं तो। आपका जीवनसाथी आपकी ज़रूरतों को अनदेखा कर सकता है, जिसके चलते आप चिड़चिड़े हो सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

किसी करीबी दोस्त की मदद से आज कुछ कारोबारियों को अच्छा-खासा धन लाभ होने की संभावना है। यह धन आपकी कई परेशानियों को दूर कर सकता है। परिवार के लिए किसी अच्छे और ऊँचे लक्ष्य को हासिल करने के नज़रिए से समझ-बूझकर थोड़ा ख़तरा उठाया जा सकता है। चूके मौक़ों की वजह से डरें नहीं। आपकी बातें घरवालों को परेशान कर सकती हैं लेकिन इन बातों का हल अवश्य निकलेगा। आपको महसूस होगा कि आपका जीवनसाथी इससे बेहतर पहले कभी नहीं हुआ। सेहत के लिहाज़ से दौड़ लगाना आपके लिए फ़ायदेमंद रहेगा ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

दिन की शुरुआत भले ही अच्छी हो लेकिन शाम के वक्त किसी वजह से आपका धन खर्च हो सकता है जिससे आप परेशान होंगे। आपके माता-पिता की सेहत चिंता और घबराहट का कारण बन सकती है। आज आप हर तरफ़ प्यार-ही-प्यार फैलाएंगे। बातचीत में कुशलता आज आपका मज़बूत पक्ष साबित होगी। थोड़ी-सी कोशिश करें तो यह दिन आपके वैवाहिक जीवन के सबसे विशेष दिनों में से एक हो सकता है। आज आप किसी दोस्त या करीबी रिश्तेदार से अपने दिल के गम साझा कर सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

बिना विचार किये आपको किसी को भी अपना पैसा नहीं देना चाहिए नहीं तो आपको आने वाले वक्त में बड़ी परेशानी है सकती है। यह परिवार में दबदबा बनाए रखने की अपनी आदतों को छोड़ने का वक़्त है। ज़िंदगी के उतार-चढ़ाव में उनके कंधे से कंधा मिलाकर साथ दें। आपका बदला हुआ बर्ताव उनके लिए ख़ुशी का सबब साबित होगा। अगर आप वैवाहिक तौर पर लंबे समय से कुछ नाख़ुश हैं, तो आज के दिन आप हालात बेहतर होते हुए महसूस कर सकते हैं। शांति का वास आपके दिल में रहेगा और इसीलिए आप घर में भी अच्छा माहौल बना पाने में कामयाब होंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

ख़ुद को सेहतमंद और दुरुस्त रखने के लिए वसायुक्त और तली-भुनी चीज़ों से दूर रहें। आज यदि आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने जा रहे हैं तो पैसा सोच समझकर खर्च करें। धन हानि हो सकती है। जितना आपने सोचा था, आपका भाई उससे ज़्यादा मददगार साबित होगा। आज आप बच्चों के साथ बच्चों के जैसा ही व्यवहार करेंगे जिससे आपके बच्चे सारे दिन आपसे चिपके रहेंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज नवयुवकों को स्कूल प्रोजेक्ट की बाबत कुछ राय लेने की ज़रूरत हो सकती है। घर में परेशानियाँ पैदा हो सकती हैं- लेकिन अपने साथी को छोटी-छोटी बातों के लिए ताने देने से बचें। आज काफ़ी दिमागी कसरत मुमकिन है। आपमें से कुछ भविष्य की योजनाओं पर गहराई से सोच सकते हैं। अकेलापन कई बार काफ़ी दिक़्क़त भरा हो सकता है, ख़ास तौर से उन दिनों में जब कि आपके पास ज़्यादा कुछ करने के लिए न हो। इससे छुटकारा पाने की कोशिश करें और अपने दोस्तों के साथ थोड़ा समय व्यतीत करें।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

जो लोग अब तक पैसे को बिना सोचे विचारे उड़ा रहे थे उन्हें आज पैसे की बहुत आवश्यकता पड़ सकती है और आज आपको समझ में आ सकता है कि पैसे की जीवन में क्या अहमियत है। आपको अपने रोज़मर्रा के कामों से छुट्टी लेकर आज दोस्तों के साथ घूमने का कार्यक्रम बनाना चाहिए। खेलकूद जीवन का जरुरी हिस्सा है लेकिन खेलकूद में इतने भी व्यस्त न हो जाएं कि आपकी पढ़ाई में कमी आ जाए। अपने प्रिय के साथ पर्याप्त समय बिताने की संभावना है। ऐसा हो भी क्यों न, ऐसे पल ही तो किसी संबंध को प्रगाढ़ बनाते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपनी शारीरिक सेहत सुधारने के लिए संतुलित आहर लें आज के दिन आप ऊर्जा से लबरेज़ रहेंगे और मुमकिन है कि अचानक अनदेखा मुनाफ़ा भी मिले। आपको अपनी भावनाओं को नियन्त्रित करने में कठिनाई होगी, लेकिन आस-पास के लोगों से झगड़ा न करें नहीं तो आप अकेले रह जाएंगे। याद रखिए कि आँखें कभी झूठ नहीं बोलतीं। आपका अपने जीवनसाथी के साथ तनावपूर्ण संबंध रह सकता है। जहां तक सम्भव हो बात को बढ़ने न दें। अपने साथी के लिए कोई बेहतरीन पकवान बनाना आपके फीके पड़े रिश्तों में गर्मजोशी भर सकता है।

सोमवार का पंचांग

दिनांक : 19 अगस्त 2024 , सोमवार
विक्रम संवत : 2081
मास : श्रावण , शुक्ल पक्ष
तिथि : पूर्णिमा रात्रि 11:57 तक
नक्षत्र : श्रवण प्रात: 08:11 तक
योग : शोभन रात्रि 12:46 तक
करण : विष्टि दोपहर 01:34 तक
चन्द्रराशि : मकर सायं 07:00 तक
सूर्योदय : 06:00 , सूर्यास्त 06:39 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:38 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:59 , सूर्यास्त 06:31 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:29 (विजयवाड़ा)

शुभ चौघड़िया
चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : श्रावण पूर्णिमा, श्रावणी उपाकर्म, रक्षाबंधन भद्रा के बाद , भद्रा दोपहर 01:33 तक , पंचक आरंभ रात्रि 07:00 से , कोकिला व्रत पूर्ण

❁ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ❁

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

लालू यादव ने की नागपुरिया मॉडल की बात, कहा-

वंचितों के अधिकारों पर डाका डाल रहे हैं एनडीए वाले

पटना (एजेंसियां)।
राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने एक बार फिर से केंद्र सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने अपने बयान से पीएम नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ को घेरने की कोशिश की। सोशल मीडिया पर लालू प्रसाद यादव ने लिखा कि बाबा साहेब के संविधान एवं आरक्षण की धज्जियां उड़ाते हुए नरेंद्र मोदी और उसके सहयोगी दलों की सलाह से सिविल सेवा कर्मियों की जगह अब संघ लोक सेवा आयोग ने निजी क्षेत्र से संयुक्त सचिव, उप-सचिव और निदेशक स्तर पर नियुक्ति के लिए सीधी भर्ती का विज्ञापन निकाला है।

लालू प्रसाद ने कहा कि इसमें कोई सरकारी कर्मचारी आवेदन नहीं कर सकता। इसमें संविधान प्रदत कोई आरक्षण नहीं है। कारपोरेट में काम कर रहे भारतीय जनता पार्टी की निजी सेना (आरएसएस) यानी खाकी पेंट वालों को सीधे भारत सरकार के महत्त्वपूर्ण मंत्रालयों में उच्च पदों पर बैठाने का यह 'नागपुरिया मॉडल' है। संघी मॉडल के तहत इस नियुक्ति प्रक्रिया में दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों को आरक्षण का कोई लाभ नहीं मिलेगा। वंचितों के अधिकारों पर एनडीए के लोग डाका डाल रहे हैं।

इधर, राजद सुप्रीमो के बेटे और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने फिर से नीतीश सरकार पर हमला बोला।

उन्होंने फिर से क्राइम बुलेटिन जारी किया। सोशल मीडिया पर उन्होंने लिखा कि भाजपा शासित डबल इंजन सरकार में बिहार में ट्रबलिंग क्राइम रिकॉर्ड! क्या आपने सीए नीतीश कुमार को रिकॉर्डतोड़ अपराध, अनियंत्रित भ्रष्टाचार तथा बिहार में प्रतिदिन गिरती सैंकड़ों लाशों और ढहते पुलों पर बोलते सुना? सुनेंगे भी नहीं?

मधुबनी में बेटे ने कुदाल से काटकर की मां की हत्या

आरोपी खुद आत्मसमर्पण करने पहुंचा पुलिस थाने

दरभंगा (एजेंसियां)।
मधुबनी में एक सनकी बेटे ने अपनी मां की कुदाल से काटकर निर्मम हत्या कर दी है। यह घटना हरलाखी थानाक्षेत्र के गोपालपुर गांव के वार्ड-13 की है। हत्या करने के बाद आरोपी युवक खुद ही हरलाखी थाने पहुंच गया और अपनी मां की हत्या के बारे में पुलिस को जानकारी दी। उसके बाद आरोपी ने पुलिस के पास आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस ने उसकी बात विश्वास न होने पर चौकीदार को सूचना दी। उसके बाद चौकीदार ने बताया कि घटना सच है। उसके बाद पुलिस ने आरोपी युवक को अपने कब्जे में ले लिया।

जानकारी के मुताबिक, मृतका की पहचान हितलाल यादव की

पत्नी जिवछी देवी (65) के रूप में की गई है। वहीं, हत्या के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। जानकारी मिलते ही हरलाखी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों से पूछताछ की। हरलाखी थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार सहनी ने कहा कि एक महिला की कुदाल से काटकर हत्या कर दी गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही हैं। वहीं, बेनीपट्टी डिएसपी निशिकांत भारती ने बताया कि मामले की जांच चल रही है। आरोपी के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। आरोपी बेटे लालबाबू यादव को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि लालाबाबू यादव मानसिक रूप से अस्वस्थ था और उसका इलाज चल रहा था। घटना से लोग हतप्रभ हैं।

सहरसा में तीन किशोरियों में से दो की डूबने से मौत, नदी किनारे गईं थी घास काटने

सहरसा (एजेंसियां)।
सहरसा जिले के महिषी थानाक्षेत्र के एना गांव में कोसी नदी किनारे घास काटने गईं तीन सहेलियों में से दो की डूबने से मौत हो गई। तीसरी लड़की के शोर मचाने पर लोग मौके पर पहुंचे। फिर दोनों का शव बाहर निकाला गया। घटना की सूचना मिलते ही सीओ अनिल कुमार ने मौके पर पहुंच शव का पोस्टमार्टम कराने के लिए परिजनों से अपील की। ताकि सरकारी सहायता दी जा सके।

मृतकाओं की पहचान महिषी थानाक्षेत्र के एना वार्ड-11 निवासी जीवछ चौपाल और सुरजी देवी की बेटी करिश्मा कुमारी (13) और वार्ड-10 निवासी संतोष पंडित और ललिता देवी की बेटी आरती कुमारी

(15) के रूप में हुई है। घटना के बाद से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। इधर, पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

सीओ अनिल कुमार ने बताया कि घटना हुई है, तीन किशोरियां घास काटने गईं थी। इस दौरान पैर फिसलने के कारण उनमें से दो की मौत हो गई। आपदा के तहत जो भी मदद होगी, वह दोनों परिवार को की जाएगी। उन्होंने कहा कि लोगों से लगातार अपील की जा रही है कि नदी किनारे बच्चों को न जाने दें, बावजूद कुछ ला-परवाही बरती जा रही है। उन्होंने कहा कि पहले भी इस तरह की कुछ घटनाएं हो चुकी हैं। लोगों को जागरूक होने की जरूरत है।

वहीं, गांव में एक साथ दो घरों से दो बच्चियों की अर्थी उठने से गांव में लोगों के बीच शोक की लहर छा गई है। लोगों ने कहा कि कोसी नदी किनारे कटाव हो रहा है और जमीन धंस रहा है। इसके कारण थोड़ी सी भी ला-परवाही जान ले रही है।

बाबा सिद्धेश्वर नाथ मंदिर जल अर्पित करने जा रही महिला का पहाड़ी से पैर फिसला, इलाज के दौरान मौत

जहानाबाद (एजेंसियां)।
जहानाबाद के मखदुमपुर प्रखंड के वाणावर स्थित बाबा सिद्धेश्वर नाथ मंदिर के पास पहाड़ी चढ़ते वक्त एक महिला का पैर फिसल गया, जिससे वह गिर गई। इस हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गई। उसके बाद उसे इलाज के लिए मेडिकल कैंप में ले जाया गया, जहां से विशेष इलाज के लिए जहानाबाद रेफर कर दिया गया। लेकिन इलाज के दौरान ही महिला की मौत हो गई। घटना की सूचना पाते ही भारी संख्या में पुलिस बल और वरीय अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गए। उसके बाद पदाधिकारी पूरे मामले की छानबीन करने में जुट गए।

जानकारी के मुताबिक, जहानाबाद जिले के वाणावर में

स्थित बाबा सिद्धेश्वर नाथ में दुर्घटना कम होने के बजाय बढ़ रही है। दरअसल, आज रविवार को बाबा मंदिर जाने के दौरान पैर फिसलने से घायल हुई महिला की सदर अस्पताल जहानाबाद में मौत हो गई। बताया जा रहा है कि नवादा जिले के खुदागंज थानाक्षेत्र के ग्राम केवई निवासी महिला आशा देवी बाबा मंदिर में जल अर्पित करने के लिए जा रही थी। तभी अचानक उसका पैर फिसला और लुढ़क गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। उसके बाद साथ रहे परिजन उसे रेफरल अस्पताल मखदुमपुर ले गए। जहां से उसे विशेष इलाज के लिए सदर अस्पताल जहानाबाद ले जाया गया। लेकिन वहां इलाज के अभाव में महिला की मौत हो गई।

वहीं, साथ में आई महिला रेखा देवी ने बताया कि जल अर्पित करने जाने के दौरान पहाड़ पर पैर फिसलने से आशा देवी घायल हो गई। उसे तत्काल मखदुमपुर अस्पताल ले गए। वहां से जहानाबाद अस्पताल लाए, जहां उसकी मौत हो गई। वहीं, परिजनों में इस घटना से चीत्कार मच गया और सभी का रो-रो कर बुरा हाल बना हुआ है। सावन के अंतिम सोमवार को लेकर जहानाबाद जिला प्रशासन द्वारा वाणावर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था करने का दावा किया गया है।

समस्तीपुर में ग्रामीणों ने शांति नदी पर बनाया 250 फुट लंबा चचरी पुल, हर साल बारिश में बह जाता है यह पुल

दरभंगा (एजेंसियां)।
समस्तीपुर जिले के कल्याणपुर प्रखंड से गुजरने वाली शांति नदी पर बघला गांव के लोगों ने जज्बे का चचरी पुल बनाया है। मानसून शुरू होते ही शांति नदी में आई बाढ़ के कारण चकमहेसी और बघला गांव को जोड़ने वाले डायवर्जन के बह जाने से बघला के प्रखंड मुख्यालय से संपर्क भंग हो गया था।

इसी स्थल पर नए पुल का भी निर्माण कार्य चल रहा है, लेकिन नदी में पानी आ जाने के बाद निर्माण कार्य को रोक दिया गया है। लोगों के समक्ष आवागमन के लिए नाव ही एकमात्र सहारा बचा था, जिस कारण ग्रामीणों का कामकाज काफी प्रभावित हो रहा था।

बघला गांव निवासी पंकज कुमार ने बताया कि परेशानी को देखते हुए लोगों ने पंचायत

प्रशासन से लेकर प्रखंड प्रशासन को भी मदद की गुहार लगाई। प्रखंड प्रशासन की ओर से नाव की व्यवस्था की गई। इसके बाद लोगों ने आपसी सहयोग कर चचरी का पुल बनाने का निर्णय लिया। ग्रामीणों द्वारा आपसी सहयोग से तीन लाख रुपये चंदे की वसूली की गई। फिर ग्रामीणों ने पुल बनाने में खुद मजदूर की भूमिका निभाई और करीब 20 दिनों की कड़ी मेहनत के बाद पुल का निर्माण कर लिया। अब लोगों ने बाइक और तीन चक्का ऑटो लेकर आवाजाही करनी शुरू कर दी है।

शांति नदी का डायवर्जन के बहने से इस इलाके के बघला, भरजा कनौजर, पड़ाव, कल्याणनगर, हत्था और माधोपुर आदि गांव की करीब 25 हजार से अधिक आबादी को आने-जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। अब इस चचरी पुल के बन जाने से लोगों को बड़ी राहत मिली है। लोग बाइक और तीन चक्का वाहन से पुल पार कर ले रहे हैं। चचरी पुल मजबूत रहे, इसके लिए निर्माणाधीन पुल के पाये का भी सहारा लिया गया है।

ग्रामीणों ने बताया कि करीब 250 फुट लंबे इस पुल को बनाने में 20 दिनों का समय लगा। गांव के ग्रामीणों ने ही इसके लिए दिन रात मेहनत की। पुल के निर्माण पर करीब तीन लाख रुपये खर्च हुए हैं। उक्त राशि की ग्रामीणों ने अपने स्तर से व्यवस्था की।

वहीं, अनुमंडल पदाधिकारी दिलीप कुमार ने कहा कि डायवर्जन के बह जाने से लोगों को दिक्कत हो रही थी। सरकारी स्तर पर नाव की व्यवस्था की गई थी, क्योंकि उक्त स्थल पर पुल का निर्माण कार्य चल रहा है। पानी घटने के बाद पुनः निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा।

पटना में दिनदहाड़े युवक की हत्या अपराधियों ने युवक को मारी गोली

पुलिस ने चार खोखा बरामद किया

पटना (एजेंसियां)।
पटनासिटी के सुल्तानगंज में अपराधियो ने रविवार को दहाड़े युवक को गोलियों से भून डाला। आननफानन में युवक को इलाज के लिए निजी अस्पताल मे भर्ती कराया गया था। यहां डाक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। सुल्तानगंज थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक की पहचान रानी घाट निवासी शंकर वर्मा के रूप में हुई। पुलिस ने मौके से चार खोखा भी बरामद किया है। इधर, पटनासिटी के पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी ने बताया कि मौके पर एसएफएल टीम और डॉग स्कायड को बुलाया गया है। कुछ लोगों से पूछताछ चल रही है। मामले में आगे की कार्रवाई चल रही है।

बताया जा रहा है कि शंकर वर्मा दुर्गा पूजा कमेटी की मीटिंग में भाग लेने के लिए अपने घर से निकले थे। पूजा कमेटी के कुछ लोगों ने बताया कि दुर्गा पूजा के आयोजन को लेकर रविवार को एक बैठक का आयोजन किया गया था। जिसमें यह निर्णय लेने का कार्यक्रम था कि दुर्गा पूजा इस वर्ष हरसोलाशपूर्वक कैसे मनाया जाए। इसे लेकर शंकर वर्मा को भी मीटिंग की बैठक में शामिल होने के लिए बुलाया गया था। बताया जा रहा है कि इस बीच शंकर वर्मा अपने गली से निकलकर रानी घाट की तरफ आ रहे थे। इसी क्रम में पैदल आए चार युवकों ने शंकर वर्मा पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसानी शुरू कर दी। घटना को अंजाम देने के बाद सभी अपराधी पैदल तेजी से रास्ते से फरार हो गए। गोलीबारी की आवाज सुनते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और खून से लतपत शंकर वर्मा को पास के एक निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

इधर इस मामले को लेकर पटना सिटी के पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी ने बताया कि शंकर वर्मा पर पूर्व के 18 अपराधिक मामले दर्ज हैं। वहीं आसपास के लोगों ने बताया कि पिछले लगभग 10 वर्षों से शंकर वर्मा का कोई आपराधिक इतिहास नहीं रहा है। पूर्व में कई घटनाओं में उनकी संलिप्त शामिल थी लेकिन पिछले लगभग 10 वर्षों से शंकर वर्मा अपनी सभी गलत गतिविधियों को छोड़कर समाज सेवा से जुड़ गए थे। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। जिसमें साफ देखा जा सकता है गली में टहलते हुए अपराधी पैदल शंकर वर्मा के घर के नजदीक पहुंचे और गोली मारकर फरार हो गए।

मां और दो बेटियां गंगा की तेज धार में बहीं, बेगूसराय में एक ही परिवार के तीन लोगों की हुई मौत

पटना (एजेंसियां)।
बेगूसराय में गंगा स्नान करने के दौरान मां और दो बेटी सहित तीन की डूबने से मौत हो गई। इसमें महिला का शव लोगों ने बरामद कर लिया, जबकि स्थानीय गोताखोर के द्वारा दोनों बेटियों की तलाश की जा रही है। घटना बलिया थाना क्षेत्र के तुलसी टोल गंगा नदी की है। मृतक महिला की पहचान तुलसी टोल के रहने

वाली द्रोपती देवी के रूप में की गई है जबकि पुत्री रिमझिम और रोमा बताई जा रही है।

घटना के संबंध में स्थानीय लोगों ने बताया कि महिला द्रोपती देवी अपने दोनों बेटियों रिमझिम और रोमा के साथ गंगा स्नान करने के लिए गई थी। गंगा स्नान करने के दौरान अचानक रिमझिम और रोमा डूबने लगी। दोनों को डूबते देख द्रोपती देवी गंगा की तेज धार की तरफ बढ़ गई। लेकिन न तो वह अपनी बेटियों को बचा सकीं और न खुद ही तेज धार से बच पाई। बेटियों के साथ-साथ वह खुद भी गंगा के तेज धार में बह गई।

ग्रामीणों ने बताया कि यह घटना होते देख घाट के पास लोग शोर मचाने लगे। वहां मौजूद कुछ गोताखोर और कुछ ग्रामीण तीनों को बचाने के लिए गंगा में कूद पड़े, लेकिन कोई फायदा नहीं हो पाया। काफी खोजबीन के बाद द्रौपदी देवी की लाश मिल गई लेकिन बेटियों रिमझिम और रोमा की लाश नहीं मिल पाई। स्थानीय गोताखोर अभी भी खोजबीन कर रहे हैं। स्थानीय लोगों ने तुरंत घटना की जानकारी बलिया थाना को दी दी। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव की खोजबीन करवा रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com